HRA AN UNIVA The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED &Y AUTHORITY

सं 37]

नई बिल्ली, शनिवार, सितम्बर 13, 1975 (भावपद 22, 1897)

No. 37] NEW DELHI, SATURDAY, SEPTEMBER 13, 1975 (BHADRA 22, 1897)

इस जाग में जिन्म पुष्ठ संख्या की जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के कप में एखा जा सके । (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

माग Ш--खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेख विचाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीम कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 अगस्त, 1975

सं० ए०-32013/1/75-प्रशासन-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग श्रधिकारी ग्रेड के स्थायी श्रधिकारी श्री टी०, एन० चन्ना को राष्ट्रपति द्वारा, 7 जुलाई, 1975 से 21 श्रगस्त, 1975 तक श्रथवा किसी नियमित श्रधिकारी के पद ग्रहण करने तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न श्राधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

> पी०एन०मुखर्जी ग्रवर सचिव (प्रशासन प्रभारी) संघ लोक सेवा ग्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 16 ग्रगस्त 1975

सं० पी/1857- प्रशा०-[--भारतीय ग्रर्थ सेवा के श्रधिकारी श्री ज्ञान प्रकाश ने 1 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेशों तक श्रवर सचिव, संघ लोक सेवा श्रायोग के पद का कार्य÷भार संभाज लिया ।

> पी० एन० मुखर्जी श्रवर सचिव संघ लोक सेवा श्रायोग

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक स्रोर प्रशासनकि सुधार विभाग)

प्रवर्तन निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रगस्त 1975

फा० सं०ए०~11/22/75~-श्री शेर सिंह, श्रायकर अधिकारी, श्रायकर विभाग, श्रहमदाबाद को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 1 श्रगस्त, 1975 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेशों तक के लिए मुख्य प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानायश्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

> सूरज भान जैन निदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 ग्रगस्त 1975

फा० सं० ए-11/11/75— निम्नलिखित सहायक प्रवर्तन ध्रिधकारियों को प्रवर्तन ध्रिधकारी के पदों पर उनके कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से ग्रगले घ्रादेशों तक के लिए स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है। उनकी नियुक्ति के स्थान और कार्यभार ग्रहण करने की तारीख उनके प्रत्येक के नाम के ग्राग दी गई हैं।

<u></u>		
ऋम सं० नाम	नियुक्ति का	कार्यभारग्रहण
	स्थान	की तारी ख
1. श्री के जोन	त्निवेन्द्रम	13-6-75 (पूर्वाह्म)
2. श्रीवी०एस०	मुख्यालय	
त्यागेस्वरन्	(दिल्ली)	9-7-75 (पू र्वाह्न)
3. श्रीवी० सुक्रमणि	यन् बंगलौर	23-6-75 (पूर्वाह्न)
4. श्री श्रार० रविन्द्र	रनाथ बम्बई	28-6-75 (पूर्वाह्न)
5. श्रीएम ग्रार० चं	ोपड़ा म्रागरा	30-6-75 (पूर्वाह्म)
6. श्री पी० एन०		
लढावाला	ग्रहमदाबाद	11-6-75 (पूर्वाह्न)
7. श्रीबी० ग्रार०	शर्मा जयपुर	24-6-75 (पूर्वाह्म)

नृपेन बक्सी उप-निदेशक (प्रशासन)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 16 ग्रगस्त 1975

सं०ए-20014/36/75-प्रशासन-र्र--पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतदद्वारा, श्री एम०टी० कुलकर्णी, पुलिस उप-निरीक्षक को, उनकी प्रोन्नति हो जाने पर, दिनांक 22 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से श्रगले ग्रादेश तक के लिए केन्द्रीय श्रन्वेषण क्यूरों के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग की बंबई (ग्राधिक ग्रपराध स्कंध) शाखा में श्रस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्ति करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली, दिनांक 18 ग्रगस्त 1975

सं ० जे-5/72-प्रशासन-5—श्रपने मूल विभाग में प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री जे०पी० विषाष्ठ, पुलिस उप-ग्रधीक्षक, केन्द्रीय ,न्वेषणब्यूरो की सेवाएं पुलिस महानिरीक्षक, पंजाब को सौंपी जाती हैं।

श्री जे० पी० विशष्ठ को केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो से दिनांक 30 भ्रप्रेल, 1975 के श्रपराह्म में कार्यभार मुक्त किया गया है।

> गुलजारी लाल अग्रवाल प्रशासन श्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्युरो

केन्द्रीय सतर्कता भ्रायोग

नई दिल्ली दिनांक 13 ग्रगस्त 1975

सं०2/35/74-प्रणासन—केन्द्रीय सतर्कता स्रायुक्त एतब्द्वारा श्री जे० एन० राम, सहायक श्रीभयंता, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को 26 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्म से श्रगले आदेश तक केन्द्रीय सतर्कता श्रायोग में स्थानापन्न रूप से सहायक तकनीकी परीक्षक नियुक्त करते हैं।

> बी० व्ही विधे श्रवर सचिव कृते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

गृह मंत्रालय

केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल महानिदेशालय नई दिल्ली * 110001, दिनांक 18 श्रगस्त 1975

सं० घ्रो० टू० 136/75- ईस्ट० (सी० ग्रार० पी० एफ०) -राष्ट्रपति भूतपूर्व ले० कर्नल, उमराव सिंह जोकि भारतीय स्थल सेना
के एक प्रधिकारी हैं को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में प्रतिनियुक्ति
पर ग्रस्थाई रूप में कमान्डेट के पद पर नियुक्त करते हैं।

 उन्होने कमान्द्रर के पद का कार्यभार द्वितीय सिगनल बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल, में 28 जुलाई 1975 (पूर्वास्त्र) को सम्भाला।

> ए० के० बन्धोपाध्याय सहायक निदेशक (प्रणासन)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनाक 21 जुलाई 1975

सं ० ई-38013(3) 3/75 प्रशासन-I—बोकारो स्टील लिमि-टेड से स्थानान्तरित होने पर, श्री ग्रार० के० दीक्षित ने दिनाक 27 जून 1975 के ग्रपराह्म से केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, दुर्गापुर के सहायक कमांडेट पदका कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 6 श्रगस्त 1975

सं० ई -16014(1)/18/73-प्रशा०-I—मणिपुर राज्य पुलिस से प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरित होने पर, श्रोबी०पी० सर्दाना, ने दिनांक 10 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रौद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, सुरक्षा पेपर मिल, होशंगाबाद, के कमांडेट पद का कार्य-भार संभाल लिया।

सं०ई-38013(3)/10/75-प्रणा०-I—भारत कोिंकग कोल लिमिटेड, झरिया, को स्थानान्तरित होने पर, श्री बी० मिश्रा ने दिनांक 14 जुलाई, 1975 के ग्रंपराह्म से केन्द्रीय ग्रीद्योगिक सुरक्षा- बल यूनिट, सरकारी श्रफीम फैक्ट्री, नीमच के सदायक कमान्त्रेय पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 14 ग्रगस्त 1975

सं० ई-38013(3)/10-75-प्रणा०-I—नीमच से स्थानान्त-रितहोनेपर,श्रीबी० मिश्रा,ने दिनांक, 25 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न स केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बी० सी० सी० एल०, झरिया के सहायक कमांडेंट पद कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 19 मगस्त 1975

सं० ई-38013 (2)/1/75- प्रणा०-1--श्री लाह्रमण दास आई० पी० एस०, ने दिनांक 5 मई, 1975 के प्रपराह्न से केन्द्रीय श्रीद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, माइनिंग ग्रलाइड मशीनरी निगम, दुर्गापुर, के कंमाडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई-38013(3)/32/73-प्रशा०-I-दुर्गापुर से स्थान। नतिति होने पर, श्री ईशवर सिंह ने श्री एम० एल० खुराता के स्थान पर दिनांक 18 मार्च, 1974 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय ग्रीधोगिक सुरक्षा बल की 7वीं बटालियन के सहायक कमांडेंड पद का कार्यभार सम्भाल लिया। उनका मुख्यालय सिन्दरी में होगा। दुर्गापुर को स्थानान्तरित होने पर श्री एम० एल० खुराना ने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड दिया।

2. यह दिनांक 16 मई, 1974 की सम संख्या प्रधिसूचना का अधिक्रमण करती है।

> एल० एस० बिष्ट महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 ग्रगस्त 1975

सं० पी०/के० (1)-ए० डी०-I—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी०/के० (1)-ए० डी०-I दिनांक 22 फरवरी 1975 की अनुवृती में राष्ट्रपति, पंजाब के उप-जनगणना निदेशक के पद पर श्री एच० एस० क्वादा की पुनः नियुक्ति को दिनांक 1 सितम्बर 1975 से 6 महीने की और भ्रवधि के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

दिनांक 16 प्रगस्त 1975

सं० 25/2/74-म्रार० जी० (ए० डी०-I)——इस कार्यालय की म्रिधसूचना सं० 25/2/74-म्रार० जी० (ए० डी०-I) दिनांक 17 मार्च 1975 की म्रनुवृत्ति में राष्ट्रपति, श्री म्रार० वाई० रेवाणेट्टी, सहायक जनगणना कार्य निदेशक (तकनीकी) की तदत

नियुक्ति वर्तमान शर्तों पर जनगणना कार्य निदेशक, कर्नाटक बंगलौर के कार्यालय में दिनांक 15 मई 1975 से 30 सितम्बर 1975 तक के लिए सहर्ष बढ़ाते हैं।

सं० 11/13/75-श्रार० जी० (ए० डी०-I)— राष्ट्रपति, श्री के० एस० लिंगडोह को जो मेथालय के जनगणना निदेशक के कार्यालय में सारिणी श्रधिकारी हैं उसी कार्यालय में सहायक जनगणना निदेशक के पद पर तदर्थ रूप से 3 महीने की श्रविध के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पहले हो तत्काल सहर्ष नियुक्त करते हैं।

बद्री नाथ भारत के उप-महापंजीकार एवं पदेन उप-सचिव

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार <mark>घ्रान्ध्र प्रदे</mark>श हैदराबाद-500004, दिनांक 5 <mark>ग्रगस्त 1</mark>975

सं० ई० बी० 1/8/312/74-75—महालेखाकार, ग्रान्ध्र प्रदेश, हैंदराबाद कार्यालय के ग्रधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री एम० ई० राम मूर्ति को महालेखाकार, ग्रान्ध्र प्रदेश, हैंदराबाद द्वारा वेतनमान ६० 840-40-1000—ई० बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी के पद पर 28-7-75 के पूर्वाह्न से जब तक श्रागे ग्रादेश न दिए जाएं नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे विरिष्ठ सदस्यों के वावे पर प्रतिकृत्न प्रभाव डालने वाली नहीं है।

(ह०) श्रपठनीय प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन) सहायक महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय, महालेखाकार, केरल विवेन्द्रम, दिनांक 13 श्रंगस्त 1975

सं० एस्ट०/एन्ट०/6/10-3/132—केरल के महालेखाकार के कार्यालय के स्थानापन्न लेखा ग्रधिकारी श्री पी० ग्रार० नारायणन नायर का देहान्त दिनांक 29 जून 1975 की ही गया।

> श्चार० सी० घई महालेखाकार

रक्षा लेखा विभाग कार्यालय, रक्षा लेखा महा नियन्त्रक नई दिल्ली दिनांक 12 प्रगस्त 1975

सं० 40011 (2)/74-प्रशा० ए०---बार्धक्य निवर्तन की श्रायु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा श्रधिकारी उनके सामने लिखी तारीख के ग्रपराह्म से पेंशन स्थापना को श्रन्तरित कर दिए गए/कर दिए जाएंगे :---

ऋम	नाम रोस्टर संख्या सहिस	ग्रेड	पेंशन स्थापना को भ्रन्तरण	संगठन
सं०			की तारीख	
	सर्वेश्री			
1.	चमन लाल सोनी (पी/175)	. स्थायी लेखा प्रधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रैंक), उत्तर मेरठ।
2.	श्री जी॰ एस॰ सेठी (पी/220)	. स्थायों लेखा प्रधिकारी	30-11-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कसान, मेरठ !
3.	के० वी० हरिहरन (पी०/256)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-75	रक्षा लेखा नियंतक (नौ सेना), बम्बई।
4.	्वी० श्रार० संगार (पी०/297)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।
5	्लाभ चस्द (पी०/618)	. स्थायी लेखा ग्रंधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर,मेरठ ।
6	. एन० एस० नरसिम्हन (पी/623)	. स्थायी लेखा ग्रधिकारी	30-9-75	रक्षा लेखा नियंत्रक (ग्रन्य रेक), दक्षिणी, मदास ।
7.	. वाई० वीरभद्र राव (स्रो०/92)	. स्थानापञ्च लेखा ग्रधिकारो	30-9-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, (ग्रन्य रैंक), दक्षिणी, महास ।
8	. श्रार० के० देव . (ग्रो०/222)	. स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना।
9	. के० एन० ग्रहलवादी (ग्रभी नियत नहीं)	. स्थानापम्न लेखा ग्रधिकारी	31-8-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ,।
10	. निरंजन सरकार (श्रभी नियत नहीं)	. स्थानापक्ष लेखा ग्रधिकारी	30-6-75	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फ्रैक्ट्रीज), कलकत्ता ।
11	. ग्रवतार सिंह (ग्रभी नियत नहीं)	. स्थानापश्च लेखा अधिकारी	31-10-75	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ।

एस० के० सुन्दरम् रक्षा लेखा श्रपर महानियंत्रक (प्रणासन)

रक्षा मंत्रालय भारतीय श्रार्डनैन्स फैक्टरियां सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनैन्स फैक्टरियां कलकत्ता-16, दिनांक 14 श्रगस्त 1975

सं० 28/75-जी०--श्री हर यद चौधुरी, स्थायी मधीलक, मनसर सुपरवाइजर के पद पर, 30 म्रप्रैंल, 1975 से मागामी मादेश न होने तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त किए जाते हैं।

सं० 29/75-जी०--चार्धक्य निवृत्ति श्रायु (58 वर्ष) प्राप्त कर निम्नलिखित श्रधिकारीगण प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से सेया निवृत्त हुए:---

नाम एवं पद	दिनाक
1. श्री जी० सरकार	31 मार्च, 1975
स्थानापन्न डी० ए० डी० जी०	(ग्रपराह्न)
(स्थायी टी० एस० भ्रो०)	

नाम एवं पद	दिनांक
2. श्री एन० सी० गॉल, स्थानापन्न डी० ए० डी० जी० (स्थायी टी० एस० ग्री०)	28 फरवरी, 1975 (श्रपराह्म)

एम० थी० क्राप्त० पित्लाय सहायक महानिदेशक श्रार्डनैन्स फैक्टरियां

पूर्ति विभाग
पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रणासन ऋनुभाग-1)

नई दिल्ली-1, दिनांक 17 जुलाई 1975 सं० प्र०-1/1 (480)--स्थायी अवर क्षेत्र अधिकारी और पूर्ति तथा निपटान निदेशक, मदास के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक ग्रेड-II श्री पी० डी० वेणुगोपाल दिनांक 30 जून, 1975 के श्रपराह्म से निवर्तन श्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 14 ग्रगस्त 1975

स॰ प्र०-1/1 (958)—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान, एत ζ ुारा थी विक्रम स्रादित्य को दिनांक 30 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्म से तथा स्रागामी स्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान मह।निदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 भ्रगस्त 1975

स० प्र०-1/1 (900)—स्थायी भ्रधीक्षक तथा पूर्ति निदेशक (बस्त्र), बम्बई के कार्यालय में स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री एम० ई० ग्रेस्न दिनांक 31 जुलाई, 1975 के भ्रपराह्म से निवर्तन भ्रायु (58 वर्ष) होने पर सरकारों सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 19 ग्रगस्त, 1975

ग० प्र0-1/1 (941)—स्थायी ग्रधीक्षक तथा निरीक्षण निदेशालय, महास में सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एस० वेकट राम दिनांक 31 जुलाई, 1975 के ग्रपराह्म से निवर्गन श्रापु (58 वर्ष) होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

(प्रशासन शाखा-6)

दिनांक 8 ग्रगस्त 1975

सं० ए०-17011/(53)/72-प्र०-6—स्थायी भंडार परी-क्षक व पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय के उत्तरी निरीक्षण मंडल के प्रधान कानपुर में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण प्रधिकारी (वस्त्र) श्री जी० के० मुक्ल, दिनांक 30 जून, 1975 (ग्रथराह्म) से निवर्तन आयु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

दिनांक 18 श्रगस्त 1975

सं० प्र०-6/247 (421)/63—स्थायी भंडार परीक्षक (वस्त्र) श्रीर पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय के उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में स्थानापश सहायक निरीक्षण मधिकारी (वस्त्र) श्री एन० एम० दाते दिनांक 31 जुलाई 1975 (प्रपराह्न) से निवर्तन श्रायु होने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

के० एल० कोहली उप-निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात स्रोर खान मंत्रालय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण **गुद्धि-प**त्र

कलकत्ता-13, दिनगंक 18 ग्रगस्त 1975

सं० 2222 (एकेएम)/19ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के सहायक भूवैज्ञानिक श्री श्रनिल कुमार माथुर के कार्यभार तिथि को, जो इस कार्यालय की सम संख्यक ग्रिधसूचना दि० 26-5-1975 में उल्लिखित 30-1-1975 (पूर्वाह्न) के बजाय 20-1-1975 (पूर्वाह्न) लिखा जाए।

वी० के० एस० वरदन, महानिदेशक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 16 भगस्त 1975

सं० गो-4986/पी० एफ० (एम० दसरथी) — प्रनुषासिनक कार्रवाई के फलस्वरूप श्री एम० दसरथी, प्रधिकारी सर्वेक्षक, सं० 34 पार्टी (प्रा० मा० सं०), भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद को परिनिन्दित किया जाता है।

हरी नारायण, भारत के महासर्वेक्षक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग (केन्द्रीय कार्यालय)

हावड़ा-711103, दिनांक 14 भ्रगस्त 1975

सं० बी एस श्राई-66/64/75-इस्टे—प्रभारी निदेगक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग डा० श्रार० श्रार० राव द्वारा पूर्वी परिमण्डल, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण विभाग के द्वितीय श्रेणी बोटानिस्ट पद से दिए गए इस्तीफे को दिनांक 28 फरवरी 1975 के श्रपराह्म से स्वीकार करते हैं।

डी० जी० मुखर्जी वरिष्ट प्रशासकीय भ्रक्षिकारी

भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग कलकत्ता-12, दिनांक 11 ग्रगस्त 1975

सं० 6-65/64-स्थापना/9975—श्री एस० घोसाल, प्रधान पुस्तकाध्यक्ष (राजपित द्वितीय श्रेणी), भारतीय प्राणि विज्ञान सर्वेक्षण विभाग से 31 जुलाई 1975 (श्रपराह्म) से सेवा निवृत्त हो गए।

डा० स० खेरा उप-निदेशक प्रभारी

श्रम मंत्रालय श्रम इयुरो

शिमला-171004, दिनांक 13 सितम्बर 1975

सं० 23-3-75—सी० पी० श्राई० सितम्बर जुलाई, 1975 में श्रीद्योगिक श्रमिकों का श्रीखल भारतीय उपभोक्ता मूल्य-सूचकांक (श्राधार वर्ष 1960-100) जून, 1975 के स्तर से चार श्रंक घटकर 324 (तीन सो चौबीस) रहा। जुलाई, 1975 माह का सूचकांक 1949 श्राधार वर्ष पर परिवर्तित किये जाने पर 394 (तीन सो चौरान्नवें) आता है।

> श्रानन्द स्वरुप भारद्वाज **इ**ते संयुक्त निदेशक

श्राकाशवाणी महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 16 श्रगस्त 1975

सं ० 4/70/75-एस-एक—-महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्-बारा श्री ग्रहमद जलील को 21 जुलाई, 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, ग्राकाशवाणी, बम्बई में श्रस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पा-दक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(96)/75-एस-एक---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एत्द्वारा कुमारी सुरैया बेगम को 7 जून, 1975 से अग्रेतर श्रादेशों तक, विदेश सेवा प्रभाग, श्राकाशवाणी, नई दिल्ली में श्रस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4/106/75-एस-एक--महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्-द्वारा श्री डी० वी० महेश्वरी को 2 अगस्त, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाशवाणी, भुज में, अस्थायी आधार पर, कार्यक्रम निष्पा-दक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 4(127)/75-एस-एक---महानिदेशक, श्राकाशवाणी, एतद्बारा श्री एन० के० शर्मा को 22 जुलाई, 1975 से अग्रेतर भादेशों तक, श्राकाशवाणी, रामपुर में श्रस्थाई श्राधार पर, कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 5/132/67-एस-एक---महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्द्वारा श्री जी० सी० शुक्लबँदा, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी, अगरतला को 18 जुलाई, 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, आकाश-वाणी, सिलचर में तदर्थ आधार पर अस्थायी पदक्षमता में कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

शान्ति लाल प्रशासन उप-निदेशक **हते** महानिदेशक

सूचना श्रौर प्रसारण मंत्रालय विज्ञापन श्रौर दृष्य प्रचार निदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रगस्त 1975

सं० 9/53/61-स्था०-1--इस निदेशालय में तकनीकी सहायक (मुद्रण प्रचार) श्री एम० एल० मुखर्जी को 17 मार्च 1975 से 19 जुलाई 1975 तक स्थानापन्न सहायक प्रोडक्शन मैनेजर (मुद्रण प्रचार) नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति श्री श्रार० एच० भनोट की स्रवकाश रिक्ति श्रुंखला में श्री श्रार० जे० चन्द्रभान सिंह के स्थान पर की गई है।

दिनांक 18 श्रगस्त 1975

सं० 46-ए/स्थापना-I--श्री जे० एम० डे, जिनकी इस निवेशालय में 28 प्रप्रैल, 1975 से वरिष्ठ कलाकार के पद पर पुनः नियुक्ति की गई थी ने 3 जून, 1975 के भ्रपराह्न से भ्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

> श्रार० एल० जैन उप-निदेशक (प्रशासन) **कृते** विज्ञापन ग्रौर दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, दिनांक 12 ग्रगस्त 1975

सं० 12-21/74-एडमिन०-1—म्प्रधिवार्षिकी वय की प्राप्ति पर स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय में स्थायी प्रनुभाग म्रधिकारी श्री पी० म्रार० गुष्त 31 जुलाई, 1975 के श्रपराह्म से सेवा-निवृत्त हो गये।

दिनांक 13 श्रगस्त 1975

सं० 17-24/74-एडमिन०-1—राष्ट्रपित ने, डा० एस०सी० श्रीबास्तव को 28 ग्रगस्त 1973 से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में जीव रसायनज्ञ के स्थायी पद पर स्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 14 ग्रगस्त 1975

सं० 6-8/70-एडमिन०-1--केन्द्रीय अनुसंधान संस्थान, कसौली में कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी श्री प्रकाश सिंह की 22 जुलाई, 1975 को मृत्यु हो जाने की भारत सरकार बड़े दुख के साथ घोषणा करती है।

सं० 36-4/72-एडमिन०-1—श्रीग्रृष्ठार० एन० नाग ने 17 श्रप्रैल, 1975 के पूर्वाह्न को विलिग्डन ग्रस्पताल एवं उपचर्या गृह, नई दिल्ली से मनोविज्ञानिक के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 16 श्रगस्त 1975

सं० 19-24/69-एडमिन०-1 (भाग-2)—भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति से प्रत्यावर्तन पर डा० पी० ब्रम्हा नन्दा राव ने 14 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से जवाहर लाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं ब्रनुसंधान संस्थान, पांडिचेरी में भौतिक शास्त्र में प्रवाचक (रीडर इन फिजिक्स) के पदका कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 18 श्रगस्त 1975

सं० 7-1/75-एडमिन०-1--केन्द्रीय कुष्ठ शिक्षण एवं भ्रनु-संधान संस्थान, चिंगलपट्ट में प्रशासन श्रधिकारी श्री वी० के० वर्दचारी की 31 मई 1975 को मृत्यु हो जाने की भारत सरकार बड़े दुख के साथ घोषणा करती है।

दिनांक 19 ग्रगस्त 1975

सं० 28-8/74-एडिमन०-1—राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय संचारी रोग संस्यान, दिल्ली में प्रनुसंधान श्रधिकारी श्री एस० पी० श्रीवास्तव को 19 जुलाई 1975 के पूर्वाह्म से 5 श्रक्तूबर, 1975 तक श्री बी० एस० कृष्णामूर्ति के छुट्टी पर जाने के कारण उनके स्थान परक्षेत्रीय स० सं० राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, बड़ौदा में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर तियुक्त किया है।

क्षेत्रीय स० सं० राष्ट्रीय मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम, बड़ौदा में सहायक निदेशक (कीट विज्ञान) के पद पर अपनी नियुक्ति के फलस्वरूप श्री एस० पी० श्रीवास्तव ने 16 जुलाई 1975 के ग्रपराह्म को राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान दिल्ली में श्रनुसंधान श्रिधकारी के पद का कार्यभार छोड दिया।

> सूरज प्रकाश जिन्दल, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 11 ग्रगस्त 1975

सं ० 20/1(32)/75-सी० जी० एच० एस०-1 — स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्रीमती सैयदा फातिमा को 31 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से नियमित ग्राधार पर तथा श्रागामी ग्रादेशों तक इस निदेशालय के ग्रधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना दिल्ली में यनानी चिकित्सक के पद पर नियुक्त किया है।

जी० पंचापकेशन, उप निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिंचाई मंत्रालय (कृषि विभाग) (विस्तार निदेशालय)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 ग्रगस्त 1975

सं० एफ० 2(11)/71-स्थापन(1)--श्री प्रीतम चन्द चौधरी सहायक प्रदर्शनी प्रधिकारी (कोटि द्वितीय) की रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में दिनांक 11 प्रगस्त 1975 से ग्रगले प्रादेशों तक कृषि तथा सिचाई मंत्रालय विस्तार निदेशालय (कृषि विभाग) में सहायक प्रदर्शनी ग्रधिकारी (कोटि प्रथम) के पद पर स्थाना-पन्न तदर्थ रूप से पदोन्नति कर दी गई है।

निर्मल कुमार दत्त, प्रशासन निदेशक

(ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेणालय (प्रधान कार्यालय)

फरीदाबाद (हरियाणा), दिनांक 12 ग्रगस्त 1975

सं० फा० 4-6(91)/75-प्र० फरी०-राः—संघ लोक सेवा धायोग की संस्तुतियों के अनुसार कुमारी शशी लता अरोड़ा को विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय के अधीन नई दिल्ली में दिनांक 30 जून 1975 के ध्रपराह्न से ध्रगले धादेश होने तक स्थानापन्न रूप में सहायक विषणन ग्रधिकारी वर्ग-द्वितीय नियुक्त किया गया है।

्रापन् । के० मुख्तीधर राव, किष विषणन् सलाहकार

भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र (कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० पी०' ए०/81(62)/75-ग्रार०-4--भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक ग्रस्थाई वैज्ञानिक सहायक (सी०) श्री विलास गोविन्द गावंकर को इसी श्रनुसंधान केन्द्र में 1 मई 1975 के पूर्वाह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक के लिये वैज्ञानिक ग्रिधकारी/इंजीनियर श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन, उप स्थापना ग्रधिकारी (भरती)

परमाणु ऊर्जा विभाग

कय एवं भंडार निदेशालय बम्बई-400001, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० डी० पी० एस०/ ए०/32011/2/75/स्थापना/1550/951—इस निदेशालय की दिनांक 12 जून 1975 की ग्रिधि-सूचना सं० डी० पी० एस०/ए०/32011/2/75-स्थापना के ग्रनुक्रम में क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक मुख्य लेखा कार्यालय, गुजरात के स्थायी ग्रनुभाग ग्रिधिकारी श्री वी० ग्रार० नटराजन को, जो इस निदेशालय में प्रतिनियुक्त हैं, 1 जून 1975 से 31 जुलाई 1975 तक की ग्रीर ग्रविध के लिए इसी निदेशालय में तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्थायी सहायक लेखा ग्रिधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 31 जुलाई 1975

सं० डी० पी० एस०/ए०/11013/4/74/स्थापना/959—परमाणु ऊर्जा विभाग के कय एवं भंडार निदेशक क्रय एवं भंडार किर्वा०-960 (संशोधित) वेतनमान में स्थानापन्न सहायक भंडार प्रधिकारी के पद पर नियुक्त श्री एम० वनर्जी को 1 जुलाई 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिए इसी निदेशालय में ६० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफः, प्रशासन श्रिधकारी

रिऐक्टर श्रनुसंधान केन्द्र

कलपक्कम, दिनांक 1 भ्रगस्त 1975

सं० श्रार० श्रार० सी०-H-1(26)/72-15199/968—
रिए क्टर श्रनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक इस केन्द्र की दिनांक
31 मई 1975 की समसंख्यक /9982 श्रिधसूचना के श्रनुक्रम
में इसी केन्द्र में श्री के० वेंकटकुष्णन सहायक प्रशासन-श्रिधकारी
के स्थान पर श्री पोस्तापक्कम वेणुगोपालाचार्य सुन्दरराजन की
सहायक प्रशासन-श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से की गई

नियुक्ति की श्रविध को श्री के० वेंकटकुष्णन की छुट्टी की श्रविध ब का दी जाने पर 6 जुलाई 75 से 11 जुलाई 75 तक 6 दिन के लिए बढाते हैं।

दिनांक 2 ग्रगस्त 1975

सं० म्रार० मार० सी० -II-13(9)/74-15246/952— रिएक्टर मनुसंधान केन्द्र के परियोजना निदेशक प्रस्थायी नक्शा-नवीस "सी०" श्री सुरेश यशवंत जोशी को 1 ग्रगस्त 1975 के पूर्वाह्न से म्रागामी मादेश तक के लिए उसी म्रनुसंधान केन्द्र में म्रस्थायी विज्ञान-म्रधिकारी/इंजीनियर-म्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

> के० शंकरनारायणन, वरिष्ठ प्रशासन-श्रधिकारी

पर्यटन श्रीर नागर विमानन मंत्रालय भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 11 ग्रगस्त 1975

सं० ई० (I) 03516—विधशालाग्रों के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एन० मजूमदार 28 फरवरी 1975 के श्रपराह्म से निवर्तन की

प्रायु पर पहुंचने पर सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 12 भ्रगस्त 1975

सं० ई०(I) 03708—प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकता के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेष π श्री एस० सी० कार निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर 31 मार्च 1975 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई०(I) 03039—विध्यालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय के श्री एस० एस० सिन्हा स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ निवर्तन की ग्रायु पर पहुंचने पर 30 जून 1975 के प्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई०(I) 04224—वेधशालाग्रों के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र बम्बई के निदेशक के ग्रधीन मौसम केन्द्र श्रहमदाबाद के व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० सेन को 23 जुलाई 1975 के पूर्वाह्म से 18 श्रक्त्वर 1975 तक ग्रटासी दिन की ग्रविध के लिये स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० एन० सेन प्रादेशिक मौसम केन्द्र बम्बई के निदेशक के श्रधीन मौसम केन्द्र श्रहमदाबाद में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 14 ग्रगस्त 1975

सं० ई० (I) 03612—विधशालाश्रों के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय नई दिल्ली के श्री रामशरण दास स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषक निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर 30 जून 1975 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

दिनांक 16 ग्रगस्त 1975

सं० ई० (I) 04236—प्रावेशिक मौसम केन्द्र कलकता के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री डी० सी० दत्ता निवर्तन की ग्रायु पर पहुंचने पर 31-1-1975 के ग्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ई० (I) 03392—वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली के कार्यालय के स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एस० एन० बोस निवर्तन की स्रायु पर पहुंचने पर 30 स्रप्रैल 1975 के स्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

सं० ${\bf fo}(I)$ 03613—प्रावेशिक मौसम केन्द्र मद्रास के निदेशक के कार्यालय के सहायक मौसम विशेषक श्री के० के० नटराजन निवर्तन की श्रायु पर पहुंचने पर 30 जून 1975 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सं० ई० (I) 04207—वेधशालाओं के महानिदेशक प्रादेशिक मौसम केन्द्र कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय के व्यायसायिक सहायक श्री जे० नन्दी को 15 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न से भड़तालीस दिन की भ्रवधि के लिए स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री जे० नन्दी प्रादेशिक मौसम केन्द्र, कलकत्ता में ही तैनात रहेंगे।

> एम० भ्रार० एन० मनियन भौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाश्चों के महानिदेशक

कार्यालय महानिदेशक नागर विमानन नई दिल्ली, दिनांक 11 भ्रगस्त 1975

सं० ए० 32013/12/73-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री ए० रामानाथन, तकनीकी अधिकारी की नागर विमान विभाग में विरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में की गई तदर्थ पदोक्षति की अविध 30 अप्रैल, 1975 तक या पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, बढ़ा दी है।

सं० ए० 32013/5/75-ई० सी०—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित 5 संचार प्रधिकारियों को, जो तदर्थ भ्राधार पर वरिष्ठ संचार श्रधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं 31 मार्च, 1975 (पूर्वाह्म) से श्रगले श्रादेश जारी होने तक, नागर विमानन विभाग में नियमित श्राधार पर वरिष्ठ संचार भ्रधिकारी के पद पर नियुक्त किया है:—

- 1. श्री किशु टेकचंदानी
- 2. श्री वी० के० कालड़ा
- 3. श्री सी० एस० गोस्वामी
- 4. श्री आर० पी० शर्मा
- 5. श्री एल० घार० गर्ग।

दिनांक 18 ग्रगस्त 1975

सं० ए०-32013/3/75-ई० सी०--राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित 12 तकनीकी अधिकारियों को, जो तदर्थ आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे हैं. 31 मार्च, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेण जारी होने तक नागर विमानन विभाग में नियमित आधार पर वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी के पद पर नियक्त किया है:--

- 1. श्री पी० एल० मौदगिल
- 2. श्री एस० एस० कुडणन
- 3. श्री एस० के० दाम
- 4. श्री ए० एन० नाथ
- 5. श्री बी० एस० ग्रेवाल
- श्री सी० भ्रार० नरसिंहम
- 7. श्री बी० म्रार० चतुर्वेदी
- 8. श्री ग्रो० सी० ग्रलक्तेंडर
- 9. श्री जे० के० भट्टाचार्य
- 10 श्री सी० वी० वेंकटेशन
- 11. श्री पी० एम० घ्रटा
- 12. श्री एस० वी० आयर।

हरबंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रगस्त 1975

सं० ए०-32013/2/75-ई० एच०—राष्ट्रपति ने श्री जे० एस० चौधरी, नियंत्रक विमान क्षेत्र, दिल्ली क्षेत्र, को 1 श्रगस्त, 1975 के पूर्वाह्म से श्रगले श्रादेश जारी होने तक नागर विमानन विभाग में तदर्थ श्राधार पर निदेशक विमान मार्ग श्रौर विमान क्षेत्र (योजना) के पद पर नियुक्त किया है।

्टी० एस० श्रीनिवासन, सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 18 श्रगस्त 1975

सं० ए० 12034/4/75-ई० ए०—-श्री बी० के० ट्रमी, क्षेत्रीय नियंत्रक विमान क्षेत्र, मद्रास एयरपोर्ट, मद्रास निवर्तन प्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 जुलाई, 1975 ग्रगराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० ए० 32013/2/74-ई० ए०—-राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित दिमान क्षेत्र ग्रिधिकारियों को उनके नामों के सामने दी गई तारीखों से ग्रगले ग्रादेश होने तक रु० 1100-50-2—236GI/75 1600 के बेतनमान में वरिष्ठ विमान क्षेत्र श्रधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया है:---

क्रम नाम सं०		तारीख	स्टेणन
1. श्री पी० सी० व्यास		2-8-75	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम
2. श्रीजी०ई० सी मुखल		8-8-75	भद्रास एयरपोर्ट
3. श्री बी० जी० करनड	ė	2-8-75 (ग्रगराह्न)	बम्बई एयरपोर्ट

मुरजीत लाल खण्डपुर, सहायक निदेशक प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क समाहतिलय

इलाहाबाद, दिनांक 28 जुलाई 1975

सं० 64/1975— उसले पहले केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय लखनऊ में अधीक्षक एम० स्रो० स्नार० के पद पर तैनात श्री श्रार० सी० श्रवस्थी स्थानापन्न स्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो ने दिनांक 30 जून, 1975 को दोपहर के बाद स्रधीक्षक एम० स्रो० श्रार०, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समेकित मण्डल कार्यालय, लखनऊ के कार्यालय का कार्यभार श्री ए० एम० के० वारसी स्रधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क श्रेणी दो को सौंप दिया स्रौर वे उसी दिन श्रौर समय से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गये।

एच० बी० दास, समाहर्ता

ग्रन्तरिक्ष विभाग

सिविल इंजीनियरी प्रभाग

वंगलौर-560025, दिनांक 5 श्रगस्त 1975

सं० 10/7 (160)/73-सि० इ० प्र० (एन०)—- प्रन्तिरक्ष विभाग, सिविल इंजीनियरी प्रभाग के मुख्य प्रभियन्ता, प्रन्तिरक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्रीमती पी० के० नायर को अन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 28 जुलाई, 1975 के पूर्वाह्म से आगामी आदेण तक नियुक्त करते हैं।

पी० ग्राई० यू० निम्बयार प्रणासन ग्रधिकारी इ.स. मुख्य प्रभियंता

भारतीय ग्रन्तिरक्ष ग्रनुसंधान संगठन श्रन्तिरक्ष उपयोग केन्द्र

श्रहमदाबाद-380009, दिनांक 28 जुलाई 1975 सं० एसं० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75— निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्री ए० राम चन्द्र को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (कैमरामैन) के पद पर रू० 650-30-740-35-810—द० रो०--35-880-40; 1000—द० रो०--40; 1200 के वेतनमान में रू० 650/-प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 1 जुलाई, 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

सं० एस० ए० सी०/ई० एस० टी०/1-1-56/75— — निदेशक, भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन में अन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र सोफ्टवेयर प्रणाली ग्रुप में श्री ए० ए० मन्सूरी को वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० (प्रस्तुति उद्घोषक) के पद पर 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 के वेतनमान में ६० 650 प्रतिमास के मूल वेतन पर दिनांक 7 जून, 1975 से 31 जुलाई, 1976 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

(मेजर) ग्रार० सी० समुग्रल (सेवा निवृत्त) प्रशासन ग्रधिकारी-II

भारतीय वैज्ञानिक उपग्रह परियोजना

पीनया-562140, दिनांक 5 श्रगस्त 1975

सं० 020/3 (061)/75—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन की दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में बदल देने के परिणामस्वरूप, विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र के निदेशक, निम्नलिखित कार्मिकों को भारतीय वैज्ञानिक उपग्रह परियोजना, बंगलौर में दिनांक 1 मप्रैल, 1975 से रू० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के परिशोधित वेतनमान में, उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर नियुक्त करते हैं:

- 1. श्री ए० ग्रार० श्रीवत्स . इंजीनियर एस० बी०
- 2. श्री एच० प्रार० नरसिम्हा कटारी --यथोपरि--
- 3. श्री एस० एस० चौहान ---यथोपरि---
- श्री एन० एस० सावल्गी . —यथोपरि——
- श्री एच० वी० रामास्वामी . —यथोपरि——
- श्री पी० ए० कृष्णामूर्ति . सहायक ऋष श्रीधृकारी

वी० वी० एस० **चौधरी,** प्रशासन म्रधिकारी

केन्द्रीय जल ग्रायोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 श्रगस्त 1975

सं० क-19012/5/8/75-प्रणा० 5—विभागीय पदोन्नति सिमिति (श्रेणी 2) की सिफारिणों पर अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री पी० श्रार० बेलगल, अनुसंधान

सहायक को केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक श्रनुसंधान ग्रिधिकारी (वैज्ञानिक-भौतिक ग्रुप) के ग्रेड में π 0 650-30-740-35-810-द0 रो०-35-880-40-1000-द0 रो०-40-1200 के बेतनमान में 14 जुलाई, 1975 से श्रागे श्रादेश होने तक नियमित रूप से स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं।

श्री पी० ग्रार० बलगल, 14 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्म) से दो वर्ष की ग्रवधि के लिए सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (भौतिक), केन्द्रीय जल तथा विद्युत् ग्रनुसंधान केन्द्र, पूना के के पद पर परिवीक्षाधीन रहेंगे।

दिनांक 12 श्रगस्त 1975

सं० क-19012/192/70-प्रणा० 5 (खंड-2)—इस प्रायोग की प्रधिसूचना सं० 14/656/70-प्रणा० 5, दिनांक 6 मार्च, 1970 का श्रांणिक रूप में परिवर्तन करते हुए प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत् श्रायोग (जल स्कंध) (इस समय केन्द्रीय जल ग्रायोग) श्रपने प्रसाद से श्री के० एस० चावला, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत् श्रायोग (जल स्कंध) जो ग्रब केन्द्रीय जल ग्रायोग है, में स्थानापन्न क्षमता में ग्रप्रयोगात्मक रूप में ग्रतिरिक्त सहायक निदेशक/ सहायक इंजीनियर/सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 350-25-500-30-590-द० रो०-30-800-द० रो०-30-830-35-900 रुपए (पूर्व संगोधित) के वेतनमान में 4 मई, 1964 से तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री कें एस० चावला को उपर्युक्त तारीख से केन्द्रीय जल श्रीर विद्युत् ग्रायोग (जल स्कंध) में श्रतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाले हुए समझा जाए।

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—इस म्रायोग की म्रधि-सूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 30 मई, 1975 के कम में भ्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग श्रपने प्रसाद से निम्नलिखित श्रनुसंधान सहायकों को केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक श्रनुसंधान श्रधिकारी (श्रभियांत्रिकी) के ग्रेड में स्थानापन्न होने के लिए ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1 जुलाई, 1975 से 27 श्रगस्त, 1975 (श्रपराह्न) तक की श्रविध के लिए श्रथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे आएं, जो भी पहले हो, पूर्णतः श्रस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं:—-

- 1. श्री बी० रामनाथन
- 2. श्री ग्राई० जेड० पूनावाला
- 3. श्रीमती वाल्सला किक्षाक्रेडथ श्रप्पुकुट्टन
- 4. श्री ए० जी० काले

सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5—इस प्रायोग की ग्रिधिसूचना सं० क-32014/7/74-प्रशा० 5, दिनांक 25 जून, 1975 के क्रम में ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग एतद्-द्वारा निम्नलिखित श्रनुसंधान सहायकों (श्रभियांत्रिकी) को केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधान केन्द्र, पूना में सहायक अनुसंधान ग्रिधिकारी (श्रिभियांतिकी) के ग्रेंड में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पुनः 1 जुलाई, 1975 से 31 श्रगस्त, 1975 (अपराह्न) तक की भ्रवधि के लिए ग्रथवा जब तक पद नियमित रूप से भरे जाएं, जो भी पहले हो, पूर्णतः ग्रस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं:---

- 1. श्री चौ० भुजंग राव
- 2. श्री के० ए० इस्माइल
- 3. श्री डी० एम० खम्बेटे
- 4. श्री ए० जी० पन्सलकर
- 5. श्री के० एन० भ्रप्पुकूट्टन
- 6. श्री एस० एन० मोने
- 7. श्री एम० एस० शितोले
- 8. श्री एस० गुहा

दिनांक 16 भ्रगस्त 1975

सं० क-32012/7/74-प्रशा० 5—विभागीय पदोन्नति सिमिति (श्रेणी-2) की सिफारिणों पर ग्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग ग्रपने प्रसाद से निम्नलिखित ग्रनुसंधान सहायकों को (जो वर्तमान में सहायक श्रनुसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियर) के रूप में स्वयं रूप में स्थानापन्न क्षमता में कार्य कर रहे हैं) केन्द्रीय जल ग्रौर विद्युत् ग्रनुसंधानणाला, पूना में सहायक ग्रनुसंधान ग्रधिकारी (इंजीनियरी) के पदक्रम में 650-30-740-35-810—द० रो०-35-880-40-1000—द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से ग्रागे ग्रादेश होने तक नियमित रूप में स्थानापन्न क्षमता में नियुक्त करते हैं:—

- श्री के० ए० इस्माइल
 श्री डी० एम० खम्बेटे
 श्री डी० एम० खम्बेटे
 श्री ए० जी० पसलकर
 श्री के० एन० अप्पुकुट्टन
 श्री एस० एन० भोने
 श्री ग्रिप्तेल, 1975
 श्री एस० एन० मोने
 श्री एस० एन० मोने
- 2. उपर्युक्त श्रधिकारी ऊपर प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से केन्द्रीय जल श्रौर विद्युत् अनुसंधानशाला, पूना में सहायक अनुसंधान श्रधिकारी (इंजीनियरी) के संवर्ग में दो वर्ष के लिए परिवीक्षा पर रहेंगे।

के० पी० बी० मेनन, श्रवर सचिव इन्ते श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल श्रायोग

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 ग्रगस्त 1975

सं० 6/2/75-प्रशासन-दो——अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, निम्नलिखित तकनीकी सहायकों को केन्द्रीय विद्युत् इन्जीनियरी क्षेणी-2 सेवा के स्रतिरिक्त सहायक निदेशक सहायक श्रिभयंता के ग्रेड में, उनके नामों के सामने दिखाई

गई तारीखों से, श्रन्य श्रादेश होने तक, एतद्बारा नियुक्त करते हैं:---

1. श्री एस**० पी**० निवसारकर . 8 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न)

 श्री एन० कोठान्डापानी . 8 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न)

3. श्री रणवीर सिंह . . 19 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न)

4. श्री ए० के० श्राचार्य . 24 जुलाई, 1975 (पूर्वाह्न)

> जंगशेर सिह, श्रवर सचिव कृते ग्रध्यक्ष

पूर्ति तथा पुनर्वास मन्त्रालय (पूर्ति विभाग) राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 14 ग्रगस्त 1975

सं० जी०-65/बी० (कान)—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता ने उसी कार्यालय के वैतनिक सहायक (रसायन) श्री एस० सी० पर्वत को 30 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी (रसायन) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है। यह नियोग 31 दिसम्बर, 1975 तक ग्रथवा उस समय तक जब तक कि नियमित रूप में भर्ती न हो (उसमें जो पहले हो) रहेगा।

सं० जी०-65/बी० (कान)—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकता ने उसी कार्यालय के वैज्ञानिक सहायक (विद्युत्) श्री पी० सी० प्रधान को 25 जुलाई, 1975 पूर्वाह्न से उसी कार्यालय में स्थानापन्न वैज्ञानिक ग्रधिकारी (विद्युत्) के रूप में तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया है। यह नियोग 31 दिसम्बर 1975 तक ग्रथवा उस समय तक जब तक कि नियमित रूप में भर्ती न हो (उसमें जो पहले हो) रहेगा।

एस० के० चट्टोपाध्याय, सहायक निदेशक (प्रशासन) **कृते** निदेशक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर बानी प्रैस, प्राईवेट लिमिटिड के विषय में

शिलांग, विनांक 8 ग्रगस्त 1975

सं० 296/560/184—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि बानी प्रेस प्राईवेट लिमिटिड का नाम श्राज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> एस० पी० विशिष्ट, कम्पनियों के रिजिस्ट्रार श्रसम, मेघालय, मणीपुर, त्निपुरा, नागालैण्ड, श्ररणाचल प्रदेश, मिजोरम, शिलांग

कम्पनी प्रधिनियम, 1956 श्रौर मेसर्स विसनगर कार्माशयल एन्ड फाइनान्शियल कम्पनी प्राईवेट लिमिटिड के विषय में ।

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 श्रगस्त 1975

सं० 560/1828—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतदहारा सूचना दी जाती है कि मेसर्स विसनगर कामिशिय्ल एण्ड फाईनान्शीयल कम्पनी प्राईवेट लिमिटड का नाम ग्राज रिजस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रीर मेसर्स कावनवारे कार्माणयल कोरपोरेणन शाईबेट लिमिटिड के विषय में

अहमदाबाद, दिनांक 16 श्रगस्त 1975

सं०/560/1129~-- कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उप-धारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि, मेसर्स कापनपारे कार्माशयल कोरपोरेशन प्राईवेट लिमिटिड का नाम आज रिजस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जे० गो० गाथा, प्रमंडल पंजीयक, गुजरात राज्य अहमदाबाद

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर नटन्न इन्जीनियरिंग कारपी-रेशन लिमिटिड के विषय में।

कटक, दिनांक 7 अगस्त 1975

सं० ए०-233/75-1212/625--कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की घारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नटन इन्जीनियरिंग कारपोरेणन लिमिटिड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

(ह०) ग्रपठनीय कम्पनियों का रजिस्ट्रार उड़ीसा ।

ग्रायकर ग्रपील ग्रधिकरण

बम्बई, दिनांक 5 मई 1975

सं० एफ० 71-ए० डी० (ए ०टी०)/74—शायकर (श्रपील अधिकरण) संगोधन नियम, 1975 के नियम 5-वी के साथ पठित श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 की उप धारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्रध्यक्ष, श्रायकर ग्रपील श्रधिकरण एतद्द्वारा श्रधिस्चित करते हैं कि श्रधिकरण स्वविवेकानुसार श्रपनी प्रक्रिया में हिन्दी के प्रयोग या हिन्दी में झादेश पारित करने की अनुज्ञा, गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, पंजाब, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार राज्यों तथा चंडीगढ़ श्रीर दिल्ली के संघशासित क्षेत्रों

अधीलिखिल स्थानों में जहां अधिकरण के न्याय पीठ स्थित हैं, दे सकता है:---

- 1. श्रहमदाबाद
- बम्बई
- 3. नागपूर
- 4. इलाहाबाद
- 5. ग्रमृतसर
- 6. चण्डीगढ़
- 7. दिल्ली
- इन्दौर
- 9. जबलपूर
- 10. जयपुर
- 11. पटना

अपीज श्रधिकरण के आदेश से चन्द्रकान्त दबे रजिस्ट्रार आयकर अपील अधिकरण, बस्बई

(ग्रायकर प्रपील ग्रधिकरण) नियम, 1963 बम्बई, दिनांक 5 मई 1975

सं० एफ० 71-ए०६ी० (ए०टी०)/74—आयकर म्रधि-नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 255 उप-धारा (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए अपील भ्रधिकरण, आयकर (श्रपील ग्रधिकरण) नियम, 1963 में श्रीर संशोधन करने के लिए, एतद्द्वारा श्रधोलिखित नियम बनाता है:----

- ये नियम श्राय-कर (श्रपील अधिकरण) संशोधन नियम, 1975 कहे जाएंगे;
- 2. ग्राय-कर (श्रपील ग्रधिकरण) नियम, 1963 में नियम 5-ए के बाद श्रधोलिखित नियम जोड़ा जाएगा :——
 "5-बी—--प्रिक्रया ग्रौर श्रादेशों में हिन्दी का प्रथोग

इन नियमों में किसी बात के होते हुए भी श्रिधि-करण स्विविवेकानुसार, वैसे राज्यों में जिसके संबंध में श्रध्यक्ष, समय समय पर इस प्रयोजन के लिए जैसा श्रिधसूचित करें, श्रपनी प्रिकिया में हिन्दी के प्रयोग की श्रनुज्ञा दे सकता है या हिन्दी में श्रादेश पारित कर सकता है?

परन्तु यह तब जबकि श्रादेश हिन्दी में पारित किया गया है तो वह उसके एक ग्रधिकृत श्रंग्रेजी श्रनुवाद के साथ होगा।

भ्रपील श्रधिकरण के श्रादेश से

चन्द्रकान्त दवे रजिस्ट्रार स्राय-कर श्रपील स्रधिकरण, बम्बई प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-v, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 19 ग्रगस्त 1975

निदेश सं० रसी-7/श्रर्जन/ग्रार-v कैल/75-76---यत: मुझे, एस० एस० इनामदार भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवत प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 3 है तथा जो कनाल ईस्ट रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-स्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाँक 7-12-1974 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक म्प्य से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के अधीन कर देन के अन्तरक के दायित्य में कभी करने पा उपसे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:—

भ्रतः अव 'उक्त भ्रधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त भ्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों भ्रथीत् :---

1. मैसर्स कोटस ग्रॉफ इंडिया लिमिटेड

(श्रन्तरक)

2. श्रीमती लक्ष्मी देवी सरावगी (2) श्री श्रोम प्रकाश सरावगी (3) प्रहलाद भगतपसारी (ग्रन्तरिती)

को य**ह** सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की शारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हिसबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गक्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

3 कैनाल इस्ट रोड, कलकत्ता स्थित 3 बीभा, 7 कट्टा, 6 छिटांक जमीस एवं बिहिंडग ग्रौर गोडोउन, डीड नं० I-1-7168 ता० 7-12-74

> एस० एस० इमानदार, समक्ष प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) , ग्रर्जन रेंज-v, 54, रफी ग्रहमद किंदवई रोड, कलकत्ता-16।

दिनांक: 19-8-1975

प्ररूप आई०टी०एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-Ш, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 14 श्रगस्त 1975

निदेश सं० 272/ एक्रुरेIII/ 75-76/-कल---श्रतः, मुझे, एल० के०्रेबालसुम्रमनियन श्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2/3 है तथा जो एलगिन रोड, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रलपुर सदर 24 परगना, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधनिमय 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-12-1974 को

पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या . किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरग में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- 1. श्रीमती शान्ती रानी चटार्जी 10 वि भवनाथ सेन स्ट्रीट, चित्तपुर, 24 परगना । (श्रन्तरक)
 - श्री सनत कुमार दत्त 2/3 एलगिन रोड, कलकत्ता। (ग्रन्तरिती)
 - 4. श्रीमती जयश्री बोस स्वामी श्री सुजित बोस।
 (वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
 जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त समाति के अजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः -इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 11 छटाक 10 स्को० फुट जिमन साथ उस पर बनाया मकान का 3/4 हिस्सा जो 2/3 एलगिन रोड़, कलकत्ता पर अवस्थित और जो सब-रिजस्ट्रॉर, श्रालिपुर सदर, 24 परगना द्वारा रिजस्ट्रीकृत दिलन सं० 6575/1674 के श्रनुसार है।

> एल० के० बालसुन्नमिनयन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज III 54, रफी ग्रहमद किदवई रोड कलकत्ता-16।

तारीख: 14-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज- II 54 रफी श्रहमद किदवाई रोड़, कलकत्ता-16

कलकत्ता दिनाँक 18-8-75

निदेश सं० ए०सि० 24/ग्रार-11/कलकत्ता/75-76:~-ग्रत: मझे, प्रार० वि० लालमोया सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण) (1961 का ग्रधिनियम 1961 (जिसे ्रइसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी संव दाग संव 30 श्रीर 31 है तथा जो मीजा श्रीर थाना बेहाला, 24 परगना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय रजिस्ट्रार ग्राफ एष्ट्रेंस कलकत्ता, में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 13-12-74 के उचित बाजार मूल्य से सम्पत्ति कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित **बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल** के पन्द्रह प्रतिगत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में चास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः अव 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात

- 1. श्री वैद्यनाथ चटोपाध्याय, 18 श्राचीय प्रफुल्ल चन्द्र रोड़, कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- 2. जे० बी० ए० प्रिन्टिंग इन्कस (प्राइवेट) [लिमिटेड पि० 12/3 तारतल्ला रोड़, कलकत्ता-53 (ग्रन्तरिती) । को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकोंगे।

स्पब्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'लक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय दिया गया है।

अनुसूची

जिला 24 परगना, मौजा श्रौर थाना बेहाला, परगना बिलया में दाग सं० 30 श्रौर 31, खितियान सं० 184, जे० एल० सं० 2, श्रार० एस० सं० 83, तौजी सं० 246 का जमीन जिसका क्षेत्रफूल 13, कटास, 14 चिट्टाक श्रौर 35 वर्ग फुट है।

> श्रार०वि० लालमोया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11, 54, रफी श्रहमद किदवई रोड, कलकत्ता-16।

तारीख: 18-8-1975

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनोक 18 ग्रगस्त 1975

निर्देश सं० ए० सी० 25/श्रार०-11/कलकत्ता/75-76---श्रतः, मुझे, श्रार० वी० लालमोया, धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, भूल्य 25,000/- रु० से प्रधिक श्रीर जिसकी दाग सं० 18 श्रीर 19 है तथा जो मौजा श्रीर थाना बेहाला, 24 परगना स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार ग्राफ एशरेन्स, कलकता में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 23-12-1974 पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित के दृश्यमान प्रतिफल मुख कम के ਜਿਹ ध्रन्सरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है ग्रीर प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई िकसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रिधिनियम', के प्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम,' या घन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीतः—

- 1. श्री विश्वानाथ चट्टोपाध्याय, 18, श्राचार्य प्रफुटला चन्द्र रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- 2. जे० बी० ए० प्रिन्टिंग इन्क्स प्राईवेट निमिटेड, पी०-12/3, तारतल्ला रोड, कलकत्ता-53। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों को, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्थ होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिला 24, परगना, मौजा और थाना-बेहला, परगना-बिलया में दाग सं० 18 और 19, खितयान सं० 181 और 192, जे० एल० सं० 2, श्रार० एस० सं० 83, तौजी सं० 346, का जमीन जिसका क्षेत्रफल 17, कट्टास, 6 चिट्टाक और 18 वर्ग फुट है।

> स्रार० वी० लालमोया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, 54,रकीग्रहमदकिदवईरोड, कलकत्ता-16।

तारीख : 18-8-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कल हत्त(-16, दिनांक 18 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए० सी०-26/ग्रार०-II/कलकत्ता/75-76---श्रतः, मुझे, श्रार० वी० लालमोया, **प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)** इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ६० 25,000/- से श्रधिक ग्रीर जिसकी संबदाग संब 24, से 27, 28 (उत्तर पश्चिम भाग) 29 श्रीर 32 है तथा जो मौजा श्रीर थाना बेहाला, 24 परगना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबबद्ध ग्रन सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, रिकस्ट्रार ग्राफ एस्ररेन्स, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-12-1974 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है श्रीर मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है श्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्त-रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राप्त की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम' के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीन् :—— 3—236GI/75

- 1. श्रीमती पुष्पालता चट्टोपाध्याय, 18, श्राचार्य प्रफुल्ला चन्द्र रोड, कलकत्ता। (श्रन्तरक)
- 2. जे० बी० ए० प्रिन्टिंग इन्क्स प्राईवेट लिमिटेड, पी-22/3, तारतल्ला रोड, कलकत्ता-53। (ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितचद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास विखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टींकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिविनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्य होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अमुसुची

जिला 24 परगना-परगना बिलया, मौजा स्रौर थाना बेहाला में दाग सं० 24 से 27, 28 (उत्तर पश्चिम भाग) 29 स्रौर 32, जे० एल० सं० 2, स्रार एस० सं० 83, तौजी सं० 346 का जमीन जिसका क्षेत्रफल 29 कट्टास, 8 चिट्टाक स्रौर 44 वर्ग फुट है।

> न्नार० वी० लालमोया -सक्षम अधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II, 54, रफी ग्रहमद किदबई रोड, कलकत्ता-16 ।

तारीख: 18-8-75

प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 20 अगस्त, 1975

तिर्देश सं० सी० ए०/ 5 डिसेंबर/ 74/हवेली II (पूना) 225/75-76—यत: मुझे एच० एस० श्रीलख श्रायकर श्रिधितयम, 1961 (1.961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधित्यम' कहा गया है), की श्रारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उक्ति बाजार मूल्य 25,000/- ठ० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० श्रार०एस० कमांक 220/1 (पार्ट) सी०टी० एस० कमांक 2113 वी है तथा जो येखड़ा (पूना) में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय हवेली II (पूना) में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधतियम, 1908, (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 12-12-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (ग्रन्तरकों) और अन्तरित (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं कया पया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या ाकता धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, सुनिधा के लिए;

अतः अभ, उम्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की द्यारा 269-घ की उपधारा (1) म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:—

- श्री कैंप्टन शोराब रुस्तुमजी, 6 बरनेट रास्ता,पूना । (श्रन्तरक)
- 2. श्री कर्नल सोहराब केखश्रू पदमजी, श्रीमती तेहमी सोहराब पदमजी, 220/1, नगर रोड, पूना । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फी होल्ड जमीन श्रार० एस० कमांक 220/1 (पार्ट) येखड़ा (पूना) सी० टी० एस० कमांक 2113 बी० येखड़ा पूना, जमीन का क्षेत्रफल 4047 वर्गमीटर्स, प्रापर्टी कार्ड के श्रनुसार बिल्ट ग्रप क्षेत्रफल 4982 वर्ग फीट। एक इमले कि 1968, 1969 में बांधी हुयी बिल्डिंग 1974 में तीन कमरे का श्रंवस्टेणन

(जैसा कि रिजस्ट्रीकृत के विलेख कमांक 2806 डिसेवर 74 में सब रिजस्ट्रार हवेली II के दफतर में लिखा है।)

> एच०एस० श्रौलख, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज पूना ।

वारीख: 20-8-1975

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज 1/2, दिल्ली

दिल्ली-1, दिनांक 18-8-75

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/ एक्यू०/11/853/75-76/2985—यतः मुझे एस० एन० एल० श्रप्रवाल श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269 ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- इ०

से श्रिकित है।

श्रौर जिसकी सं० सी-36 है जो श्रार्दण नगर, दिल्ली -33 में स्थित है (श्रौर इससे उपाब इस्तुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिश्वकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिश्वनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन 19-2-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्स अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यवितयों, भ्रायीत्ः -

- 1. श्रीमित एम० सिन्हा, पत्नी श्री बी० एन० सिन्हा निवासी मकान नं० 3364 क्रिसीएन कालौनी करोल बाद, नई दिल्ली बारा श्री के०के० भ्रग्न वाल निवासी एच 3/5, माडल टाउन, दिल्ली (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमित नागीन सुन्दरी जैन, सुपुत्री श्री मोती राम जैन, पत्नी श्री एन० ऐंल० जैन, निवासी सी-36, बंगलौ रोड़, श्रावंश नगर दिल्ली-33 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाधित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का फी होल्ड म्लाट जिसका नं० सी-36 है तथा क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है तथा जो कि बंगलौ रोड़, श्रार्दश नगर, दिल्ली-33 में निम्न प्रकार से स्थित हैं:——

पूर्वः गली पश्चिम प्लाटनं० 37 उत्तर सड़क दक्षिण बंगलौ रोड़

> एस० एन० एल० श्रग्नवाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ध्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली-1

विनांक 18 श्रगस्त, 1975 मोहर :

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज-I

श्रहमदाबाद, दिनांक 23-8-75

निर्देश सं० ए सी क्यू- 23-1-40(311)/11-6/74-75 यतः मुझे जे० कथुरिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), प्राधिकारी 269-ख के अधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000 /- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० सर्वे नं० 350 (का हिस्सा) वार्ड नं० 10, घर नं० 54-ए, है जो, मालका रोड़, वेरावल में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय वेरावल में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में शुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए।

भ्रतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिबित व्यक्तियों, प्रथीत् :--

- (1) श्री व्रजलाल तुलसीदास सोनी, जुवेलर्स श्रापारटमेंटस, ब्लाक नं० 107, 56 पेडर रोड़, बम्बई, 26
- (2) श्री सुभाष काशीराम, चोधसी 'स्काई स्क्रेपर' 'बी' बिल्डिंग, ब्लाक नं० 1, चौथी मंजिल भूला भाई रोड़, बम्बई, 26 (श्रन्तरक)
- (2) मैसर्स किटमाणी श्राईस एन्ड कोल्ड स्टोरेज, की ग्रौर से (i) श्री गुसताद रशोद किरमाणी,
- (ii) श्री मोतीभाई रशीद दुरानी, दोनों के रहने का पत्ता :-- 'किरमाणी' 9 केलुस्कर, रोड़, बम्बई, 28 (श्रन्तरिती)

को यह सुबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तागील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ग्रचल सम्पति जो 1858 वर्ग मीटर भूमि पर स्थित है ग्रौर विसका सर्चे नं० 350 (का हिस्सा) है ग्रौर जो वार्ड, नं० 10 है ग्रौर जिसका घर नं० 54-ए, है ग्रौर जो मालका रोड़, वेरावल में स्थित है ग्रौर जिसकी हस्तान्तरण मशीनरी के साथ हुन्ना है तथा जिसका पूर्ण विवरण बिकी दस्तावेज में दिया गया है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायकभ्रायकरभ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजेन रेंज-I, ग्रहमदाबद

दिनांक: 23-8-75

मोहर : 🗸

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 अगस्त 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 102/75-76—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,) श्रायकर श्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 7-8-705, भाग, गांधी गंज है, जो निजामाबाद में स्थित है, (श्रौर इससे उपावड श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विजत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निजामाबाद में रजिस्ट्री-कर्ण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-1-75

को पूर्वोक्त सम्पति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनु-सरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रधीत:— सर्व श्री

- (1)चेन्दूर लेच्चय्या
- (2) चेन्द्रर राजेश्वर
- (3) चेन्दूर बालम्मा पत्नी दम्मय्या
- (4) कापतीं गंगव्वा पत्नी गंगय्या
- (5) चेन्दूर जगदम्बा, पत्नी चे० सुदर्शन,
- (6) चेन्दूर विजय लक्ष्मी, पत्नी चे० रघूनाथ
- (7) चेन्द्रर प्रकाश पुत्र सुदर्शन
- (8) चेन्द्र बिदोद पुत्र सुदर्शन
- (9) चेन्द्र धर्मेन्दर
- (10) बी० भाग्य लक्ष्मी पत्नी लिंगामूर्ती (ग्रन्तरक) निजामाबाद, श्रांध्र प्रदेश
- 2. श्री कंकाटी सत्यम्मा पत्नी चिन्ना लिगोंजी, निजामाबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या शस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 7-8-705 का पिछला भाग जो गांधी गंज, निजामाबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर फ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 19-8-75

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 श्रगस्त 1975

निर्देश सं० श्रार० ए० सी० 104/75-76--यत:, मुझे,

के० एस० वेंकटरामन, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार

का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 21-2-78,77/9, 95/1 पतरघटी है जो हैदरा-वाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदाराबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 31-1-75 को पूर्वोक्त सम्पति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से भ्रधिक हैं और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भ्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितयों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी फिसी भाग या फिसी धन या अन्य भास्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- (1) डाक्टर राधेश्याम अग्रवाल पिता श्री किश्न अग्रवाल फिलखाना, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती बीना देवी पत्नी बालिकणनगुष्ता पतर्घटी, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भ्रष्यें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पति : बिल्डिंगनं ० 21-2-78, 21-2-77/9 ग्रीर 2-2-95/1 पत्रपटी गुलजार हाउस, हैदराबाद ।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 19-8-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की बारा 289-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 श्रगस्त 1975

सं० प्रार० ए० सी० 103/76-76-यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की द्यारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है

भ्रौर जिसक़ी सं० 7-8-705 गांधी गंज है जो निजामाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय निजामाबाद में भारतीय भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन 30-1-75 को सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखत में वास्तविंक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर आधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्त-रिप्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः म्रव उस्त म्रधिनियम की, धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्थात्:--

- सर्वश्री श्रीमती 1.
- (1) चेन्द्रर लच्चय्या
- चेन्द्र राजेश्वर
- (3) चेन्द्रर बालम्मा पत्नी दम्मय्या
- (4) कापर्ती गंगला पत्नी गंगथ्या
- (5) चे० जगदम्बा पत्नी चो० सूदर्शन 6) पी० विजय लक्ष्मी पत्नी रघून।थ
- निजामाबाद (श्रान्त्र प्रदेश)
- (७) चे० प्रकाश
- 8) चे० विनोद पुत्र सुदर्शन
- (९) चे० धर्मेन्दर पुत्न सुदर्शन
- (10) बी० भाग्य लक्ष्मी पत्नी लिंगामूर्ती

(ग्रन्तरक)

2. श्री कंकाटी चिन्ना लिगोजी पुत्र रामजीलिगोजी गांधी गंज, निजामाबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी ख से 45 दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखासे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 7-8-705 का सामने का भाग जो गांधीगंज, निजामाबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकटरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

दिनांक: 19-8-1085

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हा**थक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-!, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 19 श्रगस्त 1974

निदेश स० ए०सी०क्यू० 23-I-586 (209)/5-1/75-76-यत:, मुझे, जे० कथूरिया

मायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 1560 ग्रीर वार्ड नं० 1, (पानवाडी), प्लाट नं० 30 तथा 37 है, जो तलावडी रोड़, भावनगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भावनगर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 16-1-75

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनयम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रधीत्:---

- (1) श्री रामइन्जीनियरिंग वानर्सकी स्रोर से :---
- (1) श्री रमणीक लाल मनोरदास,
- (2) श्रीमति चंद्रीका वी० मेहता,
- (3) श्रीमति चारू एम० मेहता,
- (4) श्री बिपिन एम० मेहता, बडवा तलावडी, भावनगर

(ग्रन्तरक)

- (2) धनश्याम टेक्सटाईल मैन्यफैक्चरिंग कं०की भ्रोर से :--
- (1) श्रीमति शाताबेन कांजीभाई
- (2) श्री रतीलाल कांजी भाई,
- (3) श्री भीमजी भाई, कांजी भाई,
- (4) श्री लालजी भाई, कांजीभाई,
- (5) श्री जयंतीलाल कांजीभाई,

वडवा तलावडी भावनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फैक्ट्री बिल्डिंग जो 777.77 वर्ग गज भूमि पर स्थित है श्रीर जिसका सर्वे नं० 1558 तथा 1560 है श्रीर जो वार्ड नं० 1 (पानवाडी) प्लाटनं० 30 तथा 37, वडवा तलावडी रोड़ भावनगर पर स्थित है, तथा जिस का पूर्ण विवरण बिक्री दस्तावेज में दिया गया है।

> जे० कथूरिया सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज I, ग्रहमदाबाद

दिनांक 19-8-75 मोहर: प्रस्प श्राई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भ्रारा 269-घ (1) के भ्रिधीन सूचना

TELLAL POSEZZO (C.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 श्रगस्त 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 101/75-76:——यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके 'उक्त पश्चात घिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मुख्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है श्रीर जिसकी सं ० 16-8-533 नुमलकपेंट है जो, हैदराबद में स्थित है (ग्रोर इससे उपबद्ध श्रनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय ग्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिमत से श्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्स ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दागित्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त मधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4--236GI/75

स्वर्गीय ईपिते कायुलहरू विता हिकराम हसन ने
 16-8-536 न्युमलकपेट हैदराबाद। (श्रन्तरक)

श्रीमती ज्यावृतीसा ईवराहित सैवासिती खकवर मण्नं
 16-8-533 न्यु मलवानेट हैदल्याद। (प्रतितिति)

को यह सूबता असी करके पूर्वीशा प्यति के **ग्रा**र्वेत के **लिए** कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के धर्मन के संबन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजगत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पाम विक्षित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्बों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही श्रथ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

सम्पति घर नं० 16-8-533 न्यु मलक पेट के पास हैदराबाद

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्राकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:--- 18-8-75 मोहर:---- प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-5, बम्बई

बंबई, दिनांक 26 जुलाई 1975

निर्देश सं० ग्र० इ० 5/233/74-75 ग्रतः मुझे जे० एम० मेहरा
ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961, का 43)
(जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ध के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है
ग्रौर जिसकी सं० सी० एस० नं० 237(ग्रंश) ग्रौर नं० 616(ग्रंश)
है जो मुलुंड में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर
पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 का (1908 का 16)
के ग्रधीन दिनांक 15-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान ग्रन्तरित के लिए 🗜 भ्रोर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति बाजार मुल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से ऐसे कें प्रतिशत से श्रिधिक इप्यमान प्रतिफल पन्द्रह भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती मोर (मन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिक्षित्यम के श्रधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:——

- मोरेश्वर एन० कीतिकर
- (ग्रन्तरक)
- 2. दिनकर विनायक चिटनिस

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील में 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधनियम, के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रायं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बान्द्रे पंजीकरण उपजिले के ग्रंतर्गत बम्बई उपनगर जिले के कुर्लातालुके में मुलुंड में अवस्थित एवं ययास्थित पवह समुचा भूभाग ग्रथवा भूखंड जिस की पेमाईश 8731 वर्ग गज (7299. 12 वर्ग मीटर) ग्रथवा उसके ग्रासपास है तथा जो एस० नं० 237 (पार्ट पगर सर्वेक्षण संख्या 616 (ग्रंश) है ग्रौर जो नीचे लिखी सीमाग्रों से घरा है:—

पूर्व में एल० बी० एस० मार्ग (पूरानी बम्बई आग्रा सड़क द्वारा पश्चिम में सर्वेक्षण सं० 247 वाली भूमि से उत्तर में ई० एस० श्राय एस० श्रस्पताल से श्रौर दक्षिण में नगर सर्वेक्षण सं० 571, 614 श्रौर 615 वाली सरकारी भूमि से जो सिंधी कालोनी के श्रधिकार में है।

> जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बम्बई ।

तारीखाः 26-7-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज मिलोंग

शिलोंग, विनांक 1 प्रगस्त 1975

निर्देश सं० ए 108/75-76/ गौ/1603-11**----ग्र**तः मुझे एगवर्ट सिंग भ्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० दाग नं० 138 के के० पी० नं० 1 है तथा जो दिसपूर, वेलतोलाँ में स्थित है (ग्नीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गौहाटी में, रजिस्ट्रीकरण ऋधिनिमय 1908 (1908 का 16) के ऋधीन दिनांक 9-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से

(क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री बोरा कान्त सज्ली पान बाजार गौहाटी (श्रन्तरक)
- 2. श्री सत्यनारायन बुदिया केर आफ ट्रेड सेन्टर, टोको वारी, गौहाटी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ फिसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पढ़ीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों, का जो उन्ह ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूधा

जमीन के माप 2 काता, 10 लेचा जो कि दाग नं० 138 के के पि० नं० 1 में पड़ी है और यह गांव दिसपुर मौजा बेलटोला, कामरुप जिला श्रासाम प्रदेश में स्थित है।

एमबर्ट सिह सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलोंग ।

तारीख: 1~8-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जथपुर

जयपुर, दिनांक 25 जुलाई 1975

निर्देश सं० र ज स० थायु**०** ऋजेन/ 251 अतः मुझे वी०पी० मिल्ल

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए० एम० सी० 430/11 है तथा जो ग्रजमेर में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय श्रजमेर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक 15 जनवरी 1975

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विण्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाणित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्षत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब उन्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिष्ठिनियम की धारा 269-थ की उपभारा (1) के भ्रष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्ः—

- (1) श्री तारन नाथ टण्डन एडबोकेट पुत्र श्री बृजनाथ टण्डन नि० भ्रजमेर हाल श्राबाद जयपुर (শ্रन्तरक)
- (3) गुजराती महा मण्डल हाथी भाटा अजमेर जरिये प्रध्यक्ष डा० नवीनचन्द देसाई और श्री नारायन भाई कचरा भाई चौधी मंत्री, श्रजमेर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पुराता विशम्भर निवास कजहरी रोड़, (महात्मा गांधी रोड़) स्थित बनी हुई सम्पत्ति जिसका कि म्यूनिसान नम्बर ए० एम० सी० 430/11 है। प्लाट का क्षेत्रफल 3973 वर्गगज है।

> वी० पी० मितल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज जय**पुर**

तारीख: 25-8-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदाराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० भ्रार० ए० सी० 51/75-76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 12-2-825/826 मेहदी पट्टनम् है, जो हैदराबाद में स्थित हैं (श्रौर इससे उपाबउ प्रनुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 13-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरित (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण से हुई किया आय की बादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुिक्षा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

मतः, भव उक्त प्रधिनियम की धारा, 269-ग के भनुसरण में कैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात:—

- (1) श्री सेहरा फातीमार हैदर, वसीयतदार द्वारा टोली चौकी, हैदराबाद हाक काट्टीम एम्० फारूख 7-4-2 (ब्रन्तरक)
- (2) श्रीमती सय्यद सईफुद्दीन ग्रसलम् पुत्न सय्यद गुलाम मोयुद्दीन श्रवस्यक पालक पिता के द्वारा 11-3-745 नई मल्ले पल्ली हैंदराबाद (श्रन्तरिली)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-कं में यथा परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 12-2-825 ग्रौर 826 का दक्षिण-पश्चिमीय भाग क्षेत्रफल 3738.75 वर्ग मीटर्स, मेहदीपट्टनम् हैदराबाद, तथा बायां रास्ता जो निर्भाव है।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, हैदराबाद ।

सारीख: 9-7-1975

प्ररूप आई०टी०एन०एस०---

द्मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के स्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० म्रार० ए० सी० 52/75-76—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी सं 12-2-825/826 मेहदी पट्टनम् है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), र जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय र जिस्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय र जिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 13-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत का पन्द्रह प्रतिणत से श्रिधक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रत्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, थव, उक्त भिक्षितियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त भिक्षितियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के भवीन निम्नसिखित व्यक्तियों, भर्यात्:—

- (1) श्रीमती सेहरा फातीमा हैदर, वसीयतदार द्वारा डाक काहीम एम्० फारूख 9-4-2, टोली चौक, हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सय्यद मेहबूब मोयुद्दीन पुत्र सय्यद पाशा मियां, पेदा पल्ली, करीमनगर जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एसद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं:---

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :--

- (ण) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम. के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उत्तर-पूर्वीय का भाग नं० 12-2-825/826 क्षेत्रफल 2708.25 वर्ग मीटर्स, मेहदी पट्टनम् हैंदराबाद स्थित है।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद ।

सारीख: 9-7-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० भार० ए० सी० 70/75-76---यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है **भीर जिसकी सं० 22 से 44 एविड रोड है, जो हैदराबाद** में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दियत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त आधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:——

- (1) मेसर्स एसोसियेटेड बिल्डर्स स्रौर रियल यस्टेट एजेन्टस एबिड रोड, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री एम० सितारामा मूर्तीराजू, 2. एम्० सुन्दर विजय लक्ष्मी, 3. एम्० वेंकट पदमनाभ राजू, 4. श्रीमती वेंकट नरासय्या, 5. जी० वेंकट रंगाराजू, 6. श्रीमती जी० लक्ष्मी नरसय्या, 7. जी० वेंकट रंगा सुख्या राजू, 8. जी० वेंकट नरसिम्हा राजू—चिरकुमिलि मोजा भिमावरम तालूक पश्चिम गोदावरी जिला (श्रन्तरिती)
 - (3) श्री स्टेट बैंक ग्राफ इन्डिया (वह व्यक्ति जिसके ग्रिधिभोग में सम्पक्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर यदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

कार्यालय नं० 22 से 44, पहला मन्जिला, एबिड रोड, हैदराबाद।

> कें० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-7-1975

प्ररूप आई०टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैं दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं ग्रार ए० सी ० 50/75-76---यत: मुझे के० एस०

वेंकट रामन

ग्नायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000-/ ६० से ग्रिधिक है
ग्रीर जिसकी सं० 12-2-825/826 मेहदी पट्टनम् है, जो

हैदराबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याक्षय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृग्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृग्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिदित उर्ग्य से उक्त अन्तरग निश्वित में बास्तिक हम से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविद्या के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम', या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, 'उक्त मधिनियम', की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

- (1) श्रीमर्तः ीहरा फातीमा वेगम, जी० पी० ए० द्वारा हाक फाट्टम ५,७० फारूख 9-4-2, टोली **चौकी,** हैदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री सय्यद गुलाम मोहयुद्दीन पेहा पल्ली, करीमनगर जिला (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>ग्रर्जन के लिए</mark> कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूबना के राजपद्म में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाड्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के श्रध्याय 20-क में यथा परि-भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं 12-2-825 तथा 826 का उत्तर-पूर्वीय का भाग, जो मेहदी पट्टनम् हैदराबाद में स्थित हैं।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीख : 9-7-197 5

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०——

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्म्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रोज-I, श्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं ए० सी० स्यु० 23-1-491(202)/1-1/75-76---यत मुझे जे० कथूरिया,

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी मं० फायनल प्लाट नं० 516/2, टी० पी० एस० नं० 3 हैं, जो मादलपुर, श्रहमदाबाद में स्थित हैं (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यात्रय, श्रहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 17-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रहं प्रतिशत से ग्रिधिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथित :——

- (1) श्री प्रेमदास नारायन दास, 2 श्री गुरवरणाद मारायन दास, श्राश्रम रोड, एलिस ब्रिज, श्रहमदाबाद (ग्रन्तरक)
- (2) नारायन एसोणिएशन रिजस्टर्ड ग्राफिस : केशवानी विल्डिंग, मीरघाषाड, रीलिफ रोड, ग्रहमदाबाद (ग्रन्तिरिती)
- (3) श्रीमती लक्ष्मीबाई, नारायन दास साधुराम की पत्नी

(वह व्यक्ति, जिलके स्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शरु करता है।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सन्धन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह समस्त जमीन का टुकड़ा जो बंगला श्राऊट हाऊस, जगह श्रौर बांछकाम के साथ है श्रौर जिसका क्षेत्रफल 1 एकड़ 17-3 गुंठा है। श्रौर जिसका फायनल प्लाट नं० 516/2, टी० पी० एस० नं० 3 है श्रौर जो मादलपुर श्रहमदाबाद में स्थित है।

जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, ग्रहमदाबाद ।

तारीख: 11-7-1975

मोहर:

5--236G1/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1, ग्रहमदावाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 11 जुलाई 1975

निर्देश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-501(203)/1-1/ 75-76——यतः, मुझे, जे० कथूरिया,

धायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 25,000/- रु० से श्रिधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 393-1-1, एफ० पी० नं० 68, टी० पी० एस० नं० 10 है, जो रखीयाल, स्रहमदाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, स्रहमदाबाद में रिजिस्ट्रीकरण अधिवियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख जनवरी 1975 को पूर्वेक्जि

अधान ताराख जनवरा 1975 का प्यापन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से श्रिधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उसगे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री जेठालाल वल्लभभाई भाषसार, वचली शेरी, रायपुर, श्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) गणेश सहकारी श्रौद्योगिक वसाहत लिमिटेड, चेरमेन: श्री चन्द्रकान्त कनैयालाल शाह (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी स से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहम्नाक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक खुली जमीन वाला प्लाट जिसका क्षेत्रफल 2775 वर्ग गज है और जिसका सर्वे नं० 393-1-1, एक० पी० नं० 68, टी० पी० एस० नं० 10 है और जो रखीयाल ग्रहमदाबाद में स्थित है।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, ग्रहमदाबाद

तारीख: 11-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/नासिक/जनवरी '75/216/75-76—यतः, मुझे, एच्० एस्० श्रीलख, आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की द्यारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसकी जंच 816-श्रे है तथा जो नासिक में स्थित है (श्रीर इससे उगावड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नासिक में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 4-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भ्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः धव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती किरणबाई किसनलालजी सारडा नानिक-पूना रोड, नासिक (अन्तरक)
- (2) श्रीमान बस्तीरामजी सारङा चेरीटेवल ट्रस्ट, 'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक (श्रन्तरिती)
- (3) 1. मे० ब० ना० सारडा, 2. मे० ब० ना० सारडा प्रा० लि०, 3. मे० ब० ना० सारडा प्रा० लि०, सिनर विडी उद्योग लि०, 4. म० टो० एजन्सी, 5. ग० टो० एजन्सी, सबका पता 'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वाता के राजपन्न में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के शब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं पर्य होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

अनुसूघी

हाऊस प्रापर्टी सं० नं० 816-म्रे, म्यु० ऋ० 23, स्टेशन रोड, नासिक।

क्षेत्रकल—9024 वर्ग मीटर्म (1/2 शेब्रर) (जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 24 जनवरी 1975 में सबरजिस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में सिखा है)।

> ्च्० एस्० ग्रोतख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण). ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख : 18-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एत०------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 18 जुलाई 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/लासिक / जनवरी '75/217/ 75-76---यतः, मुझे, एच्० एस्० ग्रीलख, न्निधिनियम, 1961 (1961 का (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' बहा गया है) की धारा 269-ख़ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० स० नं० 816-1 श्रे० है तथा जो न!सिक में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नासिक में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 17-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुव्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है धीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिये तत्र पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप संकथित नहीं किया गया है :-- -

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की अबित उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिता में अभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः ग्रब उक्त यधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रीमती कमजाबाई देवकिसनजी सारङा 'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमान बस्तीरामजी सारडा चॅरीटेबल ट्रस्ट, 'नंदिनी'', नासिक-पूना रोड, नासिक (श्रन्तिरती)
- (3) 1. मे० व० ना० सारडा 2. मे० व० ना० सारडा प्रा० लि०, 3. मे० व० ना० सारडा प्रा० लि०, सिन्नर बिडी उद्योग लि०, 4. म० टी० एजन्सी, 5. ग० टो० एजन्सी, सबका पता: 'नंदिनी', नासिक-पूना रोड, नासिक (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पत्ति हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूक्षता के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अओहस्ताक्षरी के पास शिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में पश्भिषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुस्यो

हाऊस प्रापर्टी सं० नं० 816-1-ग्रे०, म्यु० ऋ० 23, स्टेशन रोड, क्षेत्रफल 9024 वर्ग मीटर्स, नासिक।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 146, जनवरी, 1975 में सबरजिस्ट्रार, नासिक के दफ्तर में लिखा है)।

> एच्० एस० ग्रौलख, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 18-7-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०-

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देग सं० म्रार० ए० सी० 69/75-76---प्रतः मुझे के० एस० वेंकट रामन,

श्रायकर श्रधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-क० से श्रधिक है

श्रौर जिसकी एं० 18-2-645 धूल पेट हैं, जो हैदराबाद में स्थित हैं (श्रौर इसमें उपावड़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 9-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत श्रिधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती(अन्तरितियों)के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :——

- (1) 1. श्री एम० के० विठल राव पुत्र पेट्रा बालाय्या 15-2-645 किशन गंज, हैंदराबाद, 2. कोल्लूर पुश्पा वेनी पत्नी सत्यनारायना पुराना भोई गूडा, सिकन्दराबाद, हैंदराबाद (ग्रन्तरक)
- (2) श्री बी० परमेश्वर कुमार पालक माता बी० णकुन्तला, 14-10-1371, धूल पेट, प्रवस्यक हैदराबाद (अन्तरिती)

हो यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में सभाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नं० 15-2-645, क्षेत्रफल 155.49 वर्ग मीटर्स, किशन गंज, हैदराबाद।

> के॰ एस॰ वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 9-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध(1) के अधीन सूधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, भिलांग भिलांग, दिनांक 16 मई 1975

बायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० नया पि० नं० 279 नया दाग नं० 1978 है तथा जो जोरहाट शहर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जोरहाट में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिय 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27/1/75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूक्ष्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे का कारण है कि यथापूर्वीकत यह विश्वास करने सम्पति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इत्प से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मोहनलाल मालपानी, रात मैदान रोड, जोरहाट (अन्तरक)
- (2) 1. श्री भावे चन्द बजज, 2. श्री सत्यनारायन बजज, 3. श्री सोहन लाल बजज, 4. बाबूलाल बजज, श्री ब्रिज मोहन बजज केयर आफ मेसर्स बाबूलाल ब्रिज मोहन जोरहाट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया गुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन की माप लगमग 1200 (एक हजार दो सौ) वर्ग फीट पुराने नं० 1727 सौचा के अनुसार नया सौचा नं० 1978 पुराने पट्टे का नं० 499 और नया पट्टा नं० 279 जोरहाट सहर ब्लाक नं० 6 के अनुसार पूरा दो मंजीला मकान सहित, सेनेटेरी ल्याट्टीन और दुसरे उपकर्ण उसी भवन के जिसमें बिजली आदि भी सामिल हैं जो नगर मालिका घर नं० 264 (ए०) बार्ड नं० 5 (पुराना) जोरहाट सहर का, सिमाएं पश्चिम—नार्वजनिक सिमा दिवार प्रस्ताविक और अपनि जमीन का बिकयता अंस, पूरब-राजमंदान सड़क, उत्तर-दुकान, जो श्रिम मेसर्स रामिकशन राधेश्याम के व्यापस्थामे हैं। दक्षिण दुकान जो श्रिभ छगन लाल शंकरलाल के व्यावसाय मे हैं जिसका सार्वजनिक दिवार और बिकटा का श्रंस।

एगवर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, शिलांग ।

तारीखा: 16-5-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 7 फरवरी 1975

निर्देश नं० 34-बीं०/श्चर्जन---यतः, मुझे, विशम्भरनाथ, म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- হ৹ से म्रधिक है **ग्र**ौर जिसकी सं० हैं तथा जो ग्राम भूड़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बुलन्दशहर में रजिस्ट्रीकरण म्रिधिनियम, 1908 (1908 को 16) के प्रधीन, तारीख 24-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है ग्रीर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् :--- (1) श्रीमती परवीन रानी

(अन्त एक)

(2) श्री हृदय नारायण बेरी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं श्रर्थं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि ग्रभी बन रहा है श्रीर यह 500 वर्ग गज है जो कि ग्राम भ्ड़, जिला बुलन्दशहर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 7-2-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०------

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की षारा 269-ष (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी॰ 49/75-76---पतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन, आयकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भ्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित 2 5, 0 0 0/- रुपये से अधिक म्ल्य न्नीर जिसकी सं० 12-2-825/826 मेहदीपट्टनम् है, जो हैदाराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के हैदाराबाद में रजिस्द्रीकरण 1908 (1908 का 16) के संधीन तारीख 13-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

नहीं किया गया है:--

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जोना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-श्र की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रीमती झेहरा फतीमा हैदर पत्नी स्वर्गीप मोहर्म्मद हैदर जीव पीव एव द्वारा डाव फाहीम् एम्व फारूख 9-4-2 टोलीचौकी, हैदराबाद (श्रन्तरक)
- (2) 1. श्री सय्यद महबूब मोहयुद्दीन पुत्र सय्यद पाणा मियां 2. श्रीमती णाकीरा जहान बेगम पत्नी सय्यद महबूब मोह्युद्दीन, पोड्डा पल्ली करीमनगर जिला 3. सय्यद गुलाम मोहयुद्दीन पुत्र सयय्द पाणा मियां 4. श्रीमती मेहह्नीसा बेगम पत्नी सय्यद गुलाम मोहयुद्दीन, नई मल्लेपल्ली, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति ये अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजीन के संबंध में को ई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त भावशें और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नगर पालिका नं० 12-2-825/826 का भाग, जो मेहदीपट्टमन, हैदाराबाद में स्थित है।

के० एस० वेंकटरामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद।

तारीख: 9-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के भधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

निर्देश सं० म्रार० ए० सी० 71/75-76--यत:, मुझे, के० एस० वेंकटरामन, श्रामकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 5-1-496 पुतलीबावली है, जो हैदाराबाद में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्नतुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदाराबाद में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 31-1-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के धृश्यमान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशतसे अधिक है और (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्त-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; भीर/या

रण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

त्रतः अब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1 के अधीन निक्निधित व्यक्तियों, प्रथीतः—

- (1) श्री हरीकिशन सोनी पुत्र स्व० रामजीबन सोनी 14-2-332/1, ग्यान बाग कालनी, हैदराबाद (भ्रन्तरक)
- (2) 1. श्रीमती जीं० मनसूया पत्नी जीं० श्रुष्णा, 2. जीं० के० नरसिमलू पुत्र जीं० मल्लय्या 1-8-41/4/2 चिकडपल्ली, हैंदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

डक्त सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीब्द से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्यक्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शक्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, धही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

खुली भूमि जो 303.11 वर्ग गज नं० 5-1-496 श्रौर 5-1-497 पर पुतलीबावली, हैदाराबाद में स्थित है।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सह्यक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैंदाराबाद

तारीख 9-7-1975 मोहर:

6-236 GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरोक्षण) भ्रजीन रोज-5, बम्बई

वम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० घ्र० ६० 5/230/1/74-75--यतः, मुझे, जे० एम० मेहरा, ग्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधि-नियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 82 सी० टी० एस० नं० 428 (ग्रंग) है, जो व्हिलेज देवनार में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 8-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई*है और मुझे यह* विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मत: अब उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—

- (1) मालती जाल घरदेशीं नवरोजी (ग्रन्तरक)
- (2) डी० सी० पटेल श्रीर ग्रदर्स (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास खिखित में किये जा सकते।

स्पट्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिला बम्बई उप-नगर श्रीर श्रभी बृहत्तर बम्बई में श्रीर रिजस्ट्रेशन उप-जिला बान्द्रा, जिला बम्बई नगर श्रीर उप-नगर के गांव देवनार (देवनारम् के नाम से ज्ञात) पहले तालुक कुरला में स्थित वह तमाम भूस्थल या भूखण्ड या भूभाग जो भूमि जिसका सर्वेक्षण नं० 82 श्रीर सी० टी० एस० नं० 428 (श्रंण) का भाग बनाता है माप में 999.37 वर्ग मीटर (श्रथित् 1195.22 वर्ग गज) श्रीर इस प्रकार घरा हुआ है श्रथित् उत्तर की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 82 श्रीर सी० टी० एस० नं० 427 (श्रंण) श्रीर 428 (श्रंण) की जमीन के बाकी बचे भाग द्वारा, पश्चिम की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 82 की जमीन के बाकी बचे भाग द्वारा, पश्चिम की श्रोर से 44 फीट के रोड द्वारा श्रीर पूर्व की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 82 की जमीन के बाकी बचे भाग द्वारा।

जे० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-5, बस्बई

तारीख: 31-7-1975

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 जुलाई 1975

निर्देश सं० 24-जे०/ग्रर्जन--यतः, मुझे, विशम्भर नाथ भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 12 है तथा जो डाली बाग कोथी तिलक में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रंधिकारी के कार्यालग, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 25-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-फल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिस में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और√या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयक्तर अधिनयम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अत्र उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :---

(1) श्री बाल किशन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जय गोंपाल ग्रौर भ्रन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 ग्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिणाधित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० 12 जो कि 17665 वर्ग फिट है भीर यह डाली बाग कोथी तिलक, लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 29-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 28 जुलाई 1975

निर्देश सं० 13-यू/ग्रर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिन्ने इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका शिकत बाजार मूस्थ 25,000/- इपये से अधिक हैं जो विवेकानन्द मार्ग लखनऊ में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण इप से अणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, कखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 13-6-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण चिकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उन्त श्रधिनियम की बारा 269-य के अनुसरण में, में, उन्त ब्रिधिनियम की बारा 269-य की उपद्यारा (1) के अधीन निम्मणिखित व्यक्तियों, अर्जात्:--- (1) श्रीमती मनशा देवी

(भन्तरक)

(2) श्री उमा शंकर वाजपाई

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखारी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यक्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया नया है।

धनुसूची

एक किता प्लाट नं $1/\nabla$ (खसरा नं 213 मी) को कि बिवेकानन्न मार्ग, लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-7-1975

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रोंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई 1975

निर्वेश सं० 59-प्रार०/प्रजीन—यत:, मुझे, विशम्भर नाथ, प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000-/ ६० से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० बी-972 है तथा जो सेक्टर ए, महानगर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुख्नी में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 30-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भौर यह कि भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से भन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः प्रव उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के म्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:— (1) श्री द्वारका नाथ टंडन

(भन्तरक)

(2) श्रीमती कुवर रानी राजेश्वरी भौर मन्य (भन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोह्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० बी-972 जो कि 16400 वर्ग फिट हैं श्रीर यह सेक्टर ए, महानगर, लखनऊ, में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 21-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ---

आयकर अधिनियम, 1961 (.961 का 43) की धारा 269(ष) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश सं० 58-ग्रार०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ अधिनियम, आयकर 1961 (1961 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० मकान नं० 15 है तथा जो ए० पी० सेन रोड लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 8-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अत: अब, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखिस व्यक्तियों, अर्थातु:—

(1) श्री निर्मल चन्द्र

- (ग्रन्तरक)
- (2) श्री राकेश चन्द्र भौर भन्य
- (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ऋर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसू ची

एक किता मकान नं० 15 जो कि ऐ० पी० सेन रोड लखनऊ में स्थित है इस प्रकार है:

- (1) ग्राउण्ड फ्लोर 6121 वर्ग फिट
- (2) पहला फ्लोर 3304 वर्ग फिट
- (3) टिन शेड 736 वर्गफिट

विगम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 21-7-1975

प्रकप भाई • टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भीधीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 29 जुलाई 1975

57-ग्रार०/ग्रर्जन—-ग्रतः मुझे, विशम्भर निदेश नं० नाथ द्यायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया की धारा 269ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-४० से श्रधिक है श्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० बी० 50 है तथा जो महानगर एक्सटेन्शन में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 20-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल दृश्यमान ऐसे प्रतिफल सं प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) स्रोर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भ्रन या ग्रन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिगाने में सुविधा के लिए।

स्रतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तिमों, भवां :---

- (1) श्रीमती शीला वर्मा ग्रौर ग्रन्य (श्रन्तरक)
- (2) श्री ग्रार० एन० ग्ररोरा (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (स्त) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त मन्दों और पक्षों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लाट नं० बी० 50 जो कि 9075 वर्ग फिट है श्रौर यह ई० रोड महानगर एक्सटेंशन लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 29-7-1975

प्ररूप माई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 20 भ्रगस्त 1975

निदेश सं० डी० एल० म्राई०/69/74-75—भ्रतः मुझे, विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज चण्डीगढ़,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम', कहा गया है) की भ्रारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० खाली प्लाट नं० सी०-1/16 है तथा जो माडल टाऊन, सैक्टर-11, फरीदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी 1975 को

जनवरा 1975 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच तय पाया गया ऐसे श्रन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, या धन कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

भ्रतः, अब उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत् :—

- (1) श्री प्रधान श्रधिकारी, मै० डी० ग्रैल ग्रैफ पूना ईटड, लिमिटेड, 40 ग्रैफ, कनाट प्लेस, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
 - (2) श्रीमित सुमित्रा देवी, 21-बाबर लेन, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यष्ट सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लाट नं० सी०-1/16 जो कि माडल टाऊन सैंस्टर-11, फरीदाबाद में स्थित है।

विवेक प्रकाश मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारी**च**: 20-8-1975

मोइर :

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की मारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ, दिनांक 5 भ्रगस्त 1975

निदेश सं० एल० डी० एन०/सी०/545/74-75—प्रतः मुझे वी० पी० मिनोच, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- द० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० 1/3 भाग कोठी नं० 464 है तथा जो शाम सिंह रोड लुधियाना में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधकारी, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त मधिनियम, के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मृत्य म्नास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्नायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः अब, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 7—236G1/75

- (1) श्री सुरजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी 464, शाम सिंह रोड, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- (2) श्री प्रीतम सिंह पुत्र श्री गुरिदत्त सिंह निवासी 570, गिल रोड लिधयाना (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के क्रिये एतद्दारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बद्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी म्रान्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/3 भाग कोठी नं० 464 जो कि गाम सिंह रोड लुधियाना पर स्थित हैं।

> वी० पी० मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 5-8-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, चण्डीगढ़ 156, सैक्टर 9-बी

चण्डीगढ़, दिनांक 20 श्रगस्त 1975

निदेश सं० डी० एल० आई०/14/74-75—स्त्रतः मुझे, विवेक प्रकाण मिनोचा, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज, चण्डीगढ़

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जकत अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं० अजरौंडा कोल्ड स्टोरेज श्रीर ग्राईस फैक्टरी और उस के साथ की भूमि जोकि 18/1 मील दिल्ली-मथुरा रोड, पर स्थित है। तथा जो गांव श्रजरोंडा में स्थित है (ग्राँर इमसे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वणित है), राजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय दिल्ली में, राजम्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यसान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रश्चिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त प्रधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री चमन शाह करूर, सी \circ -4/8, वसंत विहार, नई दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) प्रधान ग्रधिकारी, मै० ग्रैम० ग्रार० खेमका, एजैंसीज प्राईवेट लिमिटेड 349-ए०, चावड़ी बाजार दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्तं सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खासे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रजरौंद्ध। कोल्ड स्टोरेज श्रौर श्राईस फैक्टरी श्रौर उस के साथ की भूमि जो कि 18/1 मील पर दिल्ली मथुरा रोड के ऊपर गांव श्रजरौंद्धा (फरीदाबाद) में स्थित है।

(जैसे के रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 227, फरवरी 1975 में सब-रजिस्ट्रार दिल्ली के कार्यालय में लिखा है।)

> विवेक प्रकाण मिनोचा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, चण्डीगढ़।

तारीख: 20-8-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

- श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 2 मई 1975

निर्देश सं० ए०~96/टि० एम० के०/75-76/374-83:---श्रतः, मुझे, एगबर्ट सिंह,

श्रायकर श्रधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ह० से ग्रिधिक है

स्रीर जिसकी सं० द्याग सं० कि स्रंण 2064, पि० पि० सं० 114 है तथा जो तिनमुकिया टाउन में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध प्रमुखी में स्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय तिनमुकिया में, रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 5-2-75 को

नुवाक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह गतिशत से ग्रिधिक है श्रीर ग्रन्तरिक (श्रन्तरिक) श्रीर प्रम्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त ग्रधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चोहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण रं, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ह श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:——

- 1. तिनसुकिया डेवेलपमेंन्ट कार्पोरेशन, तिनसुकिया । (यन्तरक)
- 2. मैंसर्स इस्टर्न रोड कैरियर प्राईवेट लिसिटेड, तिनसुकिया, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन की माप 5093 स्क्वेयर फिट हैं जो डाग गं० ग्रंश 2064, पि० पि० सं० 114 से घिरे हुए हैं और तिनसुकिया टाउन, डिग्रग्गड़, जिला, ग्रासाम प्रदेश में स्थित हैं।

> एगवर्ट सिंह, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, शिलांग

दिनांक: 2 मई, 1975

प्रकप माई० टी० एन० एस०-

भायकर भिर्मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 7 जुलाई 1975

निदेश सं० म्रर्जन/42/हाथरस/74-75/648:—-म्रतः, मुझे, एफ० जे० बहादुर,

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त म्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से म्रधिक है

श्रीर जिसकी सं श्रमुस्ची के श्रनुसार है तथा जो किलाद्वार समीप सुरजीबाई बालिका विद्यालय हाथरस में स्थित है (श्रीर इससे उपाब अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हाथरस में , रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-2-1975 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पत्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदेश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत 'उनत भ्रिधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भवं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269- ग के अनुसरण भें, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269- घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- 1. सुरजीबाई बालिका विद्यालय, किला द्वार, हाथरस । (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सुरजोबाई पुत्नी सेठ टीका राम श्रौर पत्नी सेठ चन्द्रसेन नि० किलाद्वार, हाथरस । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध भें कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध था तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

किलाद्वार, हाथरस में स्थित गृह सम्पत्ति जिसमें तीन कमरे, पांच छोटे कमरे, एक गैलरी तथा मिली ई खाली भूमि है, इसका हस्तान्तरण 40,000/- में किया गया है।

> एफ० जे० बहादुर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: ७ जुलाई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भागकर भागुक्त (निरीक्षण),

ग्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 20 मार्च 1975

निदेश सं ० 207/ए० सी ० क्यु ०-23-131/19-8/74-75:--श्रतः, मझे, पी० एन० मित्तल, भ्रघिनियम, प्रायकर 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है) धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० सर्वे नं० 16, हिस्सा नं० 2, पैकी है, तथा जो कपादरा, ता० चौरासी, जिला, सूरत में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रध-कारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 4-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान के लिए अन्तरित की गई प्रतिफल है और मुझे यह विख्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः श्रव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के श्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, धर्थात्:—

- (1) श्री चरन सिंह किशन सिंह, 21, साधना सोसायटी, बराछा रोड़, सूरत । (श्रन्तरक)
- (2) मैं अप्रताप स्टील रोलिंग मिल्स, सूरत की फ्रोर से उसके सहयारी: चरन सिंह किशन सिंह, रसगीर सुखदेव सिंह, चरन-सिंह, सगीर सुखबीन्दर सिंह, चरन सिंह, चुनिलाल हरजीवनदास पंडया, ईसर सिंह किशन सिंह, बंसीलाल रामचरनदासजी, दयाल दास जी, जन्डामल, विजयकुमार बंसी लाल, भगवान कोर चरन सिंह (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धन्नधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धन्धि, जो भी धन्नधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबश्च किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के ग्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसृची

जमीन व मकान सहित श्रवल सम्पत्ति सर्वे नं० 16, हिस्सा नं० 2 पैकी 5929 वर्ग गज जो कपादरा, ता० चोरासी, जिला : सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी सूरत के फरवरी, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० (नया) 408/75 में प्रदर्शित है।

> पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-II, श्रहमदाबाद ।

तारीख: 20 मार्च, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०————— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज -5, बम्बई

बम्बई, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ग्र० ई० 5/249/74-75/12:——श्रतः, मुझे, जे० एम० मेहरा.

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भौर जिसकी संग्या नं 190 हि० नं 2 प्रौर 9 सी० टी० एस० नं 8 46 है, जो कुर्ला हालवा रोड़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रमुस्ची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, बम्बई भें भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 17-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रीधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उन्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (धा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—~

मुभग्यादेवी वाईफ ग्रोफ सरजुप्रसाद सिंहग । (श्रन्तरक)

2. श्री हीरालाल वीरचन्द शेठ ग्रौर पटु द्दीन ग्रब्दुल हुसेन बहारमल । (श्रन्तरिती)

को यह भूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्गब्दीकरण:--दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रथम:

बृहत्तर वस्बई में रिजिस्ट्रेशन उपिजला और जिला वस्बई नगर और बस्बई उपनगर जिला के कुरला हालवा रोड जो हाल रोड़ नाम से भी जात है, पर स्थित एवं मौजूद परती जमीन का वह तमाम भूभाग अथवा भूखंड खोती फी-होल्ड टेनर जमीन जिसकी पैमाइश 1058 वर्गगज समकक्ष 884.62 वर्गमीटर था आस पाम है और वस्बई उपनगर जिला के भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तक में सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 2 निर्धारण क० 1-3-0 और सी० टी० एग० नं० 846 और 847 के अन्तर्गत रिजिस्टर्ड है और इस प्रकार घरा हुआ है अर्थात् पूर्व की ओर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 1 द्वारा, पश्चिम की ओर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 3 द्वारा, उत्तर की श्रोर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 9 द्वारा और दक्षिण की ओर सार्वजनिक मार्ग द्वारा जो हावलव पाखड़ी अथवा हाल रोड़ की ओर जाता है। दितीय:

बृह्त्तर बम्बई में रिजिस्ट्रेशन उपजिला ग्रीर जिला बम्बई नगर ग्रीर बम्बई उपनगर जिला के कुरला हालव रोड़ के नाम से भी ज्ञात है, पर स्थित एवं मीजूद जमीन के खाली प्लाट का बहु तमाम भूभाग या भूस्थल या खोती फी-होल्ड टेनर जमीन जिसकी पैमाइण 1089 वर्गगज समकक्ष 910.54 वर्गमीटर या श्रासपास है ग्रीर बम्बई उपनगर जिला के भूराजस्व के संग्रहक की पुस्तक में सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० नं० 9, निर्धारण स० 1-5-0 ग्रीर सी० टी० एस० नं० 846 ग्रीर 847 के श्रन्तगंत राजस्टर्ड, है इस प्रकार घिरा हुआ है श्रर्थात पूर्व की ग्रीर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 10 द्वारा, उत्तर की ग्रीर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 12 द्वारा ग्रीर दक्षिण की ग्रीर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 2 द्वारा ग्रीर दक्षिण की ग्रीर से सर्वेक्षण नं० 190 हिस्सा नं० 2 द्वारा।

जें० एम० मेहरा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्थन रेंज-5, बम्बई

तारीख: 31 जुलाई, 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--- --

कायकर अधिनियम, 1861 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रजन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश सं० IX /7/149/74-75: — यतः, मुझे, जी० बी० झाबक,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— रुपये से अधिक है प्रीर जिसकी सं० 62, हार्रिटन रोड़, मद्रास-31 है, जो मद्राम में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से बाजित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन मार्च, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीमती रूट्टी राजमन्तार मद्रास-31। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती णेक्क्न्नीस एन० जमाल, मद्रास-34 । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुख्य करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूधना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-31, हार्रिटंन रोड़ डोर सं० 62 में 3 ग्रीन्ड का भूमि (श्रार० एस० सं० 359/4 भाग)।

जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख: 21 जुलाई, 1975।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनांक 21 जुलाई 1975

निदेश IX सं०/7/150/74-75:—यतः, मुझे, जी० वी० झावक, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसकी खं० 62 हार्रिटन रोड़, मद्रास-31 है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, वेस्ट मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अब, 'उक्त अधितियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थान्:—

- (1) श्रीमती रुट्टी राजमन्नार 66, हारिटन रोड, मद्रास-31 (ग्रन्तरक)
- (2) श्री महमद एन० जमाल, 14, सिवगंगा रोड, मद्रास-34 (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन, की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्तीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसुची

मद्रास-31, हारिटंन रोड़ डोर सं० 62, में 3 ग्रौन्ड का भूमि (श्रार॰ एस॰ सं॰ 359/4 भाग) ।

जी० वी० झाबक, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास ।

तारीख : 21 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, लखनऊ

नखनऊ, दिनांक 2 जुलाई 1975

निदेश सं० 48/ए०/अर्जनः—-अतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 20/51 व एस० 20/52 प्लाट नं० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० बक्ता का पुल, वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिणत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब 'उक्त ग्रधिनियम', की, धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात्:--

- 1 श्रीमती हरहाइनेस कृष्णा चन्द्र देवी राना व श्रन्य । (श्रन्तरक)
- 2. श्री प्रशीत कुमार विमवास । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ब्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसूची

सकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भृमि सिहत जिसका नं० 4/1 व 4/2 है, जो मोहल्ला बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है ।

बिशम्भर नाथ, सक्षम श्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख : 2 जुलाई 1975

माहर:

8-236GI/75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निदेश सं० 49/ए०/प्रर्जन:—प्रतः, मुझे, विशम्भर नाथ, प्रायंकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० एस० 20/50 एस० 20/51 व प्लाट न० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-3-1975 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान

प्रतिफल के लिए

भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि

यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक
है भीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

धतः ध्रवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, भैं, उक्त धिधिनियम, की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रधीत्:—

- श्रीमती हरहाइनेस कृष्णा चन्द्र देवी रानी व ग्रन्य । (श्रन्तरक)
- 2. श्री ग्रशीत कुमार बिसवास । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भिम सिहत जिसका सं० 4/1 व 4/2 है, जो मोहल्ला बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है ।

विशम्भर नाथ, सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखः : 2 जुलाई, 1975 ।

प्रकृप आई • टी • एन • एस • -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निदेश सं० 30-पी०/अर्जन:--अतः, मुझे, विशम्भर नाथ, श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की श्वारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से अधिक है और जिसकी सं० एस० 20/51 व एस० 20/52 प्लाट नं० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० बस्ना का पुल, ब्राराणसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये धन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है धौर धन्तरिक (धन्तरिकों) और धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उमत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातुः—

- 1. श्रीमती हर हाइनेस कृष्णा चन्द्र देवी रानी व श्रन्य । (श्रन्तरक)
- श्रीमती प्रतिभा विसवास । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हितअब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अबं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भूमि— सिंहत जिसका नं० 4/1 व 4/2 है, जो मोहल्ला बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है ।

बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 2 जुलाई, 1975

प्ररूप भ्राई०टी०एन०एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 2 जुलाई, 1975

निदेश सं० 30-पी०/प्रजेनः---प्रतः, मुझे, विशम्भर नाथ **प्रा**यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार **ग्रौर** जिसकी सं० एस० 20/51 व एस० 20/52 प्लाट नं० 4/1 व 4/2 है तथा जो मो० वरुना का पुल वाराणसी में स्थित है (ऋीर इससे जापबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रधि-नियम , 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 5-3-75 सम्पत्ति के उचित पूर्वोक्त बाजार दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित कम के की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भौर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) श्रीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी भन या अन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त ग्रिधिनियम,' या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रंब 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपभारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- श्रीमती हर हाइनेस कृष्णा चन्द्र देवी रानी व धन्य (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती प्रतिमा बिसवास (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अविध तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:च-इसमें प्रयुक्त णब्दों भौर पदों का, जो 'उक्त श्रधिनियम,' के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एस० 20/51 व एस० 20/52 का भाग भूमि सहित जिसका नं० 4/1 व 4/2 है जो मोहल्ला बरुना का पुल, वाराणसी में स्थित है।

बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 2 जुलाई 1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

त**० एस०————** 1. श्रीमती हीरा रानी ।

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 3 जुलाई 1975

निदेश सं० 53-एम०/ग्रर्जनः--ग्रतः, मुझे, विशम्भर नाथ, ध्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त श्रधिनियम कहा गया है) 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 509/150/205 है तथा जो न्यु हैदराबाद, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख, 4-3-1975 को पर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के के लिए अन्तरित की गई है प्रतिफल और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उपघारा (1) के अधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 2 श्रीमती कुंबर रानी मीरा सिंह। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूर्या

एक किला मकान जो कि न्यु काटेज के नाम से जाना जाताहै है इस का नं० $509/150~(509/48)\,1$ है जो कि ट्रांस गोमती सिविल लाईन न्यु हैंदरावाद लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 3 जुलाई, 1975।

प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

1. श्री प्रेम चन्द चतुर्वेदी व ग्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निदेश नं० 56-म्रार०/म्रर्जनः --म्रतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करनेका कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/-रु०से मधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8 है तथा जो 4ए० पार्क रोड़, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनिमय, 1908 '1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 28-4-75 सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के पूर्वोक्त दश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण य**षापूर्वीक्**त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रेन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, 'उक्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम, की धारा 269-त्र की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :-- 2. श्री राम किशन पाल।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब के किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं प्रर्थ होगा, जो ।उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 8, जिसका क्षेत्रफल 2713 वर्ग फीट है, जो कि 4-ए० (ए०) पार्क रोड़, लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखाः: 17 जुलाई, 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निदेश सं० 33-पी०/श्रर्जनः—ग्रतः, मुझे बिशम्भर नाथ, प्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- से अधिक है श्रीर जिसकी सं० है तथा जो रहीम नगर महानगर, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 23-3-1975 को पूर्णिक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:—

- (का) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, इक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सबीन निक्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— 1. श्रीमती कस्तूरी देवी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रतिभा ग्रग्रवाल ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट जिसका क्षेत्रफल 9860 वर्ग फीट है जो कि रहींम नगर महानगर में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीखः 17 जुलाई 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

श्री प्रेम चन्द चर्तुवेदी व ग्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री जगन्नाथ पाल।

(स्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ लखनऊ, दिनांक 17 जुलाई 1975

निदेश सं० 23-जे०/ग्रर्जन--ग्रतः, मुझे, बिश्यम्भर नाथ, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 8/1 है तथा जो 4-ए० पार्क रोड लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उजाबब ग्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 6-3-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं
किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः भव उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं, उक्त ध्रिधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के भ्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीत्:— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्तिके अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बद्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितझड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लाट नं० 8/1 जिसका क्षेत्रफल 30/6 वर्गफीट है। जो कि 4-ए०, पार्करोड, लखनऊ में स्थित है।

> बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 17 जुलाई 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन क्षेत्र लखनऊ लखनऊ, दिनांक 8 जुलाई 1975

निदेण सं० 67-एस०/अर्जनः—-अतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 35 है तथा जो बाग तालिब स्रली जी ० इलाहाबाद में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध श्र-्रसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 10-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दुई किसी आय की याबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, ग्रव, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उन्त अधिनियम', की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

श्रीमती बसन्ती राय ।

(श्रन्तरक)

श्रीमती शिव कुमारी देवी ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां करता है !

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर यूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक किता प्लाट नं० 35 जिसका क्षेत्रफल 405 वर्गगज जो बाग तालिब ग्रली तहसील चलै जिला इलाहाबाद में स्थित है ।

> विशम्भर नाथ, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रोज, लखनऊ।

तारीखाः ८ जुलाई 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक श्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज, शिलांग का कार्यालय

शिलांग, दिनांक 22 अगस्त 1975

निर्देश सं० ए०-105/शि०/75-76/991-1000--श्रतः, मृक्षे, एगबर्ट सिंग,

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी हो, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी संव दो कुमेन्त नंव 54 है तथा जो जेल रोड, शिलांग में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकर्रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 6-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास फरने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अबिनियम की धारा 269-क की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:---

- 1. श्री एस० एम० दास गुप्त मैंनेजर, लोन कम्पनी आफ श्रासाम लिमिटेड, पोलिस बाजार, शिलांग। (श्रन्तरक)
- श्री श्रहसान इलाही नागी, केयर श्राफ नागीज गारेज, जेल रोड, शिलांग । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्वी

जमीन के माप 5872 वर्ग फिट जो कि दोकुमेन्त नं० 54, जेल रोड, शिलांग, खासी हिंत्स जिला, मेघालय प्रदेश में स्थित है।

एगबर्ट सिंग, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, शिलांग ।

तारीख: 22 ग्रगस्त 1975।

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचमा

भारत सरकार

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण हैदराबाद का कार्यालय हैदराबाद, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० ग्रार०ए० सी० 53/75-76—यतः, मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 12-2-826 मेहदीपट्टनम् है, जो हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतिप रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 2-3-1975 को

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्योक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 कारी) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः अब 'उम्त मिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—→

- श्रीमती क्षेहरा फानीमा हैदर मुख्तार नामादार द्वारा डाक फाट्टीमफारुख, 9-4-2 टोली चौकी, हैदराबाद । (ग्रन्तरक)
- श्री डाक ग्रब्दुल हादी पुत्र श्रब्दुल गफ्र 97-बी०, मल्ले-पल्ली, हैंदराबाद । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूचो

नं० 12-2-826का भाग क्षेत्रफल 969वर्ग मीटर्स मेहदीपट्टनम् हैंदराबाद ।

> के० एस० वेंकट रामन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हॅंदराबाद।

तारीखः : 9 जुलाई 1975।

प्ररूप धाई० टी० एन० एस० -

1. श्री एस० के० मुकर्जी, ।

(ग्रन्तरक)

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रापकर **श्रायुक्**त श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 जुलाई 1975

निदेश सं० 53-आर०/स्रर्जनः---श्रतः, मुझे विशम्बर नाथ, श्रायकर श्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के श्रिधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 133/302 है तथा जो गरोश गंज लखनऊ में स्थित है (श्रीर इनसे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रीयकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
पूर्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
पूर्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह
प्रतिशत से ग्रधिक है श्रौर अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः अब, उक्त श्रधिनियम, की घारा 269-ग के ब्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्यातः--- श्री राम कुमार, अग्रवाल और सुभाष चन्द्र अग्रवाल, लाहौर टेलरिंग । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोतत सम्पत्ति के अर्जन केलिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक किता सकान नं ० 133/302 जो मोहल्ला गणेश गंज लख-नऊ, में स्थित है ।

> बिगम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजन रोंज, लखनऊ।

ता**रीख**: 10 जुलाई, 1975 ।

प्ररूप आई० टी० एन० एस●--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय निरीक्षी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त ग्रर्जन क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 18 जुलाई 1975

निदेश सं० 59-एस०/ग्रर्जनः---ग्रतः, मुझें, बिशमभर नाथ, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है, भौर जिसकी सं० 53 वी० घ/52 है तथा जो पबँरागंज सीता पुर रोड़, लखनऊ में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिल्ड्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिल्ड्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 31-3-75/1-4-75

पूर्बोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमाम प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-च की **उपद्यारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित, क्यक्तियों अर्थात्:— 1. श्रीरामचन्द्रगुप्ता।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुमन गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां, करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/13 भाग राइस एण्ड दाल मिल का जिस का नं० 538 घ/ 52 है और जो कि 5040 वर्ग फिट है और जिस में 2000 वर्ग फिट में मकान बना है जो कि पवैरा गंज सीता पुर रोड़, लखनऊ में स्थित है।

बिशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 18 जुलाई, 1975।

प्ररूप आई० टी० एन• एस०--

1. श्रीएम० चन्द्रा।

(भ्रन्तरक)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती बीना गुप्ता।

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जुलाई 1975

निदेश सं० 18-वी०/ग्रर्जन:--ग्रतः, मुझे, बिशम्भर नाथ, 1961 (1961 का 43), म्रिधिनियम, (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), के अधीन 269-ख सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये से अधिक है उचित बाजार मृल्य ग्रौर जिसकी सं० 538 घ/52 है तथा जो पतौरा गंज सीतापुर रोड, लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख 30-3-75/1-4-75 को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य के दृश्यमान प्रतिफल के लिये की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अग्निनयम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या

नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव 'उक्त प्रधिनयिम', की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, 'उक्त प्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, प्रथित्:- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पंक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरि-भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/13 भाग (राइस एन्ड दाल मिल जिस का नं० 538 घ/ 52 है झौर क्षेत्रलल 5040 है जिस में से 1300 वर्ग फिट पर क्वार्ट्स बने हैं यह मिल पतोर गंज सीतापुर रोड पर स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर **ग्रा**यक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19 जुलाई, 1975।

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०----

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के न्नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 19 जलाई 1975

निदेश सं० 56-एम०/अर्जन:---अतः, मुझे बिशम्भर नाथ, म्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका मूल्य 25,000/- रु० से **ग्रधिक** है वाजार ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो पतौरा गंज सीतापुर रोड, लखनऊ में स्थित है (स्रीर इससे उापबद्ध सन्सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 8-4-75

को पूर्वोनत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह से प्रतिशत श्रिधिक है धौर ध्रन्तरक (ध्रन्तरकों) धौर ध्रन्तरिती (ध्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ध्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ध्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत:, श्रव उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

1. श्रीएम० चन्द्र।

(म्रन्तरक)

2. श्रीमती मधु गुप्ता ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां णुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किला प्लाट जो कि 4000 वर्ग फिट है जिस में दुकानें हैं भ्रौर टीन से इका हुन्ना है यह पतोरा गंज सीतापुर रोड, लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 19 जुलाई, 1975

प्ररूप आई० टो० एन० एस०~

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) रेज-II श्रहमदाबाद

ग्रहमदाबाद, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1975

निदेण सं० 216/ए० सी० क्यू० 23-360/3-2/74-75-यतः मुझे, पी० एन० मित्तल, श्रायकर श्रिधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है
और जिसकी सं० सी० सर्वे नं० 13235 शीट नं० 82 करंट नं०
26, क्यू० नं० 5/1444/3 है, तथा जो गोथरी रोड, पालनपुर
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पालनपुर में भारतीय
रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन
8-4-1975 को

पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्वह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 क 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट, नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के क्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री कनैयालाल भभूनभाई मेहता बम्बई (श्रन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मण भाई कीरसिंग भाई पटेल रामजीभाई वीरसिंग भाई पटेल, बम्बई (श्रन्तरिती)
- (3) श्री परवा महेन्द्रभाई खेमचन्द भाई (श्रन्डर हाउस) (बह व्यक्ति, जिसके श्रिधिमोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पन्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति (जमीन व मकान) 'गुरु सदन' जिसका सी सर्वे नं ० 13235 शीट नं ० 42, करंट नं ० 26, क्यू ० नं ० 5/ 1444/3 कुल माप 7800 वर्ग फुट है (2481 वर्ग फुट बांध काम सहित) श्रोर जो गोबरी रोड़, पालनपुर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पालनपुर के श्रप्रैल, 1975 के रजिस्ट्रीकर्ता बलेख नं ० 225 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेज-II,ग्रहमदाबाद

तारीख: 18-4-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनिष्टम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर धायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज-1 कार्यालय श्रहमदाबःद श्रहमदाबाद, दिनांक 3 जुलाई, 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू० 23-1-406 ()/1-1/74-75-—यतः मुझे जे० कथ्रिया

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० सर्वे नं० 318, सब प्लाट नं० 3-2, ब्लाक नं० B-2 है तथा जो दिर्यापुर काजीपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर सूपूर्ण रूप में वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रहमदाबाद में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-4-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के म्राधीन निम्नतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री ज्यं तीलाल शकराभाइ शाए, संजीवनी रोड़, एलिस त्रिज, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरक)
- (2) डा० रमणभाई शंकरभाई पटेल, हिन्दु अविभक्त कुटुंब के हेतु तथा उसकी श्रोर से तथा कर्ता व मैंनेजर के रूप में, एठीमिए जी० वाडी० दिल्ली दरवाजा के बाहर, शाहीबाग रोड़, ग्रहमदाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखि में किये जा सकेंगे।

स्वब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**ची**

एक बांध काम बाली सम्पत्ति जो 454 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा भोरा (सैलर) जिसका क्षेत्रफल 20 वर्गगज है जिसका सर्वे नं० 318 सब प्लाट नं० 3/2, ब्लाक नं० बी-2 है, श्रौर जो दिखा पुर काजीपुर ग्रहमदाबाद में स्थित है (ग्रौर जिसका पूर्ण विवरण बिकी दस्तावेज में दिया गया है)।

> जे० कथूरिया, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, श्रहमदाबाद

तारीख: 3 जुलाई, 1975

मोहर:

10-236GI/75

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, श्रमृतसर

श्रमृतसर, दिनांक 12 श्रगस्त 1975

सं० श्रार० ए० सी० 97/75-76---यतः मुझे, श्रार० रंगय्या श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है और जिसकी सं० 62/1 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूण रूप में वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन

30-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान
प्रतिकृष के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के प्रनुसार अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के
पम्ब्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए
प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की याबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए ; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-य की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- (1) श्रीमती श्रार० लक्ष्मी रेड्डी पत्नी डा० श्रार० रामचन्द्रा रेडी, 3-2-61 हिमायत नगर, हैदराबाद।
- (2) मैं \circ लक्ष्मी पन्टरप्राएसेस 3-6-291/1 हैदरगूडा हैदराबाद (ग्रन्तरक)
 - वासवी कोग्रापरेटिव हार्वासंग सोसायटी, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसर्ने प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अघिनियम, के अध्याय 20-क में परिमा-' षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं० 62/1 काकागूडा, सिकन्दराबाद एक भाग जिसका क्षेत्रफल 4840 वर्ग गज है।

श्रार० रंगय्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज हैदराबाद

तारीख: 12 ग्रगस्त, 1975

प्ररूप भाई० टी० एम० एस०---

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 प्रगस्त 1975

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपए से अधिक है ग्रौर जिसकी सं० 15, हारींटन रोड़, मद्रास है, जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के ग्रधीन 16 मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने की कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल से पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उपत अधिनियम', या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब 'उन्त ग्रधिनियम' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :--- श्री जे० एच० तारापुर, मद्रास (म्रन्तरक)

2 श्री विपन चन्द्र पाल भाल 8, वल्लीयम्माल रोड्, मद्रास-7।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखिल में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास हारींटन रोड़ डोर सं० 15 में एक ग्रीन्ड श्रीर 2202 स्कुषर फीट की खाली भूमि (एस सं० 324-भाग)

> जी० रामनातन सक्षम प्राधिकारी≱ सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1 मद्रास

तारीख 12 श्रगस्त, 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रगस्त 1975

सं० ग्रार० ए० सी०-98/75-76--यतः मुझे, ग्रार० रंगय्या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 62/1 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित, है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन 13-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कथ के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण शहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: ग्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के ग्रधीन निम्निखिखत स्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. (1) श्री बी० वी० सत्यनारायन रेड्डी, 10-2-320, मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद।
- (2)लक्ष्मी यन्टर प्रायसेस भागीदार श्री बी० चौदरी द्वारा 3-6-291/1 हैदरगूडा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
 - 2. वासवी कोम्रापरेटिव हाबसींग सोसायटी, हैदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख़ से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं ० 55/1 काकागूड़ा, सिकन्दराबाद (2 एकड़ 30 गुंठा) सर्वे नं ० 62/1, 1 एकर 10 गूंठा लगभग 4 एकरस ।

श्चार० रंगय्या सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक 12 श्रगस्त, 1975 मोहर: प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 ग्रगस्त 1975

सं० ग्रार० ए० सी० 99/75--76---यतः मुझे, ग्रार० रंगय्या श्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त श्रधिनियम कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक हैं न्नीर जिसकी सं० 62/1 काकागुडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 4-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) कें बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नही किया गया है: ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबत, 'उक्त अधिनिय4' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः. अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नानिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1.~(1) श्री बी० बी० सत्यनारायण रेड्डी, 10-2-320, मारडेपल्ली, सिकन्दराबाद
- (2) श्री बी० चौदरी, 3-6-291/1, लक्ष्मी यन्टर प्राइसेस भागीदार द्वारा हैदरगृष्ठा, हैदराबाद (श्रन्तरक)
 - वासवीं कोग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, हैदराबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो 'उक्त-अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बदी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

सर्वे नं० 62/1 काकागूडा, सिकन्दराबाद क्षेत्र----3.37 एकड

श्चार० रंगस्या, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

ता**रीख**: 12-8-1975

प्ररूप ग्राई०टी०एन०एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा-269 प (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1975

निदेश सं० 50-ए०/प्रर्जन--ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, ब्रायकर ब्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रु० से ग्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० 120 स्रोर 335 स्रादि है तथा जो रीनहुपुर जि० फैजाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय जि० फैजाबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 18-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (श्रन्तरकों), श्रौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, 'उम्त श्रिधिनियम,' के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1)के ग्रिधीन निम्निखित व्यक्तियों ग्रिधीत :---

- 1. श्री ज्वाला प्रसाद (म्रन्तरक)
- 2. श्री प्रजय कुमार ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति क ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी श्रवधिबाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्तिद्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

स्पष्टीकरण—हसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पदों का जो 'उक्त श्रिधिनयम' के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

श्रनसूची

कृषिक भूमि 30 बीघा 13 विस्वा 11½ विस्वानसी है जो कि ग्राम रीनहुपुर जि० फैजाबाद में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 8-8-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की छारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जुलाई, 1975

निदेश स० 44-वी०/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर ग्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ग्रौर ग्रीर जिसकी सं० प्लाट 232 है तथा जो जोलहा में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 1-1-75

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

को पूर्वोक्त

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अक्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियी को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269 प की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री रिवन्द्र नाथ बनर्जी (श्रन्तरक)
- 2. श्री ब्रह्मदेव मिश्रा श्रीर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लाटन० 232 जिसका $\frac{1}{2}$ भाग $58\frac{1}{2}$ DC जो कि जोलहा जिला वाराणसी में स्थित है।

विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखा: 22-7-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०---

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 ध्रगस्त 1975

निदेश सं० 45-बी/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त श्रिधिनियम,' कहा गया है) 269-ख के भ्रधीन सक्षम श्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० 2 मि० है तथा जो भोजपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 7-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने था उससे बचने में मुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

थ्रत: ध्रव उक्त ध्रधिनियम की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में, मैं उक्त ध्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ध्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ध्रथीत:—— 1. श्री हरिधन सिंह

(ग्रन्तरक)

2. श्री भजन सिंह

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त स्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं स्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 12 बीधा जो कि ग्राम भोजपुर जिला रामपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीखा: 6-8-75

प्रकृष माई० टी० एन० एस० -

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त 1975

निदेश सं ० 16-सी/श्रर्जन--श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, भायकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं ० हाउस नं ० 299/69 है तथा जो तिकया भिटया-रान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 27-1-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के कृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे कृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरका (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कृषित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; जीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः श्रंब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:——
11—236G1/75

1. श्रीमती रोशन जहां

(भ्रन्तरक)

2. श्री छोटे लाल भौर भन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी शरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अभ्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

क्पल्डीकरण: --- इसमें प्रयुक्त कम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनुसूची

एक किता मकान नं ० 299/69 जिसका क्षेत्रफल 1800 वर्ग फीट है ग्रीर जो कि मुहल्ला तिकया भटियारान ल**ख**नऊ में स्**व**त है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ।

तारीख: 5-8-1975

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०—

1. श्री रामजी दास

(ग्रन्तरक)

2. श्री जसवन्दर सिंह ग्रौर श्रन्य

(भ्रन्तरिती)

भायकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा, 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायंकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 ग्रगस्त 1975

निदेश सं० 25-जे०/अर्जन--श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रीर जिसकी सं० मकान है तथा जो मुहल्ला सिधान, काशीपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप म वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय काशीपुर में रजिस्ट्री करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीखा 7-1-1975 को पूर्वीक्त सम्पत्ति उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए **भ**न्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है श्रीर भन्तरक रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम', या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

को यह सूचना आरी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ध्रन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रघोहरूसाक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

रपण्टाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान जो कि 1050 वर्ग फिट है घौर यह मुहल्ला सिधान काणीपुर नैनीताल में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख: 6-3-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 जुलाई, 1975

निदेश सं० 57-एम/एक्यू०--श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से अधिक है श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० 232 है, तथा जो जि० वाराणसी में स्थित है, श्रीर इससे उपाबद्ध भनुभूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्टी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिए तम में वास्स्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु:—— 1 श्री कैलास दास बैनर्जी

(भ्रन्तरक)

2. श्री मदनं मोहन लाल और अन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 232 का भ्राधा भाग जो कि $58\frac{1}{2}$ खी०सी० भ्रौर जो कि जि० वाराणसी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

सारी**ख** : 22-7-1975

प्रकृप भाईटी ० एन० एस०----

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्योलय, सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 प्रगस्त, 1975

निदेश सं० 60-मार/मर्जन-मतः मुझे, विशम्भर नाथ, भ्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियमों' कहा गया है) की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य ६० 25,000-/ से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाट नं० 227 व 228 भ्रादि है तथा जो भरवापूर काला डांडे में स्थित है (श्रीर इससे उपायद्व श्रनुसूची में थ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण म्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 17-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रधिक है ग्रौर अन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त भ्रधिनियम', के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर श्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रज उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत्:--- 1. श्री मेवाला

(ग्रन्तरक)

2. श्री रजेन्द्र प्रसाद गृप्ता

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियों करला हुं।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त गब्दों भ्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यभापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तीन किता प्लाट जिसका क्षेत्रफल 19.12 विस्वा है भ्रौर यह भावापुर काला डांडे जो इलाहाबाद में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लखनऊ।

तारी**ख**: 6-8-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की खारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

सखनऊ, दिनांक 22 जुलाई, 1975

निदेश सं० 61-श्रार/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे, विश्वस्भर नाथ, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम ग्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/-रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० 2416, 2430 ग्रन्य है तथा जो ताड़ी वड़ा गांव जि० विलया में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय रसड़ा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 20-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखि उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत 'उक्त श्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922(1922 का 11)या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्यात् :— श्रीमती बचिया

(भ्रन्तरक)

2. श्री रीख देव सिंह श्रीर श्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भ्रौर पटों का, जो उक्त अधिनियम, के ग्रध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 6.49 डी॰सी॰ है जो कि ग्राम ताड़ी बड़ा गांवजिला बलिया में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख: 22-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) मूर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जुलाई 1975

निदेश सं० 62-आर/ग्रर्जन--श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, शायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क० से श्रिक है

भीर जिसको सं० 273/275 है तथा जो ग्राम किशनपुर भोबागढ़ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय रामपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 20-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर यह कि ग्रन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरक (भन्तरकों) और धन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कावत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या ध्रन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

म्रतः मब उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत :-

- 1. श्री चन्दा सिंह (ग्रन्सरक)
- 2. श्री रघुनीर सिंह मौर ग्रन्थ (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए एतदद्वारा कार्यवाहियां मुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 7.59 डीसी है और जो ग्राम किशनपुर भोवागढ़ जिला रामपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजन रेंज, लखनऊ

दिनांक: 30-7-1975

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जुलाई 1975

निदेश सं० 62-म्रार/म्रर्जन—म्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, म्रायकर म्रिधिनियम, <math>1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ ६० से स्रधिक है स्रोर जिसकी सं० 193, 194 स्रादि है तथा जो किशनपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण स्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 30-1-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिगत से श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तिरितयों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम', के श्रधीन कर देने के ध्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उन्त भिधिनियम', या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-य की उपधारा (1) के समीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रवीतृ:——

- श्री आशा सिंह (ग्रन्तरक)
- 2. श्री रष्वीर सिंह भ्रौर भ्रन्य (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा भधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों झौर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के झब्याय 20-क में परिभाषित है, वही धर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 15.59 डी सी जो कि ग्राम किशनपुर भोवागढ़ जि॰ रामपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 30-7-1975

प्ररूप आई० टी०एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण्) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 30 जुलाई 1975

निदेश सं० 62-श्रार/श्रर्जन--श्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भौर जिसकी सं० 193, 194 श्रादि है तथा जो ग्राम किशनपुर भोवागढ़ में स्थित है (श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रामपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 20-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित आजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव उक्त अधिनियम की घारा 269±ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम, की घारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन निम्निविक्तित व्यक्तियों, अर्थात्।——

- ा. श्री प्राशा सिंह (प्रन्तरक)
- 2. श्री रघुवीर सिंह ग्रौर ग्रन्थ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, धो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 15.59 डी सी जो कि ग्राम किशानपुर भोवागढ़ जि॰ रामपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 30-7-1975

प्ररूप आई० टी॰ एन० एस०-----

भ्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखन्ड, दिनांक 6 श्रगस्त, 1975

निर्देश स० 70-एस/श्रर्जन-श्रतः गुझे विशम्भर नाथ आयकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम श्रिधकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से श्रिधिक है और जिसकी स० 2 मि० है तथा जो ग्राम भोजपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिकारी के कार्यालय विलासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम ,1908 का (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 7-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह जिल्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, 'उक्त श्रिधिनयम', के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात् :—— 12 236G1/75 ा. श्री हरीधन सिंह (श्रन्तरक)

2. श्री संतोख सिंह (भ्रन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में
 हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो 'उक्त श्रिधिनियम', के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जो कि 12 बीघः है यह ग्रःम भोजपुर जिला रामपुर में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

नारी**ख**: 6**-8-**1975

त्रक्ष बाई• टी० एन• एस•----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 घगस्त, 1975

निदेश सं० 71-एस०/ग्रजैन--श्रतः मुझे विशम्भर नाथ श्रायकर ग्रिक्षिनयम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जनत अधितयम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० डी-47/198 है तथा जो रामापुरा में स्थित है (और इससे उपाबख अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अव 'उन्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण 'उन्त अधिनियम', की घारा 269-घ की उपधारा ्रीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः:---

- 1. श्रीमती शांतीदेवी (श्रन्तरंक)
- 2. श्री श्रीमती शारदा देवी (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजँन के लिए कार्यशाहियां शुक्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्स स्थाधर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20 क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं० डी – 47/198 जो कि मुहल्ला राजापुरा बाराणसी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

ता**रीख**: 5—8—1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 ग्रगस्त, 1975

निदेश सं० 72-ग्राई/ग्रर्जन-ग्रतः मुझे विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका खिलत बाजार मूल्य 25,000/- ध्वये से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० हाउस नं० 55 है तथा जो तिलक नगर लखनऊ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 16-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है

कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में बास्तिबक्त कप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई निःसी आम की बाबत 'अक्त अधिनिवन', के अधीन कर देने के म्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी श्रन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रन 'उन्त मितियम' की बारा 269-म के ग्रनुसरम में, मैं, 'उन्त मितियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निसिखत व्यक्तियों, ग्रर्थात्:—

- 1. श्रीमती मुन्नी देवी ग्रीर ग्रन्य (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती सरोज विपाठी (ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस जन्माय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक किता मकान नं० 55 जो कि 910 वर्ग फीट है स्रीर यह तिलक नगर लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, लखनऊ

तारीख: 8-8-1975

प्रकप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 श्रगस्त 1975

निदेश सं० 73-एस/ग्रर्जन--ग्रतः मुझे विशम्भर नाथ अधिनियम, (1961 43) 1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षप्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है भीर जिसकी सं० है तथा जो कानपुर लखनऊ रोड में स्थित है (म्रीर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में म्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के **म**बीन, तारीख 8-1-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रसिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आम की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए, और /या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्थिधा के लिए;

जत: अव, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसर्व में, में, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:-- 1. श्री बैज नाथ (भ्रन्तरक)

2. श्री सीता राम (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्धों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

एक मकान जो कि । कानपुर लखनऊ रोड़ लखनऊ में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 8-8-1975

प्ररूप प्राई० ी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 21 जुलाई, 1975

निदेश सं० 74-एस०/ग्रर्जन--श्रतः मुझे विशम्भर नाथ ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

मोर जिसकी सं० 692, 693 मादि है तथा जो बढ़या खुर्दज० देवित्या में स्थित है (और इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में और पूर्ण का में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय हाटा में रिजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रिजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे शृथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है और यह कि मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी म्राय की बाबत 'उक्त भिधिनियम', के म्रधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धनकर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:-

- 1. बाबू जगर नाथ सिंह (भ्रन्तरक)
- 2. श्री सत्य प्रकाश ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त प्रधिनियम', के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिवा गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 11.82 DC जो कि ग्राम बढ़या खुर्द जिला देवरिया में स्थित है।

> विश्वम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लखनऊ

तारीख : 21-7-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 श्रगस्त 1975

निदेश सं० 14-4 /ग्रर्जन--- प्रतः मुझे विशम्भर नाथ म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ग्रधिनियम' कहा गया इसके 'उन्त पश्चात 2.69-खा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है भीर जिसकी सं० हाउस नं० 545/634 प्लाट 231 है तथा जो महानगर लखनऊ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 11-2-1975

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम', की धारा 269-भ की उप-धारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थीत् :--

- 1. श्रीमती रमादेवी म्रोझा (भ्रन्तरक)
- 2. अशा पुरी (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

ग्राधा मकान नं० 545/634 मय जमीन के नं० 231 जो कि महानगर लखनऊ में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-8-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 श्रगस्त 1975

निदेश सं० घार० ए० सी० 100/75-76--यतः मुझे भार० रंगय्या

भायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उम्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० 62/1 काकागूडा है, जो सिकन्दराबाद में स्थित है (ग्रीर इससे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 4-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मृद्धों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और /या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः, अब उन्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपश्चारा (1) के अधीन निम्नलिखित ध्यक्तियों, अर्थात्:---

- $1\cdot$ (1) श्रीमती श्रार० लक्ष्मी रेड्डी पत्नी श्रार० रामचन्द्रा रेड्डी 3-6-21, हिमायत नगर, हैदराबाद।
- (2) लक्ष्मी यन्टर प्राइसेस भागीदार श्री बी० चौधरी द्वारा 3-6-291/1, हिमायत नगर, हैदराबाद। (श्रन्तरक)
- 2. वासवी कोम्रापरेटिय हाउसिंग सोसायटी, हैंदराबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति धारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सर्वे नं > 62/1 काक $(\eta \otimes 1)$, सिकंदराबाद, क्षेत्र-18 गुंटा।

ग्रार० रंगय्या सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक: 12-8-1975

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 भगस्त, 1975

निदेश सं० 19--वी/प्रर्जन----प्रतः सुझे विशम्भर नाथ म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं० 879 है तथा जो ग्राप्त पतवारा में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-स्दीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय निधासन में रजिस्दीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य रे कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिमे ग्रन्तरित भी गई है और भुझे यह विण्वास फरने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दुश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने था उससे बजने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था. छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः श्रब उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं. उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. प्रचीत :---

- া श्री जथमल सिंह धौर भ्रन्य (भ्रन्तरक)
- 2. श्री बिकम सिंह ग्रांर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्जीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के र जपद्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकों।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसू**चो**

कृषिक भूमि 5.11 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा जिला खीरो में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम प्रधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, लखनऊ

तारीख: 5-8-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 भगस्त, 1975

निदेश सं० 19-वी/म्रर्जन-म्प्रतः मुझे विशम्भर नाप म्रायकर म्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख के म्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से म्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 879 है तथा जो ग्राम पतवारा जि० खीरी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय निधासन में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 27-1-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के श्रनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच [ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक छप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव 'उक्त श्रधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, 'उक्त्रॄश्रधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत:—⊶

13-236GI/7

- 1. श्री जयमल सिंह श्रौर अन्य (श्रन्तरक)
- 2. श्री विक्रम सिंह ग्रौर ग्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां मुक्त करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीखं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरच- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-नियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

कृषिक भूमि 5 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा जिला खीरी में में स्वित है।

> विधाम्भर नाथ सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, लखनऊ

तारीख: 5-8-1975

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एम० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1)के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 अगस्त, 1975

निदेश सं० 20-वी/ग्रर्जन-- ग्रतः मुझे विशम्भर नाथ म्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के घ्रधीन सक्षम प्राधिकारी विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रौर जिसकी सं० 879 है तथा जो पतवारा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूम में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय निधासन में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधियनम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 27-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) और भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भक्तियम, के मधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों, को जिन्हों भारतीय भ्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:—

- 1. श्री जयमल सिंह श्रीर अन्य (अन्तरक)
- 2. श्री विश्वनाथ श्रौर श्रन्य (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिम के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिप्तबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पट्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त धिक्षित्यम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्च होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

क्रुंषिक भूमि 4 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा जि॰ खीरी में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, लखनऊ

तारीख: 5-8-1975

प्ररूप धाई० टी० एन०एस०---

श्री भगवत सिंह

कार्यवाहियां करता हूं।

(ग्रन्तरक)

(भ्रन्तरिती)

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 8 अगस्त 1975

निदेश सं० 36-पी०/ग्रर्जन-ग्रतः मुझे, विशम्भर नाथ, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से ग्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 117 है तथा जो नारी पंचदेवरा जि० गाजीपुर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय सैंदपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 22-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है थ्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है थ्रौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) ग्रौर अन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम, के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27)के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: मब उक्त मधिनियम, की धारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त सिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, श्रर्थात्:--- को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

2. श्री फुलचन्द सिंह यादव श्रौर ग्रन्य

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्थ व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषिक भूमि 6 बीधा 3 बिस्वा 7 विस्वांसी है जो कि ग्राम नारी पंचदेवरा जिला गाजीपुर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ सक्षम ग्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 8-8-1975

प्रस्प आई० टी० एन० एस०---

1. श्री जयमल सिंह

2. श्री प्रेम प्रकाश और भ्रत्य

अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

(ग्रन्तरक)

(अन्तरिती)

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कोर्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 5 भ्रगस्त 1975

निर्देश सं० 37-पी/श्रर्जन--यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, ग्रधिनियम, 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से ग्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 879 है तथा जो ग्राम पतवारा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, निघासन में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है बीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके धृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण शिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव उक्त प्रिधिनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में, म, उक्त प्रिधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के भ्रष्टीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत् :— को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त गन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूषी

कृषिक भूमि 6.11 एकड़ जो कि ग्राम पतवारा, जिला खीरी में स्थित है।

> विश्वन्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रजन रेज, ल**ब**नऊ

तारीख : 5—8—1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

1. श्री चन्द्र प्रकाश हिनगोरानी

2. श्रीमती कुसूम सिह

(भ्रन्तरक)

(ग्रन्तरिती)

धायकर प्रिविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- थ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 11 श्रगस्त 1975

निर्देश सं० 36-के/अर्जन—यतः, मुझे, विशम्भर नाथ, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 198 है तथा जो शास्त्री नगर, बेतिया हाता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, गोरखपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, धिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के [सरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (.) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, स्रर्थात् :---

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान दो मंजिला जिसका कुल क्षेत्रफल 2400 वर्ग फुट है जो कि मुहल्ला शास्त्री नगर, बेतीया हाता, जिला गोरखपूर में स्थित है।

> विशम्भर नाथ, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), सर्जन रेंज, लखनऊ

तारीखं : 11-8-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस० -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, नागपुर

नानपुर, दिनांक 31 जुलाई 1975

निर्देश सं० ग्रार० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/39/75-76यतः मुझे, डी० रामाराव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है
श्रर जिसकी सं० सर्कल नं० 19/27, वार्ड नं० 1/3, मकान नं०
2/0+3 के पूर्व भाग वाला हिस्सा है तथा जो नागपुर में स्थित है (श्रीर
इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विश्वास है), रजिस्ट्रीकर्ता
श्रधिकारी के कार्यालय, नागपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम,
1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 1-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रति-

मात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिविक

रूप से कथित नहीं किया गया है:-

- (क्ष) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (खा) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 11) या उषत अधिनियम का अधिनियम, (1957 धन-कर 1957 अन्तरिती द्वारा के" प्रयोजनार्थं का 27) प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रत: अब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- मेसर्स ग्रमृत फार्मेसी प्राइवेट लिमिटेड, नागपुर द्वारा डायरेक्टर श्री प्रतापराव कृष्णराव प्रधान (ग्रन्तरक)
 - 2. (1) श्री सेवकराम लक्ष्मणराव बावने
 - (2) श्री गोंविन्दराव लक्ष्मणराव बावने
 - (3) श्री प्रभाकरराव लक्ष्मणराव बावने (ग्रन्तरिती)
 - (1) नागपुर साड़ी केन्द्र, नागपुर : निचली मंजिल
 - (2) डा० टी० एच० राने, नागपुर : पहली मंजिल
- (3) श्री डी॰ व्ही॰ नवगरे, नागपुर : दूसरी मंजिल (वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में संपत्ति है)
- (1) नागपुर साड़ी केन्द्र, नागपुर (वह व्यक्ति जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्ब्रारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2/0+3, 3 मंजिल का ग्राधा हिस्सा, पूर्व भाग, सर्कल नं० 19/27, वार्ड नं० 1/3, जिसका परिमाप $39'-6''\times 13'-9''$ है जो सीताबर्डी मेनरोड, नागपुर (महाराष्ट्र) में स्थित है।

डी० रामाराव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, नागपुर

तारीख: 31−7−1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

Kakinada, the 5th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 147/J.No. I(540, 541, 542, 543/74-श्रत: मुझे, K. Subbarao,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से अधिक है श्रीर जिसकी सं०

Door No. 49-1-9, 49-1-10, 49-1-11 and 46-13-4 situated at Kakinada.

Kakinada में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध है तथा जो भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्टीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinada. में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-1-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के षुण्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई विश्वास करने का कारण है कि सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: ध्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) 市 प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था याकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

श्रतः श्रब 'उक्त श्रधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में.में 'उक्त ग्रधिनियम', की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्:--

(1) The Trust Association of the Convention of Baptist Churches of Northern Circars Represented B/q. I. Samuel, Opposite to Taluk Office, Kakinada.

(2) 1. J. Santakumari, W/o Vankatareddy, 2. Perupally Laxmi Bai, W/o Ramachandrarao 3. Chintakayala Kantamma W/o BalaKrishna 4. Puvvala Nirmaladevi W/o Ravindrakumar.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन की अवधियातस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभ्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जी 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

East Godavari District-Kakinada Sub-Registrar-Kakinada Municipality—Kakinada Town—Kakinada Ward No. 8—Block No. 15—T.S. Nos. 743 & 744—Door No. 46-13-4.

BOUNDRIES

1. Boundries to the property of J. Santakumari Doc. No.

East: 115'.6" C. Kantamani West: 115'.6" Church Road North: 48'.3" Sivalayam Street. South: 53'.6" P. Nirmaladevi

Boundries to the property of P. Laxmibal Doc. No. 447. East: 1757.9" vacant Plot West: 155'.9" Church Road North: 126'.9" P. Nirmaladevi

3. Boundries to the property of C. Kantamani Doc. No.

Hast: 115.'6" vacant plot North: 115.'6" J. Santakumari West: 67'.6" Sivalayam Street South: 69'.00" P. Nirmaladevi

4. Boundries to the property of P. Nirmaladevi Doc. No.

East: 73'.6" vacant plot West: 78'.9" Church Road North: 121'.9" Smt. C. Kantamani & J. Santakumari

sestn. South: 129'.9" P. Laxmibal

K. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी,

सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada

तारीख: 5-2-1975

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

हार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. 613/74-75/Acq.-File No. 227.— यत:, मुझे, B. V. Subbarao

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं०

No. Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta. है जो Kakinada में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कार्यालय, Kakinada में, रजिस्टीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 15-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य दुश्यमान प्रतिफल अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्तिका उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

म्रतः म्रब उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत् :--

- (1) Shrimati Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.
- (2) Shri Boddu Sathiraju, Mohd. Ali Street, Gandhinagar, Kakinada.

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्दों का, जो उक्त आध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

The schedule property as per document No. 1254, registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक : 13-8-75

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. 615/74-75/Acq.File No. 228.— यत: मुझे B. V. Subbarao,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है श्रौर जिसकी Door No. 6-1-51 Jawahar Strect. Ramaraopeta, Kakinada, हैं, (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, on 15-2-1975,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तयिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिनाने में सुविधा के लिए,

भत: श्रब उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के ग्रानुसरण में. मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रर्थात् :— 14—236GI/75 (1) Shrimati Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.

(भ्रन्सरक)

(2) Shrimati Chilukuri Seetha Mahalaxmi, W/o Dr. Ch. Srinivasarao, Ramadas Clinic, Majestic Cinima Street, Kakinada.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1255 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख 13 8-1975 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस० ---

आयक्तर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कर्णालय, सहायक ग्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. J. No. EG 594/74-75/Acq. Fil eNo. 226.— यत: मुझे, B. V. Subbarao.

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है ग्रीर जिसकी सं० Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta, है जो KAKINADA में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, के कार्यालय, Kakinada में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 15-2-1975 की पूर्वीकत सम्पत्ति

के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत ग्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, अब, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-म के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की घारा 269-थ की उपद्यारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात:——

- (1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore. (ম্বন্ট্ৰে)
- (2) Shri Dr. P. Narayanarao, C/o Sevasadan Nursing Home, Opp. to Town Hall, Main Road, Kakinada. (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1253 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण), ध्रर्जन रेंज Kakinada.

तारीख: 13-8-1975

मोहरः

प्ररूप ग्राई॰ टी० एन० एस०----

भ्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, , KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG: No. 593/75-76/Acq. File No. 225.-श्रतः मुझे B. V. Subbarao,

ग्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे ग्रधिनियम' इसमें इसके पश्चात 'उक्त कहा गया है), ग्रधीन की धारा सक्षम प्राधिकारी 269-ख को. यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं ODoor No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta. में स्थित है, (ग्रौर Kakinada उपाबद्ध प्रनुसुची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालयKakinada, में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908. (1908 का 16) के भ्रधीन, 15-2-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की
गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
श्रिष्ठ है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर श्रन्तरिती
(श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गरा प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी स्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत : ग्रब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रर्थात्:--

- (1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.
 (শ্বন্থক)
- (2) Smt. Bella Suryanarayanamma, W/o Veerabhadrarao, Gopalakrishna Road, Ramaraopeta, Kakinada. (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहिया गुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी च्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, दारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पथ्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

The schedule property as per document No. 1252 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख: 13-8-1975

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

भ्रायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. 592/74-75/Acq.File No. 224.— यतः मुझे B. V. Subbarao, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायः सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मत्य 25,000/- ६० से ग्राधिक है ग्रौर जिसकी सं o Door No. 6-1-51 Jawahar Street, Ramaraopeta, तथा जो में स्थित है, (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय Kakinada में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 15-2-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, 'उक्त ग्रिधिनियम', के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर /या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त श्रिधिनियम', या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः अब 'उक्त ग्रिधिनियम,' की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- (1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao, & Jawahar, Bangalore. (ग्रन्तरक)
- (2) Smt. Palivela Satyaraju, W/o Bhaskararao, 6-1-51, Jawahar Street, Kakinada.

(ग्रन्तरिती)

को यह सूजना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए एतद्दारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख 35 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उन्त अधितियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1251 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, KAKINADA

तारीख 13-8-1975 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 18th July 1975

Ref. No. J. No. I(602)/EG/74-75/Avq.File No. 209.— यत:, मुझे B. V. Subbarao,

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- ६० से श्रधिक है श्रीर जिसकी सं No. 14/105 C.S. 30-2-5 Ganzinansaheb है जो St. Rajahmundry, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्टीकर्ता ग्रधिकारी : के कार्यालय Rajahundry में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 28-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुभ्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर श्रन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिल उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या

किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रत: श्रव उक्त ग्रिधिनियम की धारा 26 9-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिथीत:---

- (1) Shri Kankatala Subramanyeswararao, Rajahmundry.
 (প্ৰন্ত্ৰেক)
- (2) Shri Inumarthi Nandikeswararma, Rajahmundry. (শ্লন্ট্রিন)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पटिकरण --इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के स्रध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही स्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The Schedule property as per sale deed dated 28-2-75 vide document No. 679 registered on 28-2-75 before the S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada.

तारीख: 18-7-1975

मोहर:

प्ररूप प्राई०टी०एन०एस०--- ---

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायुकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 17th July 1975

Ref. No. J. No. I(680)/GTR/74-75/Acq. File No. 210.— श्रत: मुझे, B. V. Subbarao,

ष्प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० 12-27-127 Silamvari Street, Kothapeta,

है जो Guntur, में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, Guntur, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तिक से रूप किया नहीं किया गया है:—

- (क) ध्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम, के ध्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों
 को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम
 या धन-कर श्रधिनियम, 1957
 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
 प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
 था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

म्रतः, श्रवं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269—ग के ग्रनुसरण मे, मैं, 'उक्त ग्रिधिनियम' की धारा 269—श्र की उप-धारा (1) के ग्रिधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— Sri N. Ramakoteswararao, (2) Sri N. Prabhakararao, (3) Smt. Ch. Laxmikanthamma, (4) Sri N. Bhimalingeswaramma, (5) Sri B. Udya Bhakaramma (6) Sri N. Satyanarayanamma, Guntur.

(ग्रन्तरक)

(2) Dr. Rapuri Ramakrishnarao, Guntur.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ध्रार्गन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रश्चिनियम, के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per sale deed dated 28-2-75 vide document No. 703 registered before the S.R.O., Guntur.

B. V. SUBBARAO. सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, Kakinada.

दिनांक: 17-7-1975

गोहर :

प्ररूप माई० टी० एन० एस०----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के म्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, KAKINADA

Kakinada, the 3rd August 1975

Ref. No. J. No. 504/(VJΛ)/74-75/Acq.File No. 204. ---प्रत: मसे, B. V. Subbarao श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000-/ रु० से अधिक है श्रौर जिसका No. 11-51-14 Pottiswamy Street, Vijayawada, situated at Vijayawada (ग्रौर इससे उपाबंद्व ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्द्रीकर्ता अधिकारी के Vijayawada, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-2-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भ्रौर भ्रन्तरक (ग्रन्तरकों) ग्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम, के श्रधीन कर देने के ग्रंन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, या धनकर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत् :—- (1) 1. Sri T. Venkateswararao, 2. Sri T. Muralikrishna, Vijayawada.

(ग्रन्तरक)

(2) Shri Maturi Venkateswararao S/o M. Poomachanrarao, Main Road, Vijayawada.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप -

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संब्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकगे।

स्पष्टीकरण ----इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनसची

The schedule of property, namely land and building as shown in the sale deed No. 545, of S.R.O., Vijayawada in the month of February, 1975.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, KAKINADA

दिनांक : 3-7-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), भूर्जन रेंज KAKINADA

Kakinada, the 21st July 1975

Ref. No. J. No. I(617)/EG/74-75/Acq.File No. 211.— भत:, मुझे, B. V. Subbarao,

स्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है स्रोर जिसकी सं० S. No. 179 Dwarakanagar area है जो में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रोर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायिलय, Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके ब्र्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-गत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त ग्रधि-नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अतः अब, 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-ग के अनुसरण, में, में 'उन्त अधिनियम' की घारा 269-घ की उपधारा (I) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) Shrimati Gandi Muthu Laxmi, W/o Gandi Venkata Apparao Kakinada.

(भ्रन्तरक)

(2) Smt. Medapati Varalaxmi W/o Medapati Suryanarayanareddy, Kakinada.

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त व्यक्ति, स्थावर सम्पत्ति में
 हितबन्न किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:-इसमें प्रयुक्त गड्दों और पदों का जो 'उक्त अधि-नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

The schedule property as per sale deed dated 14th March, 1975 vide document No. 1905 registered on 20-3-75 before S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज KAKINADA

तारीख: 21-7-1975

मोहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th August 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in Grade I of the Service w.e.f. 7th July 1975 to 21st August 1975 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE,

Under Secy.
(Incharge of Administration)
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 16th August 1975

No. P/1857-Admn.I.—Shri Gyan Prakash, an officer of the Indian Economic Service, assumed charge of the office of Under Secretary, Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 1st August 1975, until further orders.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy. Union Public Service Commission

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND ADMINISTRATIVE REFORMS)

ENFORCEMENT DIRECTORATE

New Delhi, the 12th August 1975

No. A-11/22/75,—Shri Sher Singh, Income Tax Officer of Income Tax Department Ahmedabad is appointed to officiate as Chief Enforcement Officer in Delhi Zonal Office of the Enforcement Directorate w.e.f. 1st August 1975 (FN) and until further orders.

S. B. JAIN Director

New Delhi, the 13th August 1975

No. A-11/11/75—The following Assistant Enforcement Officer(s) have been appointed to officiate as Enforcement Officer(s) with effect from the date of their assumption of charge and until further orders.

Their places of posting & dates of assumption of charge are indicated against each :-

S. No. Name									Place of posting	Date of assumption of charge
I. Shri K. John							<u> </u>	·	Trivandrum	13-6-75 (FN)
2. Shri V. S. Thiageswara	n	_							Hqrs. (Delhi)	9-7-75 (FN)
3. Shri V. Subramanlan									Bangalore	23-6-75 (FN)
4. Shri R. Ravindranath	_								Bombay	28-6-75 (FN)
5. Shri M. R. Chopra		Ĭ.		·	Ċ				Agra	30-6-75 (FN)
6. Shri P. N. Ladhawala		Ċ	·	·					Ahmedabad	11-6-75 (FN)
7. Shri B. R. Sharma		Ċ	Ċ	ì		Ċ			Jaipur	24-6-75 (FN)

NRIPEN BAKSI, Deputy Director (Admn.)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 16th August 1975

No. A.20014/36/75-AD.I.—Consequent upon his promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri M. T. Kulkarni, Sub-Inspector as Inspector of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation, Bombay (EOW) Branch in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 22nd July 1975 (F.N.) until further orders.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer
for Deputy Inspector General of Police
Special Police Establishment

New Delhi-110001, the 18th August 1975

No. J-5/72-AD.V.—Consequent on his repatriation to his parent department the services of Shrl J. P. Vashist, Dy. S. P., Central Bureau of Investigation are placed at the disposal of the I.G.P., Punjab.

Shri J. P. Vashist has been relieved from the C.B.I. on the afternoon of 30th April 1975.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E)
Central Bureau of Investigation

CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 13th August 1975

No. 2/35/74-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri J. N. Ram, Assistant Engineer, Central Public Works Department, as Assistant Technical Examiner in the Central Vigilance Commission, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of 26th July, 1975, until further orders.

B. V. DIGHE,
Under Secy.
for Central Vigilance Commissioner

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 18th August 1975

No. O.H-136/75-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Lt. Col. Umrao Singh an officer of the Indian Army as Commandant in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Commandant 2nd Signal Bn., CRP Force on the forenoon of 28th July 1975.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st July 1975

No. E-38013(3)/3/75-Ad.I.—On transfer from Bokaro Steel Limited, Shri R. K. Dixit, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Porce Unit, Durgapur Steel Plant, Durgapur with effect from the Afternoon of 27th June 1975.

The 6th August 1975

No. E-16014(1)/18/73-Ad.I.—On transfer on deputation from Manipur State Police, Shri V. V. Sardana, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Security Papers Mill, Hoshangabad with effect from the forenoon of 10h July 1975.

The 8th August 1975

No. E-38013(3)/10/75-Ad.I.—On transfer to Bharat Coking Coal Limited, Jharia, Shri B. Misra, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Government Opium Factory, Neemuch relinquished the charge of the post with effect from the afternoon of 14th July 1975.

The 14th August 1975

No. E-38013(3)/10/75-Ad.I.—On transfer from Neemuch, Shri B. Misra, assumed the charge of the post of Assistant Commandant/Central Industrial Security Force Unit, B.C.C.L. Ibaria, with effect from the forenoon of 25th July 1975.

The 19th August 1975

No. E-38013(2)/1/75-Ad.I.—Shri Lachman Dass, 1PS assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Mining Allied Machinery Corporation, Durgapur with effect from the afternoon of 5th May 1975.

No. E-38013(3)/32/73-Ad.I.—On transfer from Durgapur, Shri Ishwar Singh assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 7 Battalion, Central Industrial Security Force with Headquarters at Sindri with effect from the forenoen of 18th March 1975 vice Shri M. L. Khurana, who on transfer to Durgapur relinquished the charge of the said post with effect from the forenoon of the same date.

2. This supersedes our Notification of even number dated 16th May 1974.

L. S. BISHT. Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 14th August 1975

No. P/K(1)-Ad.I.—In continuation of this office notification No. P/K(1)-Ad.I., dated 22nd Gebruary 1975, the President is pleased to continue the reemployment of Shri H. S. Kwatra as Deputy Director of Census Operations, Punjab for a further period of six months with effect from 1st September 1975.

The 16th August 1975

No. 25/2/74-RG(Ad.I).—In continuation of this office notification No. 25/2/74-RG(Ad.I), dated 17th March 1975, the President is pleased to extend the ad hoc appointment of Shri R. Y. Revashetti, as Assistant Director of Census Operations (Technical) with effect from 15th May 1975 up to 30th September 1975 in the office of the Director of Census Operations, Karnataka, Bangalore, on the existing terms and conditions

No. 11/13/75-RG(Ad.I).—The President is pleased to appoint Shri K. S. Lyngdoh, Tabulation Officer in the office of the Director of Census Operations, Meghalaya as Assistant Director of Census Operations in the same office on ad hoc basis for a period of three months with immediate effect or till the post is regularly filled up, whichever is earlier.

BADRI NATH, Deputy Registrar General, India & ex-officio Deputy Secy.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-50004, the 5th August 1975

No. E.B.I/8-312/74-75.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri M. E. Rama Murty a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 28th July 1975 FN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

Sd./- ILLEGIBLE Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL KERALA

Trivandrum, the 13th August 1975

No. Estt./Entt./VI/10-3/132.—Shri P. R. Narayanan Nair, officiating Accounts Officer of the Office of the Accountant General, Kerala expired on the 29th June 1975.

> R. C. GHEL. Accountant General

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 12th August 1975

No. 40011(2)/74-AN-.A-. The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Scriul Name with Rose No.			r No) ,				Grade	Date from which transferred to pension establishment,	Organisation	
(1)	(2)					•	-/	(3)	(4)	(3)	
1. Char (P/1	•			•			•	Permanent Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.	
2. G. S (P/2)		•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer.	30-11-75	Controller of Defence Accounts, Western Command Meerut.	
3. IL. V (P/2	'. Hariharan 56)	•	•	•	•	•	•	Permanent Accounts Officer.	30-9-75	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay	

(1	(2)							(3)	(4)	(5)
4.	B. R. Saggar (P/297)		•			-	-	Permanent Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
5.	Labh Chand (P/618)	•	•	٠				Permanent Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
6,	N. S. Narasimhan (P/623)	•		•	•	•	•	Permanent Accounts Officer.	30-9 - 75	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
7.	Y, Veerabhadra Rao (O/92)			•		•	•	Officiating Accounts Officer,	30-9-75	Controller of Dafence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
8.	R, K. Deb (O/222)			•			•	Officiating Accounts Officer.	31-10-75	Controller of Defence Accounts, Patna.
9.	K. N. Ailawadi (N.Y.A.)		•		•	•	•	Officiating Accounts Officer.	31-8-75	Controller of Defense Accounts, Western Command, Meerut.
0.	Niranjan Sircar (N.Y.A.)		•	•	•	•	٠	Officiating Accounts Officer.	30-6-75	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
1.	Awtar Singh (N.Y.A.)						•	Officiating Accounts Officer,	31-10-75	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.

S. K. SUNDARAM

Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta-16, the 14th August 1975

No. 28/75/G.—Shri Hara Pada Chowdhury, Permt. Supdt., is appointed to officiate as O. S. until further orders, 30th April 1975.

No. 29/75/G.—On attaining the age of superannuation (58 years) the undermentioned officers retired from service with effect from the dates shown against each:—

Name and Designation and Date

- (1) Shri G. Sarkar, Offg. D.A.D.G. (Pt. TSO)-31st March 1975 (A/N).
- (2) Shri N. C. Paul, Offg. D.A.D.G. (Pt. TSO)—28th February 1975 (A/N).

M. P. R. PILLAI, Assistant Director General, Ordnance Factories

DEPARTMENT OF SUPPLY

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES AND DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1) New Delhi-1, the 17th July 1975

No. A-1/1(480).—Shri P. D. Venugopal, permanent Junior Field Officer (Progress) and officiating as Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 30th June 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 14th August 1975

No. A-1/1(958).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri Vikram Aditya on the recommendations of the Union Public Service Commission to officiate as Assistant Director (Grade II) in the Directorate

General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 30th July 1975 and until further orders.

The 18th August 1975

No. A-1/1(900).—Shri M. E. Sheikh, permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Grade II) in the Directorate of Supplies (Textiles), Bombay retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July, 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 19th August 1975

No. A-1/1(941).—Shri S. Venkatram permanent Superintendent and officiating as Assistant Director (Administration) (Grade II) in the Directorate of Inspection, Madras retired from Government service with effect from the afternoon of 31st July 1975 on attaining the age of superannuation (58 years).

K. L. KOHLI,
Deputy Director (Administration)
for Director General, Supplies & Disposals

(ADMINISTRATION BRANCH A-6)

New Delhi, the 8th August 1975

No. A/17011(53)/72-A6.—Shri G. K. Shukla, permanent Examiner of Stores and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex.) at Kanpur under N.I. Circle of Directorate General of Supplies and Disposals retired from Government service with effect from 30th June 1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

The 18th August 1975

No. A6/247/(421)/63.—Shri N. M. Date permanent Examiner of Stores (Tex) and officiating Asstt. Inspecting Officer (Tex) in the N.I. Circle, New Delhi of Directorate General of Supplies and Disposals retired from Government service with effect from 31st July 1975 (A.N.) on attaining the age of superannuation.

K. L. KOHLI,
Dy. Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

SHRAM MANTRALAYA

Simla-171004, the 13th September 1975

No. 23/3/75-CPI.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960=100 decreased by four points to reach 324 (Three hundred and twenty four) during the month of July, 1975. Converted to base: 1949=100 the Index for the month of July, 1975 works out to 394 (Three hundred and ninety four).

A S. BHARADWAJ, for Joint Director.

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES) GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA Calcutta-13, the 18th August 1975

CORRIGENDUM

No. 2222(AKM)/19A.—The date of assumption of charge of Shri Anil Kumar Mathur, Assistant Geologist, Geological Survey of India as stated in this office Notification of even No. dated 26-5-1975 may be substituted as 20-1-1975 (FN) instead of 30-1-1975 (FN).

V. K. S. VARADAN Director General

SURVEY OF INDIA

Dehra Dun, the 16th August 1975

No. C-4986/PF(M.Dasarathy).—As a result of disciplinary action Shri M. Dasarathy, Officer Surveyor, No. 34 Party (PMP), Survey of India, Hyderabad is awarded the penalty of "CENSURE".

HARI NARAIN Surveyor General of India

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY BOTANICAL SURVEY OF INDIA

(CENTRAL OFFICE)

Howrah-711103, the 14th August 1975

BSI-66/64/75-Estt.—The Director-in-Charge, nical Survey of India, is pleased to accept the resignation tendered by Dr. R. R. Rao from the Class II post of Botanist, Eastern Circle, Botanical Survey of India, with effect from the afternoon of 28th February 1975.

> D. G. MOOKERJEA Sr. Administrative Officer

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 11th August 1975

No. 6-65/64-Estt./9975.—Shri S. Ghoshal, Head Librarian (Gazetted-Class II), Zoological Survey of India, retired from service on superannuation with effect from 31st July, 1975 (afternoon),

> DR. S. KHERA Deputy Director-in-Charge

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 16th August 1975

No. 4/70/75-SI.—The Director General All India Radio hereby appoints Shri Ahmed Jalees as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from the 21st July, 1975 and until further orders,

No. 4(96)/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kumari Suraiya Begum as Programme Executive, All India Radio, External Services Division, New Delhi in a temporary capacity with effect from the 7th June, 1975 and until further orders.

No. 4/106/75-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri D. V. Maheshwari as Programme Executive, All India Radio, Bhuj in a temporary capacity with effect from the 21st July, 1975 and until further orders.

No. 4(127)/75-SI.—The Director General All India Radio hereby appoints Mr. N. K. Sharma as Programme Executive, All India Radio, Rampur in a temporary capacity with effect from the 22nd July, 1975 and until further orders.

No. 5/132/67-SI.—The Director, General, All India Radio hereby appoints Shri G. C. Sukhlabaldya, Transmission. Executive, All India Radio, Agartala as Programme Executive, All India Radio, Silchar in a temporary capacity on an ad hoc basis with effect from the 18th July, 1975 until further orders.

> SHANTI LAL Deputy Director of Administration for Director General

(CIVIL CONSTRUCTION WING)

New Delhi-1, the 18th August 1975

CORRIGENDUM

Gazette Notification No. A-12023/2/74-CW,I May 1975. this Office dated 3rd

FOR: 18-3-1975 (A.N.). READ: 18-3-1975 (F.N.).

K. G. KRISHNAMURTHY Engineer Officer to Ad. C.E. (Civil) for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING

DIRECTORATE OF ADVERTISING AND VISUAL PUBLICITY

New Delhi-1, the 8th August 1975

No. 9/53/61-Est.I.—Shri M. L. Mukherjee, Technical Assistant (Printed Publicity) in this Directorate is appointed to officiate as Assistant Production Manager (Printed Publicity) for the period from 17th March 1975 to 19th July 1975 vice Shri R. J. Chandrabhan Singh in the chain of the leave vacancy of Shri R. H. Bhanot.

The 18th August 1975

No. 46/-A/Est.I.—Shrl J. M. De re-employed in the post of Senior Artist in this Directorate with effect from the 28th April, 1975 relinquished charge of the post with effect from the afternoon of 3rd June, 1975.

R. L. JAIN Deputy Director (Admn.) for Director of Advertising and Visual Publicity

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 12th August 1975

No. 12-21/74-Admn.I.—On attaining the age of superannuation Shri P. R. Gupta, a permanent Section Officer in the Directorate General of Health Services, retired from service with effect from the afternoon of 31st July, 1975.

The 13th August 1975

No. 17-24/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. C. Srivastava in a substantive capacity to the permanent post of Biochemist in the Directorate General of Health Services with effect from the 28th August, 1973.

The 14th August 1975

No. 6-8/70-Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Shri Prakash Singh Junior Technical Officer in the Central Research Institute, Kasauli on the 22nd July, 1975.

No. 36-4/72-Admn.I.—Shri R. N. Naug relinquished charge of the post of Junior Psychologist, Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi; on the forenoon of the 17th April, 1975.

The 16th August 1975

No. 19-24/69-Admn.1/Pt.11.--On return from deputation with the Indian Agricultural Research Institute, New Delhi, Dr. P. Brahmananda Rao resumed charge of the post of Reader in Physics at the Jawaharlal Institute of Postgraduate Medical Education & Research, Pondicherry on the forenoon of the 14th July, 1975.

The 18th August 1975

No. 7-1/75-Admn.I.—The Government of India announce with profound regret the death of Shri V. K. Vardachari, Administrative Officer, Central Leprosy Teaching and Research Institute, Chingleput, on the 31st May 1975.

The 19th August 1975

No. 28-8/74-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Srivastava, Research Officer at the National Institute of Communicable Diseases Delhi, to the post of Assistant Director (Ent.) at RCO National Malaria Eradication Programme, Baroda, on an ad hoc basis with effect from the forenoon of 19th July, 1975 to 5th October, 1975 vice Shri B. S. Krishnamurthy on leave.

2. Consequent on his appointment as Assistant Director (Ent.) at RCO National Malaria Eradication Programme, Baroda Shri S. P. Srivastava relinquished charge of the post of Research Officer at the National Institute of Communicable Diseases. Delhi, with effect from the afternoon of 16th July, 1975.

S. P. JINDAL Deputy Director Administration

New Delhi, the 11th August 1975

No. F.20/1(32)/75-CGHSI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Smt. Syeda Fatima to the post of Unani Physician in the Central Govt. Health Scheme, Delbi under this Directorate, on a regular basis, with effect from the forenoon of the 31st July, 1975 and until further orders.

G. PANCHAPAKESAN
Deputy Director Administration (CGHS)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi-1, the 20th August 1975

No. F.2(11)/71-Estt.(I).—Shri P. C. Chaudhary, Assistant Exhibition Officer (Grade II) is promoted to officiate as Assistant Exhibition Officer (Grade I), Class II (Gazetted) (Non-Ministerial) in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, in the Directorate of Extension, Ministry of Agriculture & Irrigation (Department of Agriculture) on ad hoc basis with effect from 11th August, 1975 until further orders.

N. K. DUTTA Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

(HEAD OFFICE)

Faridabad, the 12th August 1975

No. F.4-6(91)/75-AF.I.—On recommendations of the Union Public Service Commission, Miss Shashi Lata Arora has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer, Group II in the Directorate of Marketing and Inspection at New Delhi with effect from 30th June 1975 (A.N.) until further orders.

N. K. MURALIDHARA RAO Agricultural Marketing Adviser to the Government of India

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 28th July 1975

No. PA/81(62)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Vilas Govind Gaonkar, a temporary Scientific Assistant (C) in the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN Dy. Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 28th July 1975

No. DPS/A/32011/2/75/Est/1550.—In continuation of this Directorate notification No. DPS/A/32011/2/75/Est. dated June 12, 1975, Director, Purchase and Stores appoints Shri V. R. Natarajan, a permanent Section Officer in the office of the Accountant General, Gujarat, on deputation to this Directorate, as a temporary Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis in the same Directorate for a further period from June 1, 1975 to July 31, 1975.

The 31st July 1975

No. DPS/A/11013/4/74/Est.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. Banerjee, a permanent Storekeeper and officiating Asstt. Stores Officer in the Directorate of Purchase and Stores in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—960 (Revised) as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—351—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from the forenoon of July 1, 1975 until further orders.

K. P. JOSEPH Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam-603102, the 1st August 1975

No. RRC-II-1(26)/72-15199.—In continuation of this Centre's Notification of even no. /9982 dated 31st May, 1975, Project Director, Reactor Research Centre is pleased to extend the officiating appointment of Shri PORUNTHA-PAKKAM, VENUGOPALACHARY SUNDARARAIAN as an Assistant Administrative Officer in the same Centre by 6 days from 6th July 1975 to 11th July 1975 vice Shri K. Venkatakrishnan. Assistant Administrative Officer granted extension of leave.

The 2nd August 1975

No. RRC-II-13(9)/74-15246,—The Project Director, Reactor Research Centre appoints Shri Suresh Yeshwant Joshi, a temporary Draughtsman 'C' as a temporary Scientific Officer/Engineer Grade SB in the same Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1975 until further orders.

K. SANKARANARAYANAN Sr. Administrative Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 11th August 1975

No. E(I)03516.—On attaining the age of superannuation Shri N. Majumdar, Assistant Meteorologist, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 28th February 1975.

The 12th August 1975

No. E(I)03708.—On attaining the age of superannuation Shri S. C. Kar, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from the Govt. service with effect from the afternoon of 31st March 1975.

No. E(1)03039.—On attaining the age of superannuation Shri S. S. Sinha, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Deputy Director General of Observatories (Instruments), New Delhi retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30th June 1975.

No. E(I)04224,—The Director General of Observatories hereby appoints Shri S. N. Sen, Professional Assistant Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director Regional Meteorological Centre, Bombay as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of eighty-eight days with effect from the forenoon of 23rd July 1975 to 18th October 1975.

Shri S. N. Sen, Offg. Assistant Meteorologist remains posted. Meteorological Centre, Ahmedabad under the Director, Regional Meteorological Centre, Bombay.

The 14th August 1975

No. E(I)03612,—On attaining the age of superannuation Shri Ramsaran Das, Officiating Assistant Meteorologist, Head-quarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30th June 1975.

The 16th August 1975

No. E(I)04236.—On attaining the age of superannuation Shri D. C. Datta, Officiating Assistant Meteorologist Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta retired from Govt. service on the afternoon of 31st January 1975.

No. E(1)03392.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Bose, Officiating Assistant Meteorologist, Office of the Dy. Director General of Observatories (Instruments), New Delhi retired from Govt. service with effect from the afternoon of 30th April 1975.

No. E(I)03613.—On attaining the age of superannuation Shri K. K. Natarajan, Assistant Meteorologist, Office of the Director Regional Meteorological Centre, Madras retired from Govt, service with effect from the afternoon of 30th June 1975.

No. E(1)04207.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. Nandy, Professional Assistant Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity for a period of fortyeight days with effect from the forenoon of 15th July 1975.

Shri J. Nandy, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in Regional Meteorological Centre, Calcutta.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Dolhi, the 11th August 1975

No. A.32013/12/73-EC.—The President is pleased to extend the ad-hoc promotion of Shri A. Ramanathan, Technical Officer to the grade of Senior Technical Officer in the Civil Aviation Department upto the 30th April, 1975 or till the post held by him is filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A.32013/5/75-EC.—The President is pleased to appoint the following five Communication Officers, working as Senior Communication Officer on an ad hoc basis, as Senior Communication Officer on a regular basis in the CAD with effect from the 31st March, 1975 (forenoon) and until further orders:—

- 1, Shri Kishu Tek Chandani
- 2. Shri V. K. Kalra
- 3. Shri S. C. Goswami
- 4. Shri R. P. Sharma
- 5. Shri L. R. Garg.

The 18th August 1975

No. A.32013/3/75-EC.—The President is pleased to appoint the following 12 Technical Officers, working as Senior Technical Officer on an ad ho_C basis, as Senior Technical Officer on a regular basis in the Civil Aviation Department with effect from 31st March, 1975 (forenoon) and until further orders:—

- 1. Shri P. L. Modgil
- 2. Shri M. S. Krishnan
- 3. Shri S. K. Das
- 4. Shri A. N. Nath
- 5. Shri B. S. Grewal
- 6. Shri C. R. Narsingham
- 7. Shri B. R. Chaturvedi
- 8, Shri O. C. Alexander
- 9. Shri J. K. Bhattacharya
- 10. Shri C. V. Venkatesan
- 11. Shri P. S. Dhunta
- 12, Shri S. V. Iyer.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delbi, the 4th August 1975

No. A-32013/2/75-E(H).—The President is pleased to appoint Shri J. S. Chowdhury Controller of Aerodromes, Delhi Region as Director of Air Routes & Aerodromes (Planning) on an ad-hoc basis in the Civil Aviation Department with effect from the forenoon of the 1st August, 1975, and until further orders.

T. S. SRINIVASAN
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 18th August 1975

No. A12034/4/75EA.—Shri V. K. Tampi, Regional Controller of Aerodromes, Madras Region, Madras Airport, Madras retired from Govt, service on the 31st July, 1975 A.N. on attaining the age of superannuation.

No. A. 32013/2/74 B.A.—The President has been pleased to appoint the following Aerodrome Officers of one grade of Senior Aerodrome Officer, in the scale of pay of Rs. 1100-50-1600, in an officiating capacity, with effect from the date noted against their names and until further orders:—

S. No.	Na	ame Date								Station		
1. Shri P. C. Vyas	•	,		,		,	•	•	•	•	2-8-75 8-8-75	Delhi Airport, Palam. Madras Airport.
 Shri G, E. Samual Shri V, G, Karnad 	٠	•			,			•	•	•	2-8-75 A.N.	Bombay Airport.

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Allahabad, the 28th July 1975

No. 79/1975.—Shri R. C. Awasthi, officiating Superintendent Central Excise, Class II, previously posted as Superintendent, M.O.R., in the Central Excise Divisional Office, Lucknow handed over charge of the office of the Superintendent M.O.R., Central Excise Divisional Office, Lucknow in the afternoon of 30th June 1975 to Shri A. M. K. Warsi, Superintendent Central Excise, Class II and retired from Government service with effect from the said date and hours.

H. B. DASS Collector Central Excise, Allahabad

DEPARTMENT OF SPACE

CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 5th August 1975

No. 10/7(160)/73-CED(H).—Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space, is pleased to appoint Smt. P. K. Nair, an officiating Assistant Accountant in the Civil Engineering Division, Department of Space, as an Assistant Accounts Officer in the Civil Engineering Division. Department of Space with effect from the forenoon of July 28, 1975 and until further orders.

P. I. U. NAMBIAR Administrative Officer, for Chief Engineer.

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380009, the 28th July 1975

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri A. Rama Chandra as Scientist/Engineer SB (Cameraman) on a basic pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from July 1, 1975 and up to July 31, 1976.

No. SAC/EST/1.1.56/75.—The Director is pleased to appoint Shri A. A. Mansuri as Scientist/Engineer SB (Presentation Announcer) on a basic pay of Rs. 650 per month in the scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Software Systems Group of the Space Applications Centre of Indian Space Research Organisation with effect from June 7, 1975 and up to July 31, 1976.

MAJOR R. C. SAMUEL (Retd.) Administrative Officer-II

INDIAN SCIENTIFIC SATELLITE PROJECT

Asst. Director of Administration

Bangalore, the 5th August 1975

No. 020/3(061)/75.—Consequent on the conversion of the Indian Space Research Organisation into a Government body w.e.f. 1st April 1975, the Director, VSSC is pleased to appoint the following personnel to the posts mentioned against each w.e.f. 1st April 1975 in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 in the Indian Scientific Satellite Project, Bangalore.

- 1. Shri A. R. Srivatsa---Engineer SB.
- 2. Shri H. R. Narasimha Katari-Engineer SB.
- 3. Shri S. S. Chauhan-Engineer SB.
- 4. Shri N. S. Savalgi---Engineer SB.
- 5. Shri H. V. Ramaswamy-Engineer SB.
- 6. Shri P. A. Krishnamurthy-Asst. Purchase Officer.

V. V. S. CHOWDARY Administrative Officer

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 11th August 1975

No. A-19012/548/75-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri P. R. Belgal, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Physics Group) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, with effect from the forenoon of the 14th July, 1975, until further orders.

Shri P. R. Belgal will be on probation in the grade of Assistant Research Officer (Physics), Central Water and Power Research Station, Poona for a period of two years, with effect from 14th July 1975 (F.N.).

The 12th August 1975

No. A-19012/192/70-Adm.V(Vol.II).—In partial modification of this Commission's Notification No. 14/656/70-Adm.V, dated the 6th March, 70, the Chairman, Central Water and Power Commission (Water Wing) (now Central Water Commission) is pleased to appoint Shri K. S. Chawla, Supervisor to officiate notionally in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Commission (Water Wing) now the Central Water Commission, on ad hoc basis in the scale of Rs. 350—25—500—30—590—EB—30—800—EB—30—830—830—35—900 (pre-revised) with effect from 4th May 1964.

Shri- K. S. Chawla may be deemed to have taken over charge of the post of Extra Assistant Director in the Central Water and Power Commission (Water Wing), New Dell's with effect from the above date.

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-32014/7/74-Adm.V, dated the 30th May 1975, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Engg.) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period from 1st July 1975 to 27th August 1975, (A.N.) or till such time the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Shri V. Ramanathan.
- 2. Shri I. Z. Poonawala.
- 3. Smt. Valsala Kizhakkedath, Appukuttan,
- 4. Shri A. G. Kale.

No. A-32014/7/74-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-32014/7/74-A in v, dated the 25th June 1975, the Chairman, Central Water Commission, hereby appoints the following Research Assistants (Engg.) to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona, in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and ad hoc basis, for a further period from 1st July 1975 to 31st August 1975 (A.N.) or till the posts are filled on a regular basis, whichever is earlier:—

- 1. Shri Ch. Bhujanga Rao
- 2. Shri K. A. Ismail
- 3. Shri D. M. Khambete
- 4. Shri A. G. Phansalkar
- 5. Shri K. N. Appukuttan
- 6. Shrl S. N. Mone
- 7. Shri M. S. Shitole
- 8. Shri S. Guha,

The 16th August 1975

No. A-32012/7/74-Adm.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Class-II), the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint the following Research Assistants (presently officiating as Assistant Research Officer (Engineering) on an ad hoc basis), to the grade of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water and Power Research Station, Poona in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a regular basis, in an officiating capacity, until further orders, with effect from the dates indicated below against each:—

- I. Shri K. A. Ismail-11th April 1975.
- 2. Shri D. M. Khambete-11th April 1975.
- 3. Shri A. G. Phansalkar—11th April 1975.
- 4. Shri K. N. Appakuttan-11th April 1975.
- 5. Shri S. N. Mone-11th April 1975.
- 2. The above officers will be on probation in the cadre of Assistant Research Officer (Engineering), Central Water and Power Research Station, Poona, for a period of two years, with effect from the dates shown above against each.

K. P. B. MENON, Under Secretary, for Chairman, C.W. Communion

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 12th August 1975

No. 6/2/75-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants to the grade of Extra Assistant Director/Assistant_Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders:—

- 1. Shri S. P. Nivsarkar-8th July 1975 (F.N.).
- 2. Shri N. Kothandapani-8th July 1975 (F.N.).
- 3. Shri Ranvir Singh-19th July 1975 (F.N.).
- 4. Shri A. K. Acharya-24th July 1975 (F.N.).

JANGSHER SINGH Under Secretary for Chairman

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION (DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 14th August 1975

No. G-65/B(CON).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta hereby appoints Shri S. C. Parbat, Scientific Assistant (Chemical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Chemical) in the same office w.e.f. the forenoon of the 30th July 1975 on an ad hoc basis and up to 31st December 1975 or till such time the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

No. G-65/B(CON).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta hereby appoints Shri P. C. Pradhan, Scientific Assistant (Electrical) in the National Test House, Calcutta to officiate as Scientific Officer (Electrical) in the same office w.e.f. the forenoon of the 25th July 1975 on an ad hoc basis and upto 31st December 1975 or till such time the post is filled up on a regular basis, whichever is earlier.

S. K. CHATTOPADHYAY,
Asstt. Director (Admn.)
for Director,
National Test House

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Banipress
Private Limited.

Shillong, the 8th August 1975

No. 296/560/1841.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Banipress Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. P. VASHISHTHA, Registrar of Companies, Assam, Meghalaya, Manipur, Tripura, Nagaland, Arunachal Pradesh & Mizoram, Shillong.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Visnagar Commercial & Financial Company Private Limited.

Ahmedabad, the 16th August 1975

No. 1828/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Visnagar Commercial & Financial Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Cawn-

pore Commercial Corporation Private Limited.

Ahmedabad, the 16th August 1975

No. 1129/560.—Notice is hereby given pursuant to subsection (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s Cawnpore Commercial Corporation Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s Nortem

Engineering Corporation Ltd.

Cuttack, the 7th August 1975

No. A.233/75-1212(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Nortem Engineering Corporation Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE Registrar of Companies, Orissa

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

Bombay-20, the 5th May 1975

No. F.71-Ad(AT)/74.—In exercise of the Powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) read with Rule 5-B of the Income-tax (Appellate Tribunal) Amendment Rules, 1975, the President, Income-tax Appellate Tribunal hereby notifies that the Tribunal in its discretion may permit the use of Hindi in its proceedings or may pass orders in Hindi in the States of Gujarat, Maharashtra, Uttar Pradesh, Punjab, Madhya Pradesh, Rajasthan, Bihar and the Union Territories of Chandigarh and Delhi at the following stations where Benches of the Tribunal are located.

- 1. Ahmedabad
- 2. Bombay

- 3. Nagpur
- 4. Allahabad
- 5. Amritsar
- Chandigarh
- 7. Delhi
- 8. Indore
- 9. Jabalpur
- Jaipur

11. Patna.

By Order of the Appellate Tribunal C. K. B. DAVE, Registrar, Income-Tax Appellate Tribunal, Bombay.

INCOME TAX APPELLATE TRIBUNAL

INCOME-TAX (APPELLATE TRIBUNAL) RULES, 1963.

Bombay, the 5th May 1975

No. F.71-Ad(AT)/74.—In exercise of the Powers conferred by sub-section (5) of section 255 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Appellate Tribunal hereby makes the following rules further to amend the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963:

- 1. These rules may be called the Income-tax (Appellate-Tribunal) Amendment Rules, 1975.
 - 2. In the Income-tax (Appellate Tribunal) Rules, 1963—
 After rule 5-A the following rule shall be added:

"5-B. Use of Hindi in proceedings and orders --

Notwithstanding anything contained in these rules, the Tribunal in its discretion may permit the use of Hindi in its proceedings or may pass orders in Hindi, in such States as may be notified by the President in this behalf from time to time.

Provided that where the order is passed in Hindi it shall be accompanied by an authorised English translation thereof."

By Order of the Appellate Tribunal
C. K. B. DAVE
Registrar
Income-tax Appellate Tribunal,
Bombay.

(2) Shri Sanat Kumar Dutta 2/3 Elgin Road, Calcutta. (Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 14th August 1975

Ref. No. 278/Acq. R-III/75-76/Cal.--Whereas, I. L. K. Balasubramanian

being the competent authority

under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/3 situated at Elgin Sadar, Calcutta

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been

transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Alipore Sadar, 24-Pgs. on 28-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shrimati Shanti Rani Chatterjee 10B Bhaba Nath Sen Street, Chitpore, 24-Pgs.

(Transferor)

Date: 14-8-1975

(4) Smt. Jayashree Bose w/o Sri Sujit Bose. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- any other person interested in the (b) by immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

3/4th, undivided share in the property containing land of area 4 cottahs 11 chittacks 10 sq. ft. more or less together with a building erected thereon at 2/3 Elgin Road, Calcutta as per deed No. 6575 of 1974 registered before Sub-Registrar, Alipore Sadar, 24-Pgs.

L, K. BALASUBRAMANIAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range III, Calcutta 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Scal:

(2) I.B.A. Printing Inks (P.) Ltd. P-12/3, Taratolla Road, Calcutta-53.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHEMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th August 1975

Ref. No. AC-24/R-II/CAL/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Dag Nos. 30 & 31, situated at Mouza & P.S. Behala, 24-Parg. (and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Register of Assurances Calcutta on 13-12-74

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baidya Nath Chattopadhyaya 18, Acharyya Profulla Chandra Road Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 cottahs, 14 chittacks & 35 Sq. Ft. in Dag nos. 30 & 31, Khatian No. 184, J.L. No. 2, R.S. No. 83, Pargana Balia, Mouza & P.S. Behala, Touji No. 346, District 24-Parganas.

R, V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 18-8-1975.

(1) Shri Bishwanath Chottopadhyaya 18, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

7662

(2) J.B.A. Printing Inks (P.) Ltd. P-12/3, Taratolla Road, Calcutta-53.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE-II,

54, RAFI AHEMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th August 1975

Ref. No. AC-25/R-II/CAL/75-76.--Whereas, I, R. V. Lalmawia,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and beairing Dag Nos. 18 & 19, situated at Mouza & P.S. Behala. 24-Prgs.

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Registrar of Assurances, Calcutta on 13-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective

Objections, if any, to the acquisition of the said property

persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 17 Cottahs, 6 Chittacks & 18 Sq. ft. in Dag Nos. 18 & 19, Khatian No. 181 & 192, J.L. No. 2, R.S. No. 83, Touzi No. 346, Pargana-Balia, Mouza & P.S. Behala, Dt. 24-Parganas.
*Touzi No. 346

R. V. LALMAWIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 18-8-1975.

(1) Shrimati Pushpalata Chattopadhyaya 18, Acharya Prafulla Chandra Road, Calcutta. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) J.B.A. Printing Inks (P.) Ltd., P-12/3, Taratolla Road, Calcutta-53.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 18th August 1975

Ref. No. AC-26/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Dag Nos. 24 to 27, 28 (N.W. Portion), 29 & 32, situated at Mouza & P.S. Behala 24-Prgs.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 13-12-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29 Cottahs, 8 Chittacks & 44 Sq. ft, in Dag Nos. 24 to 27, 28 (North Western Portion), 29 & 32, I.L. No. 2, R.S. No. 83, Touzi No. 346, Mouza & P.S. Behala, Pargana Balia, 24-Parganas,

R. V. LALMAWIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 18-8-1975.

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Capt, Shorab Rushtamjee, 6, Burnett Road, Poona.

(Transferor)

1. Col. Sohrab Kaikhashru Pudumjee.
 2. Smt. Tehmi Sohrab Pudumjee,
 220/1, Nagar Road, Poona.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA: 411004.

Poona-411004, the 20th August 1975

Ref. No. C.A. 5/December '74/Haveli-II (Poona)/225/75-76.—Whereas, l, H. S. Aulakh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

R.S. No. 220/1 (part), C.T.S. No. 21138 situated at Yeravada (Perona)

(and more fully described in the

schedule ammexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Haveli-II (Poona) on 12-12-1974

for an apparent consideration which is less than the

fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Frechold land R.S. No. 220/1 (Part), Yeravda, Poona C.T.S. No. 2113 B, Yeravda, Poona.

Area of the land: 4047 Sq. Mtrs. according to property

card.

Built up area:—4982 Sq. ft. One Storey bldg. 1968, 1969 construction, extension of three rooms in 1974. (property as mentioned in the Registered deed No. 2806 of the Registering authority Haveli-II in Dec. 1974).

H. S. AULAKH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Poona

Date: 20-8-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISTTION RANGE II, 4-A/14, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR , NEW DELHI

New Delhi, the 18th August 1975

Ref. No. IAC/Acq. II/853/75-76/2985.—Whereas I, S. N. L. Agarwala.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-36 situated at Bungalow Road, Adrash Nagar, Delhi-33 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on 19-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. M. Sinha w/o Shri B. N. Sinha r/o House No. 3364, Christian Colony, Karol Bagh, New Delhi-5 through Shri K. K. Agarwal, H-3/5, Model Town, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Nagoen Sundri Jain d/o Shri Moti Ram Jain w/o, Sh. N. L. Jain r/o C-36, Bungalow Road, Adrash Nagar, Delhi-33.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot of land bearing No. C-36 measuring 400 sq. yds. situated at Bungalow Road, Adrash Nagar, Delhi-33 and bounded as under:—

North—Road East—Gali South—Bungalow Road West—Plot No. 37

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range II
Delhi/New Delhi

Date: 18-8-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 23rd August 1975

Ref. No. Acq. 23-I-40(211)/11-6/74-75.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Autho-

rity under section 269B of the Income-Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 350 (Part), Ward No. 10, House No. 54A situated at Bhalka Road, Veraval

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Verayal on 16-1-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Vrajlal Tulsidas Soni, Jwellers Apartments, Block No. 107,

Shri Subhas Kashiram Choksey,
 Shri Subhas Kashiram Choksey,
 Sky Scrapper' 'B' Building, Block No. 1,
 4th Floor, Bhulabhai Desai Road,
 Bombay-26.

(Transferor)

(2) M/s. Kermani Ice and Cold Storage, Through partners:—

(l) Gustad Rashid Kermani

Motibhai Rashid Irani, Both residing at 'Kermani', 9-Keluskar Road, Bombay-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building standing on land admeasuring 1858 sq. meters bearing Survey No. 350 (Part) Ward No. 10, House No. 54/A, situated at Bhalka Road, Veraval together with fixed machineries in the said premises and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 23-8-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th August 1975

Ref. No. RAC. No. 102/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7-8-705 (Portion) situated at Gandhigunj, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Nizamabad on 30-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

17-236GI/75

(1) S/Sri 1. Chendoor Lachiah. 2. Chendoor Rajeshwar, 3. Ch. Balamma, W/o Dammaiah. 4. Kaparti Gangavva, W/o Gangaiah, 5. Ch. Jagadamba W/o Ch. Sudershan, 6. Smt. P. Vijaya Laxmi, W/o Raghunath. 7. Ch. Prakash. S/o Sudershan, 8. Ch. Vonod, S/o Sudershan, 9. Ch. Dharmender, 10. B. Bhagya, Laxmi, W/o Lingamurthy, All 10 are residing at Nizamabad, A.P.

(Transferor)

(2) Sri Kankati Satyamma, W/o Chinna Lingoji R/o Nizamabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Property-Rear portion of the house bearing Municipal No. 7-8-705 situated at Gandhi Gunj, Nizamabad, A.P.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Hyderabad

Date: 19-8-1975.

(1) Dr. Radhesyam Agarwal, S/o Sri Srcekisheen Agarwal, R/o Feelkhana, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Vecna Devi, W/o Sri Balkishan Gupta, R/o Pattargatti, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th August 1975

Ref. No. RAC. No. 104/75-76.---Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 21-2-78, 77/9, 95/1 situated at Pattargatti, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 31-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the requession or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever pariod expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION; The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—Building bearing Nos. 21-2-78, 21-2-77/9 and 21-2-95/1 at Pattargatti, Gulzar House, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 19-8-1975.

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) S/sri 1. Ch. Lachaiah, 2. Chendoor Rajeshwar, 3. Ch. Balamma, W/o Dammaiah, 4. Kaparti Gangavva, W/o Gangaiah, 5. Chendoor Jagadamba, W/o Chendoor Sundershan, 6. Smt. P. Vijaya Laxmi, W/o Raghunath, 7. Chendoor Prakash, 8. Ch. Vinod S/o Sundershan, 9. Ch. Dharmender, S/o Sudersha Nath, 10. B. Bhagya Laxmi, W/o Lingamurthy, All 10 persons residing at Nizamabad, A.P. (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 19th August 1975

Ref. No. RAC. No. 103/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7-8-705 situated at Ghandhi Gunj, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Nizamabad on 30-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Sri Kankati Chinua Lingoji, S/o Ramji Lingoji, R/o Gandhi Gunj, Nizamabad, (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Front portion of the House Municipal No. 7-8-705 situated at Gandhi Gunj, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 1^-8-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AHMEDABAD

Ahmedabad-380009, the 19th August 1975

Ref. No. Acq. 23-I-586(209)/5-1/75-76.—Whereas, I. J. Kathuria

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Survey No. 1558 and 1560 of Ward No. 1 (Panwadi) Plot Nos. 30 & 37 situated at Vadva Talavdi Road, Bhavnagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Bhavnagar on 16-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been

truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely :-

- (1) Sri Ram Engg. Works, through its partners:—
 1. Shri Ramniklal Manordas,

 - 2. Smt. Chandrika V. Mehta,
 - 3. Smt. Charu M. Mehta,
 - 4. Bipin M. Mehta Vadva Talavdi, Bhavnagar.

(Transferor)

- (2) Ghanshyam Textile Manufacturing Co., through Partners
 - Smt. Shantaben Kanjibhai,

 - Shri Ratilal Kanjibhai Shri Khimjibhai Kanjibhai, Shri Laljibhai Kanjibhai,

 - Shri Jayantilal Kanjibhai, Vadva Talavdi, Bhavnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A factory building standing on land admeasuring 777-77 sq. yards bearing Survey No. 1558 and 1560 of Ward No. 1 (Panwadi), Plot Nos. 30 and 37, situated at Vadva Talavdi Road, Bhavnagar and as fully described in the sale deed.

J. KATHURIA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date: 19-8-1975

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th August 1975

Ref. No. RAC. No. 101/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 16-8-533 situated at New Malakpet, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 4-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Late Sri Ifthekarul Haq, S/o Mod. 1kram Hanssain, H. No. 16-8-536 at New Malakpet, Hyderabad. (Transferor)
- (2) Dr. Mrs. Zaibunnisa Ibrahim, W/o Syed Ali Akbar, H. No. 16-8-533 at New Malakpet, Hyderabad. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property—House No. 16-8-533 at New Malakpet, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range. Hyderabad

Date: 18-8-1975

Scal:

(1) Shri Moreshwar N. Kirtikar.

(Transferor)

(2) Shri Dinker Vinayak Chitnis.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay-400 020, the 26th July 1975

Ref. No. AR.V/233/4/74-75.--Whereas, I, J. M. Mehra,

the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property betting a fair graphs a typical property betting a fair graphs. property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

S. No. 237(part) and C.S. No. 616 (part) situated at Mulund (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Bombay on 15-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section :1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later; later:
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land situate, lying and being at Mulund in Kurla Taluka of Bombay Suburban District in the Registration Sub-District of Bandra containing by admeasuring 8731 sq. yds. (7299.12 sq. mts.) or thereabouts and being S. No. 237 (part) City Survey No. 616 (part) and bounded as follows: bounded as follows :-

On the East by L.B.S. Marg (Old Bombay Agra Road), On the West by land bearing Survey No. 247. On the North by E.S.I.S. Hosp., and On the south by Government land occupied by Sindhi Colony bearing City survey Nos. 571, 614 and 615.

> J. M. MEHRA, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 26-7-1975

Scal:

FORM ITNS----

(1) Shri Bora Kanta Sajuli, Panbazar, Gauhati. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satyanarain Budhia c/o Trade Centre, Toko-Bari, Gauhati. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE. SHILLONG

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Shillong, the 1st August 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the

Ref. No. A-108/75-76./1603-11.—Whereas, I, Shri Egbert Singh,

> date of the publication of this notice in the Official Gazette.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Dag No. 134 of K.P. No. 1 situated at Village Dishpur,

> EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property having

Mouza, Beltola,

situated at Kakaguda Village, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer Gauhati on 9-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ OF

Land measuring 2 (two) katta, 10 (ten) lechas covered by Dag No. 134 of K.P. No. 1, situated at Village Dishpur, Mouza Beltola in Kamrup District of Assam State.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or . which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

EGBERT SINGH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :-

Date 1-8-1975. Seal:

(1) Shri Taran Nath Tandon Advocate S/o Shri Brij Nath Tandon R/o Ajmer at present R/o Jaipur. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 25th July 1975

Ref. No. 9 IAC(Acq.)/251.—Whereas, I, V. P. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a air market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. AMC 430/XI, situated at Ajmer

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ajmer on January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :--

(2) Gujrati Maha Mandal Hathi Bhata Aimer Through Dr. Navin Chandra Desai President and Shri Narain Bhai Kachra Bhai Choudhry, Secretary, Aimer.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- . (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Constructed property bearing No. AMC 430/XI known as arana Vishambhar Niwas, Kachaheri Road (Mahatma Purana Vishambhar Niwas, Gaudhi Road) Ajmer having plot area 3973 sq. yards.

> V. P. MITTAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Jaipur.

Date: 25-7-1975

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. 5R.A.C.51/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-825/826 situated at Mehdipatnam, Hyderabad, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 13-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

18-236 IG/75

 Smt. Zehra Fatima Hyder W/o late Mohd. Hyder through her G.P.A. Dr. Faheem Mohd. Farooq, 9-4-2, Towlichowki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Saifuddin Aslma S/o Syed Gulam Mohiuddin, Minor under Gurdianship of father Syed Gulam Mohiuddin 11-3-745, New Mallepally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

South-west portion of the premises No. 12-2-825 & 826, situated at Mehdipatnam, Hyderabad, measuring about 3738.75 sq. Metres including the passage left free of cost.

K. S. VENKATARAMAN.

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

Soal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.52/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-825/826 situated at Mehdipatnam, Hyderabad,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Hyderabad on 13-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Zehra Fatima Hyder W/o late Mohd. Hyder through her G.P.A. Dr. Faheem Mohd. Farooq, 9-4-2, Towlichowki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Mehboob Mohiuddin S/o Syed Pasha Miyan, Business, Peddapalli, Karcemnagar Dist. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North-west portion of the premises Municipal No. 12-2-825 & 826, Mehdipatnam, Hyderabad, measuring about 2708.25 Sq. Metres.

K., S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.70/75-76.—Wehreas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Offices on 1st floor 22 to 44 situated at Abid Road, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 13-1-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 M/s Associated Builders & Real Estate Agents, C/o Totaram Sagarlal & Sons, Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Shri M. Sitaramamurty Raju; (2) Smt. M. Sundaravijayalakshmi; (3) M. Venkata Padmanabha Raju; (4) Smt. M. Venkatanarasayya; (5) G. Venkataranga Raju; (6) Smt. G. Lakshminarasayya; (7) G. Venkata Ranga Subba Raju and (8) G. Venkatanarasimha Raju, Residents of Chirkumilli village Bhimavaram Tq. Godavari Dist.

(Transferee)

(3) (State Bank of India)
(Person in occupation of the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Offices No. 22 to 44, first floor, Abid Shopping Centre, Chirag Ali Lane, Hyderabad,

K. S. VENKATARAMAN,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C./75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the competent authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 12-2-825/826 situated at Medhdipatnam, Hyderabad, (and more fully described

in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer Hyderabad on 13-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market

value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Iodian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Smt. Zehra Fateema Hyder W/o late Mohd. Hyder, Through her G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki, Hyderahad.

(Transferor)

(2) Sri Syed Gulam Mohiuddin, Business, Peddapalli, Karimnagar Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

North-Eastern portion of the premises bearing Municipal No. 12-2-825 & 826, situated at Mehdipatnam, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-491(202)/1-1/75-76.—Whereas, I, J. Kathuria.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Final Plot No. 516/2, T.P.S. No. 3, situated at Madalpur, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 17-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Premdas Naraindas.

(2) Shri Gurparshad Naraindas, Ashram Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Narain Association, Regd. Office: Keshwani Building, Mirghawad, Relief Road, Ahmedabad. (Transferee)

(3) Smt. Laxmibai w/o Naraindas Sadhuram.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land together with the Bungalow, out-houses, premises and all structures standing thereon, admeasuring 1 Acre & 17.3 Gunthas, bearing Final Plot No. 516/2 of T.P.S. No. 3, and situated at Madalpur, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-7-1975

(2) Ganesh Sahkari Aydyogic Vasahat Ltd., Chairman, Shri Chandrakant Kanaiyalal Shah.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME TAX. ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD. AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 11th July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-501(203)/1-1/75-76,—Whereas, I, J. Kathuria,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Survey No. 393/1-1, F.P. No. 68, T.P.S. No. 10, situated at Rakhial, Ahmedabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on January 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transferor;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Jethalal Vallabhbhai Bhavsar, Vachli Sheri, Raipur, Ahmedabad.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land admeasuring 2775 sq. yards bearing Survey No. 393/1/1, Final Plot No. 68, T.P.S. No. 10 and situated at Rakhial, Ahmedabad.

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date: 11-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona-411004, the 18th July 1975

Ref. No. C.A.5/Nasik/Jan'75/216/75-76,--Whereas, H S Aulakh

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 816A H. No. 23, Station Road, situated at Nasik, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik on 4-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:---

(1) Smt. Kisanbai Kisanalalji Sarda, "Naudini", Nasik-Poona Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Shriman Bastiramji Sardar, Char "Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik. Charitable Trust. (Transferee)

- (3) (a) M/s B, N. Sarda,
 (b) M/s B, N. Sarda Pvt. Ltd.
 (c) M/s B, N. Sarda Pvt. Ltd., Sinnar Bidi Udyog

 - Ltd.,
 (d) M.T. Agency,
 (e) G.T. Agency,
 all at "Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Survey No. 816-A, Municipal No. 23, Station Road, Nasik.

Area: 9024 Sq. Mtrs. (1/2 share)

(property as mentioned in the Registered deed No. 24 of January 75, of the Registering authority, Nasik).

> H. S. AULAKH. Competent Authority. Inspecting Assit. Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 18-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411 004

Poona-411004, the 18th July 1975

Ref. No. C.A.S./Nasik/Jan'75/217/75-76.—Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 816-1-A, Municipal No. 23, situated at Nasik,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nasik .on 17-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Kamalabai Deokisanji Sarda, "Nandini", (1) Smt. Nasik-Poona Road, Nasik.

(Transferor)

(2) Shriman Bastiramji Sardar, Chart "Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik. Trust, Charitable (Transferee)

(3) (a) M/s B. N. Sarda,

(b) MIs B. N. Sarda Pvt. Ltd.,

(c) M/s B. N. Sarda Pvt. Ltd., Sinnar Bidi Udyog Ltd.,
(d) M.T. Agency,

(c) G.T. Agency, all at "Nandini" Nasik-Poona Road, Nasik.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Survey No. 816-1-A, Municipal No. 23, Station Road, Nasik.

Area: 9024 Sq. Mtrs. (1/2 share)

(Property as mentioned in the Registered deed No. 146 of January, 1975 of the Registering authority, Nasik).

> H. S. AULAKH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 18-7-1975

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITNON RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. No. 69/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkataraman,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 18-2-645, situated at Dhoolpet, Hyderabad, (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 9-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

19-236GI/75

Shri M. K. Vithal Rao S/o Pedda Balaiah, 15-2-645, Kishengunj, 2. Smt. Kollur Pushpa Veni W/o Satyanarayana, Old Bhoiguda, Hyderabad, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri B. Parameshwarkumar, Minor under the guardianship of his mother Smt. B. Shakuntala, 14-10-1371, Dhoolpet, Jali Hanuman, Hyderabad. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 15-2-645, situated at Kishen Gunj, Hyderabad, having an area of 155.49 Sq. Metres.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Aethority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

Seal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 16th May 1975

Ref. No. A-98/Jrr/75-76./487-500.—Whereas, 1, Shri Egbert Singh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. New P. No. 279, New Dag No. 1978 situated at Jorhat Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jorhat on 27-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohanlal Malpani, Rajmaidam Road, Jorhat. (Transferor)

1. Shri Akhechand Bajaj,
 2. Shri Satyanarayan Bajaj,
 3. Shri Sohanlal Bajaj,
 4. Shri Babulal Bajaj
 5. Shri Brijmohan Bajaj,
 6. M/s
 7. Babulal Brijmohan,
 7. Jorhat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring more or less 1200 (one thousand two hundred) Square feet out of Old Dag No. 1727 and New Dag No. 1978 of Old Patta No. 499 and new patta No. 279 of Jorhat Town Block No. 6 with all the two storcyed Building, sanitary latrines and the other equipments within the same including electric fittings, being part of Municipal Holding No. 264(A) of Ward No. V(Old) of Jorhat Town and bounded by West—Proposed Common boundarywall and the vendor's own land, East Rajmaidam Road, North—Shop now in occupation of M/s Ramkrishan Radhesyam, South—Shop now in occupation of M/s. Chhaganlal Shankarlal having common wall and belonging to Vendor.

EBGERT SINGH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Shillong.

Date: 16-5-1975.

(1) Smt. Parveen Rani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Hirdy Narain Beri.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 7th February 1975

Ref. No. 34-B/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

situated at Vill. Bhur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bulandshahar on 27-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, [hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house under construction measuring 500 sq. yds. situated at Vill. Bhur in District Bulandshahar.

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Lucknow

Date: 7-2-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.49/75-76.--Whereas, I, K. V. Venkataraman,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Portion of H. No. 12-2-825/826 situated at Mehdipatnam, Hyderabad,

(and more fully described in the Schedule anuexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hyderabad on 13-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, of the following persons, namely:—

 Smt. Zehra Fateema Hyder W/o late Mohd. Hyder, Through her G.P.A. Dr. Faheem M. Farooq, 9-4-2, Tolichowki, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Syed Mahboob Mohiuddin S/o Syed Pasha Miyan, Peddapali, Kareemnagar Dist. 2. Mrs. Syed Gulam Mohiuddin S/o Syed Pasha Miyan, New Mallepally, Hyderabad 3. Mrs. Meharunnissa Begum W/o Syed Gulam Mohiuddin, New Mallepally, Hyderabad 4. Mrs. Shakera Jahan Begum W/o Syed Mehboob, Mohiuddin, Peddapalli, Kareemnagar Dist.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of House No. 12-2-825/826, Situated at Mehdipatnam, Hayderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 9-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C.71/75-76.—Whereas, I, K. S. Venkata-raman.

being the competent authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot 5-1-496 situated at Putlibowli, Hyderabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Hyderabad on 31-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

 Shri Harikishen Soni S/o late Ramjivan Soni, H. No. 14-2-332/1, Gyanbagh Colony, Hyderabad.

(Transferor)

 Smt. G. Anasuya W/o G. Krishna 1-8-41/2, Chikkadpally, Hyderabad.

2. G. K. Narsimloo S/o G. Mallaiah, 1-8-41/4/2, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring about 303.11 Sq. Yds. bearing Municipal No. 5-1-496 and part of 5-1-497, Putlibowli, Hyderabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975

FORM ITNS----

(1) Smt. Malati Jal Ardeshir Naoroji,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri D. C. Patel & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-V, AAYAKAR BHAVAN,
M. KARVE MARG, BOMBAY-400 020

Bombay-400 020, the 31st July 1975

Ref. No. AR.V/230/1/74-75.—Whereas, I, J. M. Mehra, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range V, Bombay,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 82 and GTS No. 428 (part) situated at Village Devnar, (and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at Bombay on 8-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of land or ground and premises situate at village Devnar (also known as Devnaram) formerly in Taluka Kurla, District Bombay Suburban and now within Greater Bombay and in the Registration Sub-district Bandra, district Bombay city and Suburban forming part of land bearing survey No. 82 and C.T.S. No. 428 (part) admeasuring 999.37 sq. metres (i.e. 1195.22 sq. yards) and bounded as follows: that is to say: on or towards the North by the remaining portion of the land bearing survey No. 82 and C.T.S. Nos. 427 (part) and 428 (part), on or towards the south by the remaining portion of the land bearing survey No. 82, on or towards the West by a 44 feet road and on towards the East by the remaining portion of land bearing survey No. 82.

J. M. MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 31-7-1975

(1) Shri Balkishna.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jai Gopal & others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th July 1975

Ref. No. 24-J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing No.

Plot No. 12 situated at Dalibagh Kothi Telak Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Lucknow on 25-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 12 measuring 17665 Ss. ft. situated at Dali bagh Kothi Tilari Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-7-75

(1) Smt. Mansha Devi.

(Transferor)

(2) Shri U. S. Bajpai,

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 28th July 1975

Ref. No. 13-U/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 1/A situated at Vivekanand (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 13-6-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. 1/A (Khasra No. 213M) is situated at Vivekanand Marg Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow

Date: 28-7-1975

FORM ITNS----

(1) Shri Dwarka Nath Tandon,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1975

Ref. No. 59-R/Acq.—Whereas, 1, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. B-972 situated at Sector A Mahanagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 30-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—
20-236 GI/75

(2) Smt, Kanwar Rani Rajashwari Devi & others.
(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 Λ plot No. B-972 measuring 16400 sq. ft. is situated at Sector $\Lambda.$ Mahanagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 21-7-1975.

(1) Shri Nirmal chand,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rakesh Chand & others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1975

Ref. No. 58-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 15 situated at A. P. Sen Road Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 8-1-1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (B) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, name'y:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 Λ house No. 15 is situated at A. P. Sen Road Lucknow Cosesting of following:

- 1. Ground Floor-6121 Sq. Ft.
- 2. First Floor-3309 Sq. Ft.
- 3. Tin Shed-736 Sq. Ft.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 21-7-1975

(1) Smt. Sheela Varma & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri R. N. Arora,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 29th July 1975

Ref. No. 57--R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. B-50 situated at Mahanagar Extension Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 20-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot No. B-50 measuring 9075 Sq. Ft. is situated at E Road Mahanagar Extension Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 29-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th August 1975

Ref. No. DLI/69/74-75.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act')

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Vacant Plot No. C-1/16 in Model Fown, Sector 11, situated at Faridabad,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi in January, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—.

(1) The Principal Officer, M/s. D.L.F. United Ltd; 40-F, Connaught Place, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Smt. Sumitra Devi, 21-Baber Lane, New Delhi-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Plot No. C-I/16, Model Town, Sector 11, Farida-bad.

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh.

Date . 20-8-1975.

Sea!:

PART III—SEC. 11

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH

Chandigarh, the 20th August 1975

Ref. No. LDH/C/545/74-75.—Whereas, I, V. P. Mivocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

No. 1/3rd share in Kothi No. 464, Sham Singh Road, situated at Ludhiana

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in February, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Surjit Singh, s/o Shri Kartar Singh, 464. Sham Singh Road, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Singh, s/o Shri Gurdit Singh, 570, Gill Road, Ludhiana.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd share in Kothi No. 464, Sham Singh Road, Ludhiana.

V. P. MINOCHA Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh

Date: 20-8-1975.

FORM I.T.N.S.—

 Shri Chaman Shah Kapoor, C-4/8, Vasant Vihar, New Delhi

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH 156, SECTOR 9-B

Chandigarh, the 20th August 1975

Ref. No. DLI/14/74-75.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Ajrondha Cold Storage and Ice Factory situated on 18/1 mile on Delhi Mathura Rod, alongwith land appurtenant thereto, situated at Village Ajrondha. (Faridabad)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Delhi in February, 1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) The Principal Officer. M/s. M. R. Khemka Agencies (P) Ltd; 349-R, Chawri Bazar, Delbi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ajrondha Cold Storage and Ice Factory situated on 18/1 mile on Delhi Mathura Road, alongwith land appurtenant thereto, Village Ajronda. (Faridabad).

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 227 of February, 1975 of the Registering Authority, Delhi.)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date: 20-8-1975.

(1) Tinsukia Development Corporation, Tinsukia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Eastern Road Carrier Pvt. Ltd., Tinsukia. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 2nd May 1975

Ref. No. A-96/TSK/75-76/374-83.—Whereas, I, Egbert Singh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of Dag No. 2064, P.P. No. 114 situated at Tinsukia Town,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tinsukia on 5-2-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5093 Sq. Ft. covered by part of Dag No. 2064, P.P. No. 114 situated at Tinsukia Town in Dibrugarh District of Assam State.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax.
Acquisition Range, Shillong

Date · 2-5-1975.

(2) Shrimati Surjoo Bai, D/O Seth Tika Kam and W/O Seth Chandra Sen, R/O Kila Dwar, Hathras.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 7th July 1975

Ref. F. No. Acq/42/Hathras/74-75/648.—Whereas, I, F. J. Bahadur,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason' to

believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Kila Dwar, near Sarjubai

No. as per schedule situated at Kila Dwar, near Sarjubai Balika Vidyalaya, Hathras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Hathras on 1-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Surjoo Bai Balika Vidyalaya, Kila Dwar, Hathras.
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property consisting three rooms, five small rooms, one gallery and appurtenant land, situated at Kila Dwar, Hathras, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

F. J. BAHADUR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 7-7-1975

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM
HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 20th March 1975

Ref. No. PR.207/Acq.23-131/198/74-75,—Whereas, I, P. N. Mittal,

being the Competent Authority under

Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 16—Hissa No. 2 paiki Kapadra, Tal. Chorasi, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act. 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 4-2-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Aet', in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269°D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

21--236GI/75

- (1) Charansingh Bhishansingh 29, Sadhana Society, Varachha Road, Swat. (Transferor)
- (2) M/s. Pratap Steel Rolling Mills, Surat through partners:

Charansingh Bhishansingh Minor Sukhadevsingh Charansingh Minor Sukhabindersingh Charansingh Chunilal Harjivandas Pandya Isarsingh Bhishansingh Bansilal Ramcharandasji Dayaldasji Zandamal Vijakumar Bansilal Bhagwankor Charansingh

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property comprising land and building bearing Sur. No. 16 Hissa No. 2 paiki admeasuring total area of 5929 Sq. yards situated at Kapadra, Tal, Chorasi Dist. Surat as mentioned in the registered deed No. (new) 408/75 of February 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 20-3-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE V, AAYAKAR BHAVAN, M. KARVE MARG. BOMBAY-400 020.

Bombay-400020, the 31st July 1975

Ref. No. AR.V/249/74-75.—Whereas, I. J. M. Mehra,

the Inspecting Asstt. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range-V, Bombay,

being the competent authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43, of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 190 Hissa Nos. 2 & 9 CTS No. 846 situated at Kurla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 17-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid pro-

perty and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act'. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons namely:—

(1) Smt. Saubhagyadevi W/o Sarjuprasad Singh.

(Transferor)

(2) Shri Hiralal Virchand Sheth and Fakhruddin Abdulhussein Bharmal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Firstly:

All that piece or parcel of vacant land or ground of Khoti Freehold tenure situate lying and being at Kurla Halav Road also known as Hall Road in the Registration Sub-district and District of Bombay City and Bombay Sub-urban District in Greater Bombay containing by admeasurement 1058 sq. yards equivalent to 884.62 sq. metres or thereabouts and registered in the Books of the Collector of Land Revenue of the Bombay Sub-urban District under survey No. 190 Hissa No. 2 assessment Re. 1-3-0 and C.T.S. Nos. 846 and 847 and bounded as follows:— that is to say on or towards the East by Survey No. 190 Hissa No. 1 or towards the North by Survey No. 190 Hissa No. 3 on or towards the North by Survey No. 190 Hissa No. 9 on or towards the South by public road going towards the Halav Pakhadi or Hall Road.

Secondly:

All that piece or parcel of vacant plot of land or ground of Khoti freehold tenure situate lying and being at Kurla Halav Road also known as Hall Road in the Registration Sub-District and Dist. of Bombay City and Bombay Sub-urban District in Greater Bombay containing by admeasurement 1089 sq yards equivalent to 910.54 sq. metres or thereabouts and registered in the books of the Collector of Land Revenue of the Bombay Sub-urban District under S. No. 190 Hissa No. 9 assessment Rc. 1-5-0 and C.T.S. No. 846 and 847 bounded as follows:— that is to say on or towards the East by S. No. 190 Hissa No. 10 on or towards the North by S. No. 190 Hissa No. 12 and on or towards the South by Survey No. 190 Hissa No. 2.

J M MEHRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,

Acquisition Range-V, Bombay.

Date: 31-7-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 21st July 1975

Ref. No. F.IX/7/149/1974-75.—Whereas, I, G. V. JHABAKH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

door No. 62 situated at Harrington Road, Chetput, Madras-31 (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

West Madras on March 1975

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent vonsideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Mrs. Rutty Rajamannar,
 Harrington Road,
 Rajamannar Avenue, Chetput, Madras-31.

(Transferor)

(2) Mrs. Shakeroonnisa N. Jamal, 14, Sivaganga Road, Madras-34.

(Transferee)

Obections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds at No. 62, Harrington Road, Chetput, Madras-31 (R.S. No. 359/4 Part).

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range-1. (1/c), Madras-6.

Date: 21-7-1975.

FORM ITNS .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 21st July 1975

Ref. No. F. IX/7/150/74-75.—Whereas, I, G. V. Jhabakh, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 62 situated at Harrington Road, Madras-31

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

West Madras on March, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Mrs. Rutty Rajamannar, 66, Harrington Road, Madras-31.

(Transferor)

(2) Shri Mahmud N. Jamal, 14, Sivaganga Road, Madras-34.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 3 grounds at door No. 62, Harrington Road, Madras-31 (R.S. No. 359/4 Part).

G. V. JHABAKH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-1, (I/c), Madras-6.

Date: 21-7-1975.

FORM ITNS----

(2) Shui Ashit Kumar Biswas.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 48-A/Acq.—Whereas, I, Bishambher Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-20/51 & S-20/52 Plot No. 4/1 & 4/2 situated at Moballa Barama Bridge Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Varanasi on 5-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

- in the said instrument of transfer with the object of-
 - (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Her Highness Krishna Chandra Devi Rana & others.

(Transferor)

Date , 2-7-1975.

Seal:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publicution of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. S-20/51 and S-20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

(1) Smt. Her Highness Krishna Chand Devi Rana & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashit Kumar Biswas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 48-A/Acq.-Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. S-20/51 & S-20/52 Plot No. 4/1 & 4/2 situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 5-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer'as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. S-20/51 & 20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 is situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date . 2-7-1975.

FORM ITNS ---

(1) Smt. Her Highness Krishna Chaudree Devi Rama

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Protima Biswas.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in Official Gazette,

· Ref. No. 30-P/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-20/51 & S-20/52 plot no. 4/1 & 4/2 situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Varanasi on 5-3-1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of :-

- EXPLANATION: -The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
 - THE SCHEDULE

A portion of House No. S-20/51 and S-20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 is situated at Mohalla Barama Bridge Varanasi.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby

initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Date . 2-7-1975.

FORM ITNS ----

(1) Srnt. Her Highness Krishna Chaudree Devi Rama & others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Protima Biswas,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 30-P/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-20/51 & S-20/52 Plot No. 4/1 & 4/2 situated at Barama Bridge Varanasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 5-3-1975

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are confined in Chapter XXA of the said Act.

shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A portion of House No. 20/51 & 20/52 with land plot No. 4/1 & 4/2 is situated at Mohalla Barama Bridge Varanasl.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tux,
Acquisition Range, Lucknow.

Date . 2-7-1975.

(1) Smt. Heera Rani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kunwar Rani Mura Singh.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 2nd July 1975

Ref. No. 53-M/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No, 509/150(509/148) New Hydrasad Lucknow situated at Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 4-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Date: 2-7-1975.

Seal:

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

22--236GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a peiod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A premises known as view Cottage No. 509/150(590/148) is situated at Trans Gomti Civil Line New Hydrasad Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

(1) Shri Prem Chand Chaturvedi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ram Krishan Pal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref. No. 56-R/Acq.—Wheeras, I. Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax. Act. 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,0/0/- and bearing No.

No. Plot No. 8 situated at 4, A, Park Road, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Lucknow on 28-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the 'Said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 8, measuring 2713 sqr. fts. situated on 4 A Park Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 17-7-1975.

(1) Smt. Kasturi Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Pratima Agarwal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref. No. 33-P/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

situated at Rahim Nagar Maha Nagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 9860 sqr. fts, situated at Rahim Nagar Maha Nagar, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 17-7-1975

FORM ITNS-

(1) Shri Prem Chand Chaturvedi & others.
(Transferor)

(2) Shri Jagan Nath Pal,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 17th July 1975

Ref. No. 23-J/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land 8/1 situated at 4A Park Road Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act.

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 6th March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 8/1 measuring 3016 sqr. fts. situated on 4 A Park Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 17-7-1975

(1) Smt. Basanti Rai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sheo Kumari Devi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th July 1975

Ref. No. 67-S/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 35 measuring 405 sq. yds, situated at Bagh Talib Ali Paeg & Tehsil Chail Dist. Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 10-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to bet-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

ween the parties has not been truly stated in the said instru-

ment of transfer with the object of :-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land No. 35 measuring 405 sq. yds. situated at Bagh Talib Ali Paeg and Tehsil Chail Distt. Allahabad,

> BISHAMBHAR NATH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-7-75.

Shri S. M. Das Gupta, Manager of Loan Co. of Assam Ltd., Police Bazar, Shillong.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ahsan Elahi Nagi, C/o Nagis Garrage, Jail Road, Shillong. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX (C.A.) ACQUISITION RANGE. SHILLONG

(a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

Shillong, the 1st July 1975

(b) by any other person interested in the said

Ref. No. A-105/Shg/75-76/991-1000.—Whereas, I, Egbert

immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Singh being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Document No. 54 situated at Jail Road, Shillong (and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Shillong on 6-3-75 for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has

not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.
- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 5872 square ft. covered by document No. 54 situated at Jail Road, Shillong in Khasi Hills District of

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EGBERT SINGH. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax (C.A.) Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely: ---

Date: 1.7-75.

Meghalaya State.

(1) Smt. Zehra Fatima Hyder W/o late Mohd. Hyder, Through G.P.A., Dr. Faheem Mohd. Faroog, 9-4-2, Tolichowki, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Abdul Hadi S/o Abdul Gafoor, 97-B, Mallepalli, Hyderabad. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE **HYDERABAD**

Hyderabad, the 9th July 1975

Ref. No. R.A.C. 53/75-76.—Whereas, I. K. S. Venkataraman being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-2-826 situated at Mehdipatnam, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov. able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chap-

THE SCHEDULE

Portion of premises No. 12-2-826, measuring about 969 Sq. Mtrs. situated at Mehdipatnam, Hyderabad.

> K. S. VENKATARAMAN, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 9-7-1975.

(1) Shri S. K. Mukerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 10th July 1975

Ref. No. 53-R/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 133/302 situated at Ganesh Guuj, Lucknow (and more fully

described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Lucknow on 20-3-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the eduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' is respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Sald Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely:—

- (2) Shri Ram Kumar Agarwal and Subhash Chandra Agarwal. (Transferee)
- (3) M/s Lahore Tailoring House. ((Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A House No. 133/302 is situated at Mohalla Ganesh Gunj, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 10-7-1975.

Scal;

(1) Shri Ram Chandra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Suman Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 18th July 1975

Ref. No. 59-S/Acq.—Whereas, I. Bishambhar Nath, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 538 T /52 situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow

(and more fully des_

cribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-3-75/1-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

23-236GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/13th portion of the Sri Krishan Rice and Dal Mills No. 538-gha /52 comprising 5040 sqr fts. of land (Free hold) temporary quarters are constructed on an area of 2000 Sqr. fts. situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 18-7-1975.

(1) Shri Ram Chandra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Veena Gupta.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th July 1975

Ref. No. 18V/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing

No. 533 智 /52 situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 31-3-75/1-4-75

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition: of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

"1/13th portion of the Rice and Dal Mills No. 538-Gha/52 comprising 5040 sqr. fts. of land (Free Hold) temporary quarters are constructed on an area of 1300 sqr fts situated at Pataura Ganj Sitapur Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 19th July 1975.

(1) Shri Ram Chandra.

(Transferor)

7717

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Madhu Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 19th July 1975

Ref. No. 56-M/Acq.—Whereas, I, Bishambhar Nath being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.— situated at Pataura Ganj Lucknow (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot measuring 4000 sq. ft. having shops & covered by the shed is situated at Pataura Gani, Sitapur Road, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range,
Lucknow.

Date: 19-7-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 18th April 1975'

Ref. No. PR.216/Acq.23-360/3-2/74-75.—Whereas, I, P. N. Mittal

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'Said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/_ and bearing No. C. Sur. No. 13235 Sheet No. 82 Current No. 26 Muni. No. 5/1444/3 situated at Gobri Road, Palanpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908)

in the office of the Registering Officer at Palanpur on 8-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by issue of this notice under-sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Kanaiyalal Bhabhutbhai Mehta. Bombay.

(Transferor)

 Laxmanbhai Veersingbhai Patel, Ramjibhai Veersingbhai Patel, Bombay.

(Transferce)

(3) Patwa Mahendrabhai Khemchandbhai (out-house)
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property (Land and Building) known as "Guru-Sadan" bearing C. Sur. No. 13235 Sheet No. 82, current No. 26 Municipal No. 5/1444/3 admeasuring 7800 Sq. ft. including construction of 2481 sq. ft. situated at Gobri Road, Palanpur as mentioned in the registered deed New No. 225 of April 1975 of the Registering Officer, Palanpur.

P. N. MITTAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Dated: 18-4-1975,

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD-380009

Ahmedabad-380009, the 3rd July 1975

Ref. No. Acq. 23-I-406(195)/1-1/74-75,—Whereas, I, J. Kathurla.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 318, Sub Plot No. 3/2, Block No. B-2, situated at Dariapur, Kasipur, Ahmedabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ahmedabad on 29-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jayantilal Shakrabhai Shah, Sanjivani Road, Ellisbridge, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) Dr. Ramanbhai Shankarbhai Patel, For & on behalf of H.U.F. as Karta & Manager, Opp: Hathibhainiwadi, Outside Delhi Gate. Shahibaug Road, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A constructed property standing on land admeasuring 454 sq. yards alongwith cellar admeasuring 20 sq. yards bearing S. No. 318, Sub-Plot No. 3/2, Block No. B-2 and situated at Dariapur, Kazipur, Ahmedabad (and fully described in the sale document).

J. KATHURIA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 3-7-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 97/75-76.—Whereas, J. R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad on 30-3-75 for an

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) 1. Smt. R. Laxmi Reddy, W/o Dr. R. Ramachandra Reddy, H. No. 3-6-21 at Himyatnagar, Hyderabad.
 - M/s Sri Laxmi Enterprises. H. No. 3-6-291/1 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Vasavi Cooperative Housing Society Ltd. Secretariat Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: A portion of land admeasuring 4840 Sq. Yds, survey No. 62/1 at Kakaguda, village, Secunderubad.

I. R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date . 12-8-1975

FORM ITNS-----

(1) Shri J. H. Tarapore, 15, Harrington Road, Madras,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Vipon Chander Paul Bahl, 8, Valliammal Road, Madras-7,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-1, 123, MOUNT ROAD, MADRAS-6.

Madras-6, the 12th August 1975

Ref. No. F.IX/1/55/1974-75.—Whereas, I, G. Ramanathan being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15 situated at Harrington Road, Chetput, Madras (and more

fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on March, 1975

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 1 ground and 2202 sq. ft. at door No. 15 Harrington Road, Madras (S. No. 324-Part).

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-1,
Madras-6.

Date: 12-8-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 98/75-76.—Whereas, I. R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income tax Act 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

Secunderabad on 13-3-1975 for an apparent consideration

1908) in the Office of Registering Officer at

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri B, V. Satyanarayana Reddy, H. No. 10-2-320 at Maredpally, Secunderabad. 2. M/s Sri Lakshmi Enterprises, Managing partner Sri Bapaiah, Chowdry, H. No. 3-6-291/1 at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Vasavi Cooperative Housing Society Ltd. Secretariat Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Survey No. 55/1 at Kakaguda Village, Secunderabad, Area 2 acres and 30 guntas,

(2) S. No. 62/1 1 acre 10 guntas,

Total 4 acres

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax, Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 12-8-1975.

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 99/75-76.—Whereas, I R. Rangayya, the Inspecting Asst. Commissioner of Income Tax, Acquisition Range IV. Bombay.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village Secunderabad (and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Secunderabad 4-4-75

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

24-236 GI/75

(1) 1. Sri B. V. Satyanarayana Reddy, R/o 10-2-320 at Maredpally, Secunderabad, 2 M/s Sri Lakshmi Enterprises, Managing Partner, Sri Bapaiah Chowdary R/o 3-6-291/1 at Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s Vasavi Cooperative Housing Society Ltd. Secretariat Road, Hyderabad, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: S. No. 62/1 at Kakaguda village, Secunderabad. Atea: Ac 3.37 yards,

> R. RANGAYYA. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 12-8-1975.

(1) Shril Jwala Pd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ajai Kumar and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 50-A/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 120 and 335 etc. situated at Village Rinhcepur West Faizabad.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Distt. Faizabad on 18-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 bighas 13 biswas 11½ Biswansias is situated at Vill. Rinheepur Distt. Faizabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 8-8-1975.

(1) Shri Ravinder Nath Banerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Brahmdeo Misra and Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd July 1975

Ref. No. 44-B/Acq.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 232 situated at John Distr. Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 1-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Scare of Plot No. 232 measuring 58½ Dc. is situated at John Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 22-7-1975.

(!) Haridhan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bhajan Singh.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1975

Ref. No. 45-B/Acq.—Whereas, I BISHAMBHAR NATH, eing the competent authority under section 269B of he Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred o as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No.

2 Mi. situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Belaspur on 7-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 bighas is situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 6-8-1975,

Scal:

(1) Smt, Roshan Jahan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chhotey Lal and Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 16-C/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

H. No. 299/69 situated at Taniya Bhatiaran Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 299/69 measuring 1800 sq. ft. is situated at Mohalla Taniya Bhaharan Lucknow,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 5-8-1975.

Scal:

(2) Shri Jasbinder Singh and Others,

FORM ITNS-

(1) Shri Ramji Das,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1975

Ref. No. 25-J/Acq.--Whereas. I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Mohalla Sighan Kashipur,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kashipur on 7-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'sald Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house measuring 1050 sq. ft, is situated at Mohalla Sighan Kashipur Distt, Nainital,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 6-8-1975.

(1) Shri Kalesh Das Banerji.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Madan Mohan Lal and Others,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd July 1975

Ref. No. 57-M/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 232 situated at Distt. Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 1-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half Share of plot No. 232 measuring 58} De. is situated at Distt. Varanasi,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 22-7-1975.

Scal ?

(1) Shrì Mewa Lal,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Rajender Pd. Gupta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1975

Ref. No. 60-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plots No. 227 and 228 etc. situated at Bhavapur Kala Dande,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 17-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three plots measuring 19.12 Biswas are situated at Bhavapur Kala Dande Distt. Allahabad.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow,

Date: 6-8-1975.

FORM ITNS----

(1) Smt, Bachia,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Reckh Dev Singh and Others,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd July 1975

Ref. No. 61-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-

No. 2416, 2430 etc. situated a Taribara gam Distt. Ballia, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the regis-

tering Officer at Rasra on 20-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax, Act, 1937 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.49 Dc. is situated at Vill. Taribara Gaon Distt, Ballia,

> BISHAMBHAR NATH, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax, Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :-

25-236GI75

Date: 22-7-1975,

Scal:

(1) Shri Chanda Singh,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th July 1975

Ref. No. 62-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 273, 275 etc. situated at Vill. Kishanpur Molagarh, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra-

tion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 20-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income raising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Shri Raghubir Singh and Others.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7.59Dc, is situated at Vill. Kishanpur Molagarh Distt, Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 30-7-1975.

(2) Shri Raghubir Singh and Others.

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th July 1975

Ref. No. 62-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 193, 194 etc. situated at Vill, Kishanpur Molagarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Rampur on 30-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Scotion 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15.59 D. is situated at vill. Kishanpur Molagarh Distt, Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

(1) Shri Asa Singh.

Date: 30-7-1975.

Seal:

(Transferor)

(1) Shri Asa Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raghubir Singh and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 30th July 1975

Ref. No. 62-R/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act,

1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs.

25,000/- and bearing

No. 193, 194, etc. situated at Vill. Kishanpur Molagarh Distt. Rampur,

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Pegistration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rampur on 20-1-1975,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15.59 Dc. is situated at Vill, Kishanpur Molagarh Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Incometax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 30-7-1975.

FORM ITNS----

(1) Shri Haridhan Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santokh Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th August 1975

Ref. No. 70-S/Acq.—Whereas, I. BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2 मि॰ situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bilaspur on 7-1-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration tion and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealthtax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 12 bighas situated at Vill. Bhojpur Distt. Rampur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income_tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 6-8-1975.

(1) Smt. Shanti Devi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sharda Devi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 71-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Λutho-

rity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-47/198 situated at Rama Pura Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Varanasi on 22-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Λ house No. D--47/198 is situated at Mohalla Ramapura Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 5-8-1975.

(1) Smt. Munni Devi and Others,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Saroj Tripathi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 72-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

H. No. 55 situated at Tilak Nagar Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed

hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 16-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 55 measuring 910 sq. ft. is situated at Tilak Nagar Lucknow,

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-8-1975.

FORM ITNS ---

(1) Shri Baij Nath,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sita Ram,

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 73-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. situated at Kanpur Lucknow Road, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-1-1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house situated at Kanpur Lucknow Road, Iucknow.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-8-1975.

FORM ITNS----

(1) Shri Babu Jagar Nath Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satya Prakash and Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 21st July 1975

Ref. No. 74-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the improvable property having a fair market

believe that the immovable property, baving a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 692, 693 etc. situated at Vill. Barhea Khurd. Distt. De. la.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Hata on 13-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

26—236GI/75

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 11.82 DC. is situated at Vill. Barhea Khurd Distt. Deoria.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 21-7-1975.

Seal ;

FORM ITNS----

(1) Smt. Rama Devi Ojha.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Usha Puri.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 8th August 1975

Ref. No. 14-U/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 548/634 situated at Mahangar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Lucknow on 11-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly

stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used

herein as are defined in Chapter

XXA of the said Act, shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Half share of house No. 545/634 with plot No. 231 is situated at Mahanagar Lucknow.

BISHAMBHAR NATH
Competent, Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 8-8-1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 12th August 1975

Ref. No. RAC. No. 100/75-76.—Whereas, I, R. Rangayya, being the competent authority under section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 62/1 situated at Kakaguda, village, Secunderabad, (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908(16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 4-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

transfer with the object of-

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the sale Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) Smt. R. Laxmi Reddy W/o Dr. R Ramachandra Reddy. R/o 3-6-21 at Himayatnagar, Hyderabad.
 - (2) M/s. Sri Laxmi Enterprises, managing partner Sri Bapaiah Chowdary, 3-6-291/1 at Himyatnagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) M/s. Vasavi Cooperative Housing Society, Vasavinagar, Secretariat Road, Hyderabad-4.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property: Survey No. 62/1 at Kakaguda, village, at Secunderabad,

Area; 18 guntas.

R. RANGAYYA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 12-8-1975

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vikram Singh & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 19-V/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 879 situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nighasan on 27-1-1975, for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5,11 acres situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 5th August 1975.

Scal:

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vikram Singh & Others.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 19-V/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and hearing

ing Rs. 25,000/- and bearing No. 879 situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nighasan on 27-1-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 5 acres situated at Mauza Patwara Distt, Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 5th August 1975.

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Vishwa Nath & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 20-V/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 879 situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nighasan on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from. the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 acres situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date: 5th August 1975.

(1) Shri Bhagwat Singh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Phoof Chand Singh Yaday and Others, (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Lucknow, the 8th August 1975

(b) by any other person interested in the sald immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 36-P/Acq.—Whereas, 1, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Rs. 25,000/- and bearing
No. 117 situated at Vill, Nari Panchdeora, Distt Ghazipur,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto) has been transfered under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Saidpur on 22-4-1975,

THE SCHEDULE

for an apparent consideration

Agricultural land measuring 6 bighas 3 biswa 7 biswansi is situated at Vill. Nor Panchdeora Distt. Ghazipur.

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) facilitating the reduction or evasion of the

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-8-1975.

(1) Shri Jai Mal Singh & Others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Prem Prakash & Others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 5th August 1975

Ref. No. 37-P/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 879 situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering Officer at

Nighasan on 27-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.11 acres situated at Mauza Patwara Distt. Lakhimpur-kheri.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date: 5-8-1975.

(1) Shri Chander Prakash Hingurani,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kusam Singh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 11th August 1975

Ref. No. 36-K/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. of House 198 situated at Mohalla Shastri Belia Hata Distt. Gorakhpur.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gorakhpur on 18-2-1975.

for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

27-235GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double storeyed house measuring 2400 sq. ft. is situated at Mohalla Shastri Nagar Betia Hata Distt, Gorakhpur.

BISHAMBHAR NATH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-tax
Acquisition Range, Lucknow,

Date: 11-8-1975,

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, NAGPUR

Nagpur, the 31st July 1975

Ref. No. IAC/ACQ/39/75-76.—Whereas, I, D. Ramarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to as the 'Said Act',) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Circle No. 19/27, Ward No. 1/3, House No. 2/0+3, East side portion of house situated at Nagpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Nagpur on 1-4-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the rent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Amrut Pharmacy (P) Ltd., Nagpur through Director Shri Prataprao S/o. Krushnarao Pradhan. (Transferor)
- (2) (1) Shri Sewakram s/o Laxmanrao Bawane.
 - (2) Shri Govindram s/o Laxmanrao Bawane,
 - (3) Shri Prabhakarrao s/o Laxmanrao Bawane.
 (Transferee)
- (3) (1) Nagpur Saree Kendra, Nagpur : Ground floor
 (2) Dr. T. H. Rane, Nagpur : 1st floor.
 (3) Shri D. V. Navgre, Nagpur : 2nd floor.

(Person in occupation of the property).

(4) Nagpur Sarce Kendra, Nagpur.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East side of House No. 2/0+3, Circle No. 19/27, Ward No. 1/3 measuring 39'6'×13'9" half portion of three storied Building situated on Sitabuldi main Road, Nagpur (Maharashtra State).

D. RAMARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax,
Acquisition Range, Nagpur

Date: 31st July 1975.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 5th February 1975

Ref. No. Acq. File No. 147 J. No. I(540, 541, 542 & 543)/74-75.—Whereas, I, K. Subbarao,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Door Nos. 49-1-9, 49-1-10, 49-1-11 and 46-13-4 situated at Kakinada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Kakinada on 31-1-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the tronsferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act,' to the following persons, namely:-

(1) The Trust Association of the Convention of Baptist Churches of the Northern Circars-Represented by I. Samuel, Opposite to Taluk Office, Kakinada.

(Transferor)

 Shrimati J. Santakumari, W/o Venkatareddy
 Smt. Perupally Laxmi Bai, W/o Ramachandrarao
 Smt. Chintakayala Kanthamma, W/o Balakrishna Puvvala Nirmaladevi, W/o Ravindra Kumar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

East Godavari District—Kakinada Sub-Registrar—Kakinada Municipality—Kakinada Town—Kakinada Ward No. 8—Block No. 15—T.S. Nos. 743 & 744—Door No. 46-13-4.

1. Boundaries to the property BOUNDRIES of Smt. J. Santakumari Document No. 446.
East: 115'.6" C. Kantamani
West: 115'.6" Church Road
North: 48'.3" Sivalayam Street
South: 53'.6" P. Nirmaladevi

2. Boundaries to the property of P. Laxmi Bai Document

No. 447 East: 175'.9" vacant plot West: 155'.9" Church Road North: 126'.9" P. Nirmaladevi

3. Boundaries to the property of C. Kantamani Document

No. 448
East: 115'.6" vacant plot
North: 115'.6" J. Santakumari
West: 67'.6" Sivalayam Street
South: 69'.00" P. Nirmaladevi

4. Boundaries to the property of P. Nirmaladevi Document No. 449

East: 73'.6" vacant plot West: 78'.9" Church Road North: 121'.9" Smt. C. Kantamani & J. Santhakumari's

sestn South: 120'.9" P. Laxmi Bai

K. SUBBARAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range, Kakinada

Date: 5-2-1975

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore, (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Shri Doddu Sathiraju, Mohd. Ali Street, Gandhinagar, Kakinada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG No. 613/74-75 Acq. File No. 227.—Whereas, I. B. V. Subbarao.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta, Kakinada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kakinada on 15-2-1975,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX-A of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1254 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-8-1975

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

(1) Shrimati Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore. (Transferor)

(2) Smt. Shilukuri Seetha Mahalaxmi, W/o Dr. Ch. Srinivasarao, Ramadas Clinic, Majestic Cinema Street, Kakinada.

(Transferee)

30VERNMENT OF INDIA

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 614/74-75 Acq. File No. 228.—Whereas, I, B. V. Subbarao.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta, Kakinada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 15-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1255 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-8-1975

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 594/74-75 Acq. File No. 226.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta, Kakinada,

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 15-2-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.
 (Transferor)
- (2) Dr. P. Narayanarao, C/o Seva Sadan, Nursing Home Opp. Town Hall, Main Road, Kakinada.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1253 registered before the S.R.O. Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 13-8-1975

(2) Smt. Bella Suryanarayanamma, W/o Veerabhadrarao Gopalakrishna Road, Ramaraopeta, Kakinada.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 593/75-76 Acq. File No. 225—Whereas, I. B. V. Subbarao.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta, Kakinada.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Kakinada on 15-2-75

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisiton of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore, (Transferor) Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1252 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada

Date: 13-8-1975

Scal:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 13th August 1975

Ref. No. EG. No. 592/74-75 Acq./File No. 224—Whereas, I. B. V. Subbarao,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Door No. 6-1-51 situated at Jawahar Street, Ramaraopeta, Kakinada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kakinada on 15-2-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affect that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Shalini Bai Sumitra Rao & Jawahar, Bangalore.

(Transferor)

 Smt. Palivela Satyaraju, W/o Baskara Rao, 6-1-51, Jawahar Street, Kakinada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1251 registered before the S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 13-8-1975

(1) Shri Kankatala Subramanyeswararao, Rajahmundry.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Inumarthi Nandikeswaramma, Rajahmundry.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 18th July 1975

Ref. No. J. No. I(602)/EG/74-75/Acq. File No. 209.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 14/105 C.S. 30-2-5 situated at Gazinana Saheb St., Rajahmundry,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the oifice of the Registering Officer

at Rajahmundry on 28-2-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the aparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of:-

(a) racilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income stising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or more more or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—
28—236GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule property as per sale deed dated 28-2-1975 vide document No. 679 registered on 28-2-75 before the S.R.O., Rajahmundry.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kainada.

Date: 18-7-1975

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kankinda, the 17th July 1975

Ref. No. 1(680)/GTR/74-75/Acq. File No. 210.-

Whereas, I. B. V. Subbarao. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 12-27-127 situated at Silamvari Street, Kothapeta, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 28-2-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri N. Ramakoteswararao, (2) N. Prabhakararao, (3) Smt. Ch. Laxmikanthamma, (4) N. Bhimalingeswaramma, (5) Smt. B. Udaya Baskaramma, (6) Smt. N. Satyanarayanamma, Guntur.

(Transferor)

(2) Shri Dr. Rapuri Ramakrishnarao, Guntur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 28-2-75 vide document No. 703, registered before the S.R.O., Guntur.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kainada.

Date: 17-7-1975.

Seal '.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OPFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 3rd July 1975

Ref. No. J. No. 504(VJA)/74-75/Acq. File No. 204.—Whereas, I, B. V. Subbarao,

ing the Competent Authority

_er Section

19B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 11-51-14 situated at Pottiswamy Street, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri T. Venkateswararao, (2) T. Murali Krlahna, Vijayawada.

(Transferos)

(2) Shri Maturi Venkateswararao, S/o M. Poornachan-drarao, Main Road, Vijayawada,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The Schedule of property, namely land and building as shown in the sale deed No. 545 of S.R.O., Vijayawada in the month of February, 1975.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range.
Kakinada

Date: 3-7-1975

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Kakinada, the 21st July 1975

Ref. No. J. No. I(617)/EG/74-75/Acq. File No. 211.— Whereas, I, B. V. Subbarao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25.000/-and bearing

No. R. S. No. 179 situated at Dwarakanagar area,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kakinada on 31-3-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Gandi Muthu Laxmi, W/o Gandi Venkata Apparao Kakinada. (Transferor)

(2) Smt. Medapati Varalaxmi, W/o Medapati Suryanarayanareddy, Kakinada. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per sale deed dated 14th March, 1975 vide document No. 1905 registered on 20-3-75 before S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kakinada.

Date: 21-7-1975

Soal :

- (2) 1. Smt, Laxmi Devi Saraogi,
 - 2. Omprakash Saraogi &
 - 3. Prahlad Bhagat Pasari.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE 1NSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-V, CALCUTTA

Calcutta, the 19th August 1975

Ref. No. AC-7/Acq. R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Infamdar

Feing the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value ceeding Rs. 25,000/- and bearing

(o. 3, situated at Canal East Road. Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Calcutta on 7-12-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the resocctive persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece or parcel of revenue free land together with all buildings, structures, godown and erecting standing on 3, Canal East Road, Calcutta, Land area on actual measurement 3 Bighas 7 Cottahs & 6 chattaks as per deed No. I-7168 dt. 7-12-1974.

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-V, Calcutta
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

(1) M/s. Coates of India Ltd.

(Transferor)

Date: 19-8-1975.

29-236GI/75